योगी सरकार की बड़ी कार्रवाई... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जाने-पहचाने किरदारों से आगे... 11

वर्ष - 02, अंक - 113 | गाजियाबाद / रविवार 26 जुलाई 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

भारत ने स्वदेशी काउंटर-ड्रोन सिस्टम का कर लिया ट्रायल

● सेना के कम्युनिकेशन नेटवर्क से जुड़ सकता है भार्गवास्त्र

ड्रोन के झुंड को रोक सकता है, गाड़ी पर भी लगा सकते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना के सामने सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड ने नागपुर में अपने स्वदेशी काउंटर-ड्रोन सिस्टम 'भार्गवास्त्र' का सफल लाइव ट्रायल किया। कंपनी का दावा है कि यह सिस्टम हवाई हमलों और ड्रोन स्वार्म (ड्रोन के झुंड) जैसे बढ़ते खतरों से निपटने के लिए तैयार है। इसे सेना के कमांड और कम्युनिकेशन नेटवर्क से भी जोड़ा जा सकता है। मौजूदा जानकारी के मुताबिक, यह सिस्टम खतरनाक ड्रोन और खुद से उड़ने वाले ड्रोन के झुंड को रोकने के लिए बनाया गया है। इनपुट में ट्रायल की तारीख और सेना की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया की जानकारी नहीं दी गई है। यह जानकारी अभी सामने नहीं आई है। कंपनी के मुताबिक ट्रायल सफल रहा। भार्गवास्त्र को गाड़ी पर आसानी से लगाया जा सकता है।

● **स्वदेशी रॉकेट और माइक्रो-मिसाइल से लैस-** कंपनी के मुताबिक, इस सिस्टम में देश में बने रॉकेट और सटीक निशाना लगाने वाली माइक्रो-मिसाइल लगी हैं। दावा है कि ये दुश्मन के ड्रोन को हवा में ही नष्ट कर सकती हैं। कंपनी के अनुसार, भार्गवास्त्र को रेगिस्तान, मैदान और समुद्र तल से 5,000 मीटर तक ऊंचे पहाड़ी इलाकों में भी तैनात किया जा सकता है। इसे अलग-अलग भौगोलिक परिस्थितियों में इस्तेमाल करने के हिसाब से तैयार किया गया है। सिस्टम के कंट्रोल सेंटर में 10 किमी तक ड्रोन का पता लगाने वाला रडार और खास सेंसर लगाए गए हैं। कंपनी के मुताबिक ये सेंसर लक्ष्य की पहचान कर उसे ट्रैक करने में मदद करते हैं, जिससे ड्रोन के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है।

हमें आदेश देने की बजाय नई पीढ़ी से बातचीत करनी चाहिए

मोहन भागवत बोले-नई पीढ़ी को आदेश न दें, उनसे संवाद स्थापित करें

हम मनमानी करेंगे, शक्ति से सबके मालिक बनेंगे, यह ठीक नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को दिल्ली में कहा, आज की नई पीढ़ी बहुत सारे सवाल पूछती है। हमें आदेश देने की बजाय उनसे बातचीत करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हें हर बात के पीछे का तर्क समझाना चाहिए, न कि आदेश देना चाहिए। संवाद के जरिए ही उन्हें सही दिशा दिखाई जा सकती है। हम मनमानी करेंगे, शक्ति से सबके मालिक बनेंगे, ऐसा नहीं हो सकता। उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब देश में पेपर लीक के मुद्दे को लेकर छात्र जंतर-मंतर प्रदर्शन कर रहे हैं।

पहले माता-पिता की बात ही अंतिम होती थी, लेकिन आज नहीं

मोहन भागवत ने कहा, 'पहले के समय में माता-पिता की बात बिना किसी सवाल के मान ली जाती थी। जब हम छोटे थे, तो माता-पिता जो कहते थे, वही अंतिम होता था।' कोई बहस नहीं होती थी। श्रद्धा थी और प्रतिक्रिया भी नहीं होती थी, लेकिन अब समय बदल गया है। नई पीढ़ी सवाल पूछती है और उन्हें हर बात का तर्क बताना पड़ता है। नई पीढ़ी को बहुत अपनापन देने की जरूरत है, उन्हें समय देने की जरूरत है और सबसे ज्यादा संवाद की जरूरत है। आज डिक्टेशन नहीं, डिस्कशन की जरूरत है। ऑर्डर नहीं, कॉन्शसनेस (जागरुकता) की जरूरत है। आज परिवारों में आपसी बातचीत पहले की तुलना में काफी कम हो गई है। बच्चों और युवाओं के साथ नियमित संवाद ही उन्हें सही दिशा दे सकता है।

भारी दबाव के बीच धर्मेन्द्र प्रधान ने छोड़ा पद

● शिक्षा मंत्री के पद से दिया इस्तीफा, छात्र आंदोलन के बीच बड़ा फैसला

बयान में कहा- छात्रों के हित और शिक्षा व्यवस्था की गरिमा सर्वोपरि है

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट परीक्षा विवाद और लगातार बढ़ते राजनीतिक दबाव के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है।

लंबे समय से विपक्ष और प्रदर्शनकारी संगठन उनकी जिम्मेदारी तय करने की मांग कर रहे थे। शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर खुद धर्मेंद्र प्रधान ने अपने इस्तीफे की बात कही। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपना त्यागपत्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेज दिया है।

उन्होंने पोस्ट कर कहा, पिछले 10 दिनों का घटनाक्रम देखकर मेरा मन दुःखी है। यह मेरे लिए व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का विषय नहीं है। भारत की युवाशक्ति ही, इस देश की असली ताकत है। देश की युवाशक्ति को भ्रम के कुचक्र में फंसने नहीं देंगे, यही मेरा संकल्प है।

● **धर्मेंद्र प्रधान ने युवाओं के नाम लिखा लेटर-** धर्मेंद्र प्रधान ने अपने लेटर में कहा कि वह पिछले चार दशकों से अधिक समय से छात्र, शिक्षक और शिक्षा सुधार के क्षेत्र से जुड़े रहे हैं। उन्होंने लिखा कि एक सशक्त, समावेशी और दूरदर्शी शिक्षा व्यवस्था ही मजबूत राष्ट्र की आधारशिला है। उन्होंने नीट-यूजी परीक्षा में सामने आई अनियमितताओं का जिक्र करते हुए कहा कि भारत सरकार ने मामले को तुरंत संज्ञान में लिया और जांच सीबीआई को सौंपी गई।

● सीजेपी बोली-आंदोलन खत्म, तीनों मांगें पूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी ने शनिवार को आंदोलन खत्म कर दिया। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, जितेंद्र सिंह के साथ प्रवक्ता सौरभ दास, आशुतोष रांका ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसका ऐलान किया। सौरभ दास ने कहा कि जंतर-मंतर मौजूद सभी प्रदर्शनकारी अब अपने घर लौट जाएं। रांका ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में सरकार से 3 बार बातचीत हुई। हमारी तीनों मांगें मान ली गई हैं।

प्रधान के इस्तीफे के बाद जंतर-मंतर पर जश्न

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की खबर आते ही जंतर-मंतर पर जश्न शुरू हो गया। छात्रों ने छात्र एकता जिंदाबाद के नारे लगाए। राष्ट्रगान गाया। इस दौरान नीट पेपर लीक के बाद जान गंवाने स्टूडेंट्स के लिए 2 मिनट का मौन रखा गया। कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा, क्या कह रहे थे, इस सरकार में इस्तीफे नहीं होते। झुकती है दुनिया झुकाने वाला चाहिए। मंत्री का इस्तीफा तो हो गया है, लेकिन हमारी दो और मांगे हैं। उन्होंने कहा, हम ऐसे नहीं जाएंगे कॉकरोच एक बार घुसता है तो निकलता नहीं है।

बिहार और यूपी में छात्र प्रदर्शन के दौरान पत्थरबाजी, बवाल

● फायरिंग-पथराव में 15 घायल, दो एसपी भी चोटिल

आरा में रेलवे ट्रैक पर प्रदर्शनकारी, प्रयागराज में झड़प

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक मामले और लाठीचार्ज के खिलाफ छात्रों का प्रदर्शन देशभर में शुक्रवार को भी प्रदर्शन जारी रहा। बिहार में बंद आयोजित किया गया। इस दौरान पटना और सीवान सहित 8 जिलों में छात्रों ने पुलिस पर पथराव किया। पथराव में सीवान में पथराव से एसपी घायल हो गए। इसके बाद पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे और करीब 10 राउंड फायरिंग की। सीतामढ़ी में भी पथराव हुआ। एसपी समेत 12 लोग घायल हो गए। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज, लखनऊ और सहारनपुर समेत कई शहरों में प्रदर्शन हो रहे हैं। प्रयागराज में 10 हजार लोग सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं।

यूपी के प्रयागराज में 10,000 छात्र सड़क पर- यूपी में शनिवार को कॉकरोच जनता पार्टी के समर्थन में प्रयागराज, लखनऊ, कानपुर और मेरठ समेत कई शहरों में प्रदर्शन हुए। प्रयागराज में भारी बारिश के बीच 10 हजार से ज्यादा छात्र-छात्राएं सड़कों पर उतर आए और जमकर नारेबाजी की। हाथों में संविधान की किताब लेकर पहुंचे छात्र केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर अड़े थे।

भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी से युवाओं में भारी आक्रोश

● मायावती ने कहा, सरकार और विपक्ष दोनों हैं गलत

शिक्षा सुधार के मुद्दे को छोड़ सिर्फ सियासत कर रहे

लखनऊ (एजेंसी)। देश में नीट-यूजी समेत विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के कथित पेपरलीक को लेकर नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों के आंदोलन पर बसपा प्रमुख मायावती ने पक्ष-विपक्ष दोनों को आड़े हाथों लिया। मायावती ने कहा कि शिक्षा सुधार के मुद्दे को छोड़कर दोनों पक्ष सिर्फ सियासत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं की नाराजगी और परीक्षाओं में पारदर्शिता की मांग को राजनीतिक चश्मे से देखने के बजाय व्यवस्था सुधार पर ध्यान देना चाहिए। मायावती ने कहा कि नीट और अन्य परीक्षाओं में कथित पेपरलीक के बाद देशभर में छात्रों में भारी असंतोष है। कई परीक्षार्थियों के मानसिक तनाव और आत्महत्या जैसी घटनाओं ने भी चिंता बढ़ाई है। ऐसे में नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों का शांतिपूर्ण धरना लोगों की सहानुभूति हासिल कर रहा है।

राजनीतिक दलों में एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़- मायावती ने कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। अब इस मुद्दे को लेकर सड़क से संसद तक राजनीतिक दलों में एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ लगी है। इसका असर कई राज्यों में भी दिखाई दे रहा है, जहां प्रदर्शन और विरोध के कारण तनाव का माहौल बन रहा है। उन्होंने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे ऐसे हालात में संयम और सतर्कता बनाए रखें।

संक्षिप्त समाचार

सीजेपी प्रोटेस्ट को मुंबई में मिला बड़ा समर्थन

राज ठाकरे ने तिरंगा मार्च से पहले किया बड़ा ऐलान, सीएम समेत वीआईपी की सुरक्षा बढ़ी

मुंबई (एजेंसी)। दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च में हुए लाठीचार्ज और पुलिस से झड़प के बाद छात्रों का आंदोलन देशव्यापी हो गया है। जंतर-मंतर पर सीजेपी का जमावड़ा है तो वहीं दूसरी आर्थिक राजधानी मुंबई में दादर-शिवाजी पार्क का एरिया जंतर मंतर-2 बन गया है। शुक्रवार को तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में युवा यहां पहुंचे। सीजेपी प्रोटेस्ट के समर्थन में जुटे युवाओं के हाथों में स्लोगन और पोस्टर थे। जो पीएम मोदी पर केंद्रित थे। इनमें एक पोस्टर ने सभी का ध्यान खींचा इसमें

लिखा था कि हमें न्यायवाला चाहिए, चाय वाला नहीं, लेकिन राज ठाकरे ने तिरंगा मार्च से 26 जुलाई को शिवसेना और मनसे की ओर से आयोजित संयुक्त मार्च गैर-राजनीतिक होगा। इसमें किसी भी पार्टी का झंडा नहीं होगा और नारे सिर्फ सरकार की कार्रवाई की निंदा करने और छात्रों के समर्थन में ही लगाए जाएंगे। प्रोटेस्ट में पहुंचे उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे ने अभिजीत दीपके से फोन पर चर्चा की। इस मौके पर राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे भी मौजूद रहे। दिल्ली के बाद मुंबई में सीजेपी के समर्थन में हुए प्रदर्शन ने सबसे ज्यादा ध्यान खींचा। ऐसे में जब रविवार यानी 26 जुलाई को दोनों ठाकरे ब्रदर्स (राज ठाकरे-उद्धव ठाकरे) ने एक साथ मैदान में उतरने का ऐलान किया है।

क्रिकेटर आकाशदीप मुकेश बने डीएसपी

सीएम के पैर छुए, सम्राट बोले-अगले आईपीएल ऑक्शन में बिहार की टीम भी रहेगी

पटना (एजेंसी)। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शनिवार को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय लेवल पर मेडल जीतने वाले 19 खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी का जॉइनिंग लेटर दिया। इनमें भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज आकाशदीप और मुकेश कुमार को पुलिस उपाधीक्षक और एथलेटिक्स खिलाड़ी पीयूष राज को पुलिस अवर निरीक्षक पद पर नियुक्ति दी गई। वहीं आकाशदीप और मुकेश कुमार ने पैर

छूकर मुख्यमंत्री से आशीर्वाद लिया। ऊर्जा ऑडिटोरियम में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस साल 106 खिलाड़ियों को लेटर पहले ही दिए जा चुका है। इस योजना में नियुक्ति-पत्र, खेल छात्रवृत्ति चयन-पत्र और खेल सम्मान राशि दी गई। 19 उत्कृष्ट खिलाड़ियों को नियुक्ति-पत्र मिला है। इसके अलावा समारोह के दौरान 5 पैरा खिलाड़ियों सहित विभिन्न खेल विधाओं के बाकी प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को भी नियुक्ति-पत्र सौंपे गए। 2026 में स्वर्ण और रजत पदक जीतने और एथलेटिक्स में अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक जीतने वाले सेतु मिश्रा को 37.50 लाख रुपये की सम्मान राशि प्रदान की गई।

बंगाल में 650 साल पुरानी अदीना मस्जिद के बाहर पूजा

'आदिनाथ मंदिर' के दावे के बीच शिवलिंग स्थापना की तैयारी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में मंदिर-मस्जिद विवाद गहराता जा रहा है। ऐसा इस वजह से क्योंकि भारतीय जनता पार्टी नेता के नेतृत्व वाले एक राइट-विंग ग्रुप ने मालदा जिले में एक 650 साल पुरानी मस्जिद के पास पूजा-अर्चना की। इसके बारे में उनका दावा है कि वह कभी मंदिर हुआ करती थी। आगामी सोमवार को 'आदिनाथ पुरातन शिव मंदिर' संगठन मस्जिद के बाहर एक विशाल शिवलिंग स्थापित करने की योजना बना रहा है। मालदा के पांडुआ में स्थित आदिना मस्जिद का निर्माण सिकंदर शाह ने सन् 1373 में करवाया था। एएसआई के मुताबिक, यह मध्यकालीन उपमहाद्वीप की सबसे बड़ी मस्जिद थी। हालांकि, हिंदू समूह और भाजपा का दावा है कि यह मस्जिद भगवान शिव को समर्पित 'आदिनाथ मंदिर' के स्थान पर बनाई गई थी।

इस तथाकथित मस्जिद में हिंदू और बौद्ध मूर्तियां हैं- 'आदिनाथ पुरातन शिव मंदिर' के मुख्य संरक्षक और उत्तर बंगाल के लिए बीजेपी के 'सुशासन विंग' की संयोजक काजल गोस्वामी ने कहा, इस तथाकथित मस्जिद में हिंदू और बौद्ध मूर्तियां हैं। आदिनाथ मंदिर को नष्ट करके ही यहां मस्जिद बनाई गई थी। संगठन का दावा है कि मस्जिद में शिवलिंग के अलावा कई हिंदू और बौद्ध प्रतीक भी मौजूद हैं। उनका कहना है कि वे जल्द ही इस मुद्दे पर एएसआई की रिपोर्ट की मांग करते हुए कलकत्ता हाई कोर्ट का रुख करेंगे। गोस्वामी ने कहा, हमारा मकसद मंदिर को बहाल करना और उसके अंदर शिवलिंग स्थापित करना है। मस्जिद के पास स्थापना के लिए 289 किलोमीटर दूर तारकेश्वर से 3.6 फीट ऊंचा और 1.5 टन वजन वाला शिवलिंग लाया जा रहा है।

संसद में सामिक भट्टाचार्य ने उठाया था मुद्दा

पांच दिसंबर, 2025 को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले भारतीय जनता पार्टी के राज्यसभा सांसद और वर्तमान बंगाल अध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य ने इस मुद्दे को संसद में उठाया। सदन में अपने बयान में उन्होंने कहा, अदीना मस्जिद बंगाल सल्तनत के सुल्तान सिकंदर शाह ने 1373 ईस्वी में बनवाई थी। यह मस्जिद पहले से मौजूद हिंदू और बौद्ध ढांचों की सामग्री का इस्तेमाल करके बनाई गई थी। स्थानीय परंपराओं और ऐतिहासिक वृत्तांतों से पता चलता है कि यह जगह मूल रूप से भगवान शिव और भगवान विष्णु को समर्पित आदिनाथ मंदिर की थी। मस्जिद के अंदर हिंदू प्रतीकों और वास्तुकला की मौजूदगी इस दावे का समर्थन करती है। भट्टाचार्य ने आगे कहा, यहां मंदिर था।

संक्षिप्त समाचार

छह दिन बाद फिर शुरू हुई श्री अमरनाथ यात्रा, भगवती नगर से 18वां जत्था बालटाल के लिए रवाना

जम्मू, एजेंसी। जम्मू जम्मू-कश्मीर में लगातार छह दिनों तक खराब मौसम के कारण स्थगित रही श्री अमरनाथ यात्रा एक बार फिर शुरू हो गई है। शनिवार को श्री अमरनाथ यात्रा का 18वां जत्था जम्मू के भगवती नगर से बालटाल मार्ग के जरिए रवाना हुआ। प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए खराब मौसम के चलते यात्रा को अस्थायी रूप से रोक दिया था। हालांकि, यात्रा स्थगित रहने के बावजूद श्रद्धालुओं के उत्साह में कोई कमी नहीं आई। शनिवार को दोबारा यात्रा शुरू होने पर श्रद्धालु उत्साहित दिखाई दिए। पहली बार बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए जा रहे एक श्रद्धालु ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'मेरे दिमाग में बस यही है कि बाबा के दर्शन करने हैं। इसलिए हम लोग बारिश के समय में भी यहां दर्शन के लिए पहुंचे हैं।' तीसरी बार अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू पहुंचे एक अन्य श्रद्धालु ने कहा, 'मुझे तीसरी बार यहां आने का अवसर मिला है। मैं पहली बार 2023 में यहां आया था। अभी यहां पर श्रद्धालुओं के लिए अच्छी व्यवस्थाएं हैं।' मध्य प्रदेश के सागर जिले के निवासी एक व्यक्ति ने कहा, 'मैंने पिछली बार 2002 में अपने गुरु के साथ अमरनाथ यात्रा के लिए आया था। बारिश के दौरान हम प्रार्थना कर रहे थे कि यह रुकनी चाहिए, क्योंकि अमरनाथ यात्रा में कुछ दिन ही बाकी हैं।' छह दिन तक रुकी रही अमरनाथ यात्रा के फिर से शुरू होने पर एक और श्रद्धालु ने कहा, 'यात्रा फिर से शुरू होने से मैं बहुत खुश हूं। लोग पिछले 6-7 दिनों से यहां फंसे हुए थे।

दिल्ली के वसंत कुंज में नाले में गिरी कार, आर्मी अधिकारी के 20 वर्षीय बेटे की मौत ; अमेरिका में कर रहा था पढ़ाई

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के वसंत कुंज साउथ इलाके में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में अमेरिका में पढ़ाई कर रहे 20 वर्षीय छात्र की मौत हो गई. हादसा नांगल देवत रेड लाइट के पास हुआ, जहां फिसलन भरी सड़क पर कार अनियंत्रित होकर नाले में जा गिरी और पलट गई. दिल्ली पुलिस के मुताबिक, 24 जुलाई की सुबह थाना वसंत कुंज साउथ में नांगल देवत रेड लाइट के पास सड़क हादसे की पीसीआर कॉल मिली. पुलिस मौके पर पहुंची तो देखा कि एक कार नाले में पलटी हुई थी. हादसे में 20 वर्षीय यशवेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. जांच में पता चला कि यशवेंद्र अपनी महिला मित्र के साथ कार से जा रहा था, दोनों अमेरिका के एक ही शिक्षण संस्थान में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं और वहीं उनकी दोस्ती हुई थी. पिछली रात दोनों एक दोस्त के घर रुके थे और शुक्रवार सुबह महिला मित्र को उसके वसंत कुंज स्थित घर छोड़ने जा रहे थे. नांगल देवत रेड लाइट के पास तेज मोड़ लेते समय सड़क पर फिसलन होने के कारण कार चालक का नियंत्रण बिगड़ गया और कार नाले में गिरकर पलट गई. डीसीपी दक्षिण-पश्चिम के अनुसार, प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण सड़क पर फिसलन प्रतीत हो रहा हैय दुर्घटना के समय कार मृतक यशवेंद्र चला रहा था, जबकि वाहन उसकी महिला मित्र का था. महिला सहयात्री के बयान में भी सड़क पर फिसलन की बात सामने आई है. मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है और दुर्घटना के सभी पहलुओं की जांच जारी है. पुलिस के अनुसार, मृतक यशवेंद्र भारतीय सेना के एक अधिकारी का बेटा था. वहीं महिला सहयात्री वसंत कुंज की रहने वाली है. उसके पिता ओखला स्थित एक निजी कंपनी में साइबर सिक्योरिटी क्षेत्र में कार्यरत हैं, जबकि उसकी मां गृहिणी है. फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. शुरुआती जांच में हादसे की वजह सड़क पर फिसलन मानी जा रही है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है ताकि दुर्घटना के सही कारणों का पता लगाया जा सके।

महाराष्ट्र टी ई टी पेपर लीक मामले में बड़ा ऐक्शन, बिहार से गिरफ्तार किया गया मास्टरमाइंड बिरेंद्र गुप्ता

मुंबई, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी के पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन के बीच ही महाराष्ट्र टी ई टी पेपर लीक मामले में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पेपर लीक मामले के मुख्य आरोपी बिरेंद्र कुमार सिंह को बिहार से गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के मुताबिकभिवंडी पुलिस गिरफ्तार करने के बाद मुख्य आरोपी को लेकर पुणे पहुंची है। अब उसे भिवंडी पुलिस स्टेशन ले जाया जाएगा और पुछताछ की जाएगी। बिरेंद्र कई महीनों से गिरफ्तारी से बच रहा था। कई चर्चित पेपर लीक मामलों में उसका ना आ चुका है। एक न्यूज चैनल के स्टिंग ऑपरेशन में उसनने 2024 के नीट पेपर लीक को लेकर कई हैरान करने वाले दावे किए थे। उसने बताया था कि पेपर लीक गैंग कैसे काम करता है। इसके अलावा एनटीए की परीक्षा प्रणाली की कमजोरियों के बारे में भी उसने बताया था। महाराष्ट्र टी ई टी पेपर लीक मामले में बिरेंद्र गुप्ता से पहले कई गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। इसमें उसकी पत्नी का भी नाम शामलि है। महाराष्ट्र पुलिस का कहना है कि बिरेंद्र की गिरफ्तारी से पेपर लीक नेटवर्क को लेकर कई बातें सामने आएँगी।

योगी सरकार की बड़ी कार्रवाई: देहरादून में नकली दवा फैक्ट्री पर छापा, एक करोड़ की नकली दवाएं बरामद, दो गिरफ्तार

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में नकली दवाओं के कारोबार के खिलाफ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्त नीति के तहत चलाए जा रहे अभियान में एक और बड़ी सफलता मिली है। लखनऊ के अमीनाबाद में बरामद नकली 'फ्लोज़ेन दवा के सैंपल से शुरू हुई जांच ने आखिरकार देहरादून में संचालित अवैध दवा निर्माण फैक्ट्री का पर्दाफाश कर दिया।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) उत्तर प्रदेश ने डिजिटल साक्ष्यों और मोबाइल चैट के आधार पर पूरे अंतरराज्यीय नेटवर्क का खुलासा किया। क्राइम ब्रांच गाजियाबाद के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए एफएसडीए ने देहरादून में संचालित अवैध नकली दवा निर्माण फैक्ट्री पर छापा मारकर करीब एक करोड़ रुपये मूल्य की नकली दवाएं, पैकेजिंग सामग्री और आधुनिक मशीनरी बरामद की है। इस संयुक्त अभियान में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है।

अमीनाबाद की कार्रवाई बनी बड़े खुलासे की कड़ी : 19 जुलाई 2026 को थाना अमीनाबाद, लखनऊ में नकली दवाओं के भंडारण और बिक्री के मामले में दर्ज मुकदमे के दौरान 43 प्रकार की नकली दवाएं बरामद हुई थीं। शुरुआती जांच में मिले दस्तावेजों और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर एफएसडीए मुख्यालय ने विशेष प्रवर्तन टीम गठित की। टीम ने मोबाइल डेटा, व्हाट्सएप चैट, पैकेजिंग पैटर्न और सप्लाई चेन का विश्लेषण करते हुए पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़नी शुरू कीं। जांच के दौरान यह जानकारी सामने आई कि गिरोह का मुख्य सप्लायर राजेंद्र सिंह उर्फ अरुण टुंडा गाजियाबाद में मौजूद है। इसके बाद एफएसडीए की विशेष टीम ने क्राइम ब्रांच गाजियाबाद के सहयोग से उसे 22 जुलाई को केडब्ल्यू मॉल, राजनगर एक्सटेंशन के पास से गिरफ्तार कर लिया। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन आयुक्त डॉ रोशन जैकब ने बताया कि अमीनाबाद में हुई कार्रवाई के दौरान बरामद टैबलेट 'फ्लोज़ेन ए ए'दवा का नमूना जांच में स्प्यूरियस (नकली) पाया गया था। इसी बीच गिरफ्तार आरोपी राजेंद्र सिंह उर्फ अरुण टुंडा के मोबाइल की डिजिटल जांच में ख्र्द्वश्व5द्गठ्ठ ब्रांड की नकली स्ट्रिप्स की तस्वीरें, पैकेजिंग से जुड़े दस्तावेज और मशीनों से संबंधित व्हाट्सएप चैट मिलीं। इन डिजिटल साक्ष्यों ने यह स्पष्ट कर दिया कि लखनऊ में बरामद नकली दवा और देहरादून में संचालित अवैध फैक्ट्री एक ही अंतरराज्यीय नेटवर्क का हिस्सा हैं। इसी सुराग के आधार पर जांच आगे बढ़ी और देहरादून स्थित फैक्ट्री पर छापा मार कर पूरे सिंडिकेट का पर्दाफाश किया गया।

मोबाइल की जांच से खुलीं फैक्ट्री की परतें : गिरफ्तार आरोपी के मोबाइल की डिजिटल फॉरेंसिक जांच में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। व्हाट्सएप चैट में प्रसिद्ध दवा ब्रांडों की नकली स्ट्रिप्स, पैकेजिंग सामग्री, मशीनों के स्पेयर पार्ट्स और निर्माण से जुड़ी तस्वीरें मिलीं। जांच में यह भी सामने आया कि पैकेजिंग पर जानबूझकर ऐसे बदलाव किए गए थे जिन्हें आम ग्राहक आसानी से पहचान नहीं सकता था। इन्हीं साक्ष्यों के आधार पर देहरादून स्थित अवैध फैक्ट्री का पता चला। आरोपी की निशानदेही पर उत्तर प्रदेश एफएसडीए, क्राइम ब्रांच गाजियाबाद और उत्तराखंड एफएसडीए के अधिकारियों की संयुक्त टीम ने देहरादून के देवीपुर न्यू हाईवे रोड, ईस्ट होपटाउन स्थित परिसर में छापा मारा। यहां एक कमरे में आधुनिक अलू-अलू पैकिंग मशीन, स्ट्रिप मशीन, इंकजेट बेल्ट प्रिंटर, कंप्रेसर, हाई वोल्टेज स्टेबलाइजर, बड़ी मात्रा में सेमीफिनिश टैबलेट और कैप्सूल, प्रिंटेड एल्युमिनियम फॉयल, रैपर और मास्टर कार्टन बरामद किए गए। मौके पर मिले साक्ष्यों से स्पष्ट हुआ कि यहां बिना किसी वैध लाइसेंस के नकली दवाओं का निर्माण कर उन्हें प्रसिद्ध कंपनियों की पैकेजिंग में भरकर बाजार में भेजने की तैयारी की जा रही थी।

नामी कंपनियों के नाम का हो रहा था दुरुपयोग : छापेमारी के दौरान कई चर्चित दवा ब्रांडों की नकली पैकिंग सामग्री बरामद हुई। अधिकारियों का मानना है कि इन दवाओं को असली बताकर विभिन्न राज्यों के बाजारों में सप्लाई किया जा रहा था। इस मामले में गौरव त्यागी, राजेंद्र सिंह उर्फ अरुण टुंडा, विपिन भटनागर और विनय चंद को नामजद किया गया है। राजेंद्र सिंह उर्फ अरुण टुंडा तथा विनय चंद को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की विभिन्न धाराओं, जिनमें संगठित अपराध से संबंधित धारा 111 भी शामिल है, के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है और जांच एजेंसियां पूरे आर्थिक नेटवर्क तथा सप्लाई चेन की भी पड़ताल कर रही हैं। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन आयुक्त डॉ रोशन जैकब ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश में नकली दवाओं के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत लगातार अभियान चलाया जा रहा है। जनस्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले किसी भी गिरोह को बख्शा नहीं जाएगा। विभाग केवल नकली दवाएं जब्त करने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि निर्माण से लेकर सप्लाई और बिक्री तक पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए कार्रवाई जारी रखेगा।

अखिलेश यादव का भाजपा पर बड़ा हमला, बोले- समर्थक भी पार्टी की कार्यशैली से शर्मिंदा महसूस कर रहे

नई दिल्ली, एजेंसी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा राजनीतिक हमला बोलते हुए दावा किया कि अब भाजपा के समर्थक भी पार्टी की कार्यशैली से निराश और शर्मिंदा महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने अपने घरों, दुकानों, प्रतिष्ठानों और वाहनों से भाजपा के झंडे हटाने शुरू कर दिए हैं, आने वाले समय में भाजपा उनके दिल-दिमाग से भी उतर जाएगी। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा अपने समर्थकों को प्रदर्शनकारियों के बीच भेजकर युवाओं को बदनाम करने की कोशिश कर रही है, जबकि दूसरी ओर उसके समर्थक खुद पार्टी से दूरी बनाने लगे हैं। उन्होंने अयोध्या, दिल्ली, मुंबई और लखनऊ से जुड़े विभिन्न मामलों का उल्लेख करते हुए भाजपा पर जनभावनाओं के खिलाफ काम करने का आरोप लगाया। सपा प्रमुख ने कहा कि पिछले कई वर्षों तक भाजपा का बचाव करने वाले उसके कट्टर समर्थकों को भी अब पार्टी की कार्यशैली पर पछतावा होने लगा है। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने, सरकारी एजेंसियों के दुरुपयोग, महंगाई, शिक्षा और भर्ती प्रक्रियाओं में कथित धांधली तथा विपक्ष के खिलाफ कार्रवाई जैसे कई गंभीर आरोप भी लगाए।

युवाओं के मुद्दे पर भाजपा को घेरा : अखिलेश यादव ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि एक ओर भाजपा और उसके सहयोगी अपने लोगों को प्रदर्शनकारियों के बीच भेजकर युवाओं को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर जब ऐसे लोगों को 'भाजपाई' कहा जाता है तो वे चिढ़ जाते हैं।

सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि भाजपा समर्थक अयोध्या में कथित 'चढ़ावा-चंदा-दान चोरी ', दिल्ली में बच्चियों पर कथित अत्याचार, युवाओं के खिलाफ हिंसा, मुंबई में आंदोलनकारियों को कथित रूप से ड्रग्स के झूठे मामलों में फंसाने की धमकी और लखनऊ अग्निकांड में मृतक बच्चे की मां के साथ मुख्यमंत्री के कथित दुर्व्यवहार जैसी घटनाओं से शर्मिंदा हैं। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा के 'पेड और अनपेड' समर्थक भी अब जनाक्रोश को देखते हुए खुलकर सामने आने से बच रहे हैं। उनके अनुसार, भाजपा समर्थकों के व्हाट्सएप समूह भी पहले की तरह सक्रिय नहीं हैं और वे सार्वजनिक स्थानों पर जाने से भी परहेज कर रहे हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि पिछले 10-12 वर्षों में भाजपा के कट्टर समर्थकों ने हर मुद्दे पर पार्टी का बचाव किया और इसके लिए अपने मित्रों तथा परिचितों से भी विवाद मोल लिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने बनाया इंस्टाग्राम रील्स का नया वर्ल्ड रिकॉर्ड, 10 करोड़ से ज्यादा फॉलोअर्स

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जेन-जी से कनेक्ट करने के लिए अब एक्स के साथ-साथ इंस्टाग्राम पर भी एक्टिव होने का फैसला कर लिया है। इंस्टाग्राम पर आते ही उन्होंने अपनी पहली रील से ही तहलका मचा दिया। पीएम नरेंद्र मोदी ने जेन-जी को संबोधित करते हुए अपनी पहली रील गुरुवार रात शेयर की थी, जिसने 24 घंटे में ही वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया।

पीएम मोदी ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 घंटे के अंदर इंस्टाग्राम रील पर सबसे ज्यादा व्यूज (303 मिलियन से ज्यादा) का नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। इससे पहले का रिकॉर्ड 300 मिलियन व्यूज का था। नीट पेपर लीक के खिलाफ चल रहे विरोध-प्रदर्शनों को 'जेन-जी' का आंदोलन बताया जा रहा है। 'जेन-जी' की अपनी अलग पसंद और प्राथमिकताएं हैं और वे फेसबुक या एक्स जैसे प्लेटफॉर्म के मुकाबले इंस्टाग्राम जैसे ऐप्स पर ज्यादा एक्टिव रहते हैं। यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी कैबिनेट के सहयोगियों को इंस्टाग्राम इस्तेमाल करने और उस पर अपनी एक्टिविटी बढ़ाने की सलाह दी है।

पीएम मोदी और राहुल गांधी के फॉलोअर्स : इंस्टाग्राम पर फॉलोअर्स की बात करें तो पीएम नरेंद्र मोदी यहां भी सबसे आगे हैं। इस प्लेटफॉर्म पर उनके 102 मिलियन (10.2 करोड़) फॉलोअर्स हैं, जिससे वे दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेताओं में से एक बन गए हैं। वहीं, राहुल गांधी के इंस्टाग्राम पर 14 मिलियन (1.4 करोड़) फॉलोअर्स हैं। मोदी कैबिनेट में भी फॉलोअर्स में उनके मुकाबले कोई भी 26 मिलियन फॉलोअर्स तक पार नहीं कर पाया है। कैबिनेट की बात करें तो पीएम मोदी के बाद गृह मंत्री अमित शाह का नंबर आता है। अमित शाह के अभी 35.2 मिलियन (3.52 करोड़) फॉलोअर्स हैं। इसके बाद नितिन गडकरी हैं, जिनके 6.6 मिलियन (66 लाख) फॉलोअर्स हैं। उनके बाद शिवराज सिंह चौहान (4.83 मिलियन या 48.3 लाख फॉलोअर्स) और चिराग पासवान (3.84 मिलियन या 38.4 लाख फॉलोअर्स) का नंबर आता है। वहीं, विदेश मंत्री एस. जयशंकर के 3.49 मिलियन (34.9 लाख) फॉलोअर्स हैं और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के कुल 2.5 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़, दो शातिर गिरफ्तार, 18 चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद

हरिद्वार (शिखर समाचार)। जनपद में लगातार बढ़ रही मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने में हरिद्वार पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह के निर्देशन में गठित विशेष पुलिस टीम ने अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह के दो शातिर सदस्यों को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर 18 चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। बरामद वाहनों में हरिद्वार के अलावा उत्तर प्रदेश और हरियाणा से चोरी की गई मोटरसाइकिलें भी शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार कोतवाली मंगलौर में मोटरसाइकिल चोरी के दर्ज मामलों की जांच के दौरान विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन, क्षेत्राधिकारी मंगलौर के पर्यवेक्षण

और प्रभारी निरीक्षक भगवान सिंह महर के नेतृत्व में टीम ने करीब 521 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का विश्लेषण किया। साथ ही मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर तकनीकी एवं मानवीय सूचनाओं के आधार पर लगातार निगरानी की गई। जांच में सामने आया कि आरोपी पहचान छिपाने के लिए बार-बार मास्क, कपड़े और हेयर स्टाइल बदलते थे। 24 जुलाई को मुखबिर की सटीक सूचना पर पुलिस ने हसीन पुत्र रईस और सोनू पुत्र अल्हादिया, दोनों निवासी ग्राम टांडा भनेड़ा, थाना मंगलौर को गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से दो चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद हुईं। पूछताछ के बाद उनकी निशानदेही पर अलग-अलग स्थानों से 16 अन्य मोटरसाइकिलें भी बरामद की गईं। आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने हरिद्वार के मंगलौर, भगवानपुर, झबरेड़ा, रुड़की और पिरान कलियर के अलावा उत्तर प्रदेश के देवबंद, मुजफ्फरनगर तथा हरियाणा के पानीपत क्षेत्र से भी वाहन चोरी किए थे।

पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपी पैदल क्षेत्रों में पहुंचकर मौका मिलते ही मोटरसाइकिल चोरी कर फरार हो जाते थे। दोनों के विरुद्ध पूर्व से भी वाहन चोरी, अवैध शस्त्र रखने तथा अन्य आपराधिक मामलों में कई मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस अब बरामद मोटरसाइकिलों से जुड़े अन्य मामलों की जानकारी संबंधित जनपदों की पुलिस को भेज रही है तथा गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है।

कांवड़ मेला-2026: छह हजार से अधिक पुलिसकर्मी और 13 अर्द्धसैनिक कंपनियां संभालेंगी सुरक्षा व्यवस्था

हरिद्वार (शिखर समाचार)। आगामी कांवड़ मेला-2026 को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और श्रद्धालुओं के लिए सुगम बनाने के उद्देश्य से रोशनाबाद स्थित पुलिस लाइन के बहुउद्देशीय भवन में पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों की संयुक्त ब्रीफिंग आयोजित की गई। बैठक में मेले की सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण तथा आपदा से निपटने की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

ब्रीफिंग में बताया गया कि इस वर्ष कांवड़ मेले की सुरक्षा व्यवस्था के लिए छह हजार से अधिक पुलिसकर्मियों के साथ 13 कंपनियां अर्द्धसैनिक बल की तैनात रहेंगी। बेहतर निगरानी और प्रभावी प्रबंधन के लिए पूरे मेला क्षेत्र को 18 सुपर जोन, 40

जोन तथा 141 सेक्टरों में विभाजित किया गया है। कांवड़ मेले के नोडल अधिकारी के रूप में पुलिस अधीक्षक नगर अभय प्रताप सिंह को जिम्मेदारी सौंपी गई है, जबकि ग्रामीण क्षेत्र की व्यवस्था पुलिस अधीक्षक देहात के अधीन रहेगी। अपराध एवं यातायात व्यवस्था का संचालन पुलिस अधीक्षक अपराध एवं यातायात निशा यादव के निर्देशन में किया जाएगा। इसके अलावा विशेष पुलिस अधिकारियों की भी तैनाती की जाएगी। श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर सतत निगरानी बनाए रखने के लिए मेला क्षेत्र में 10 ड्रोन कैमरों का उपयोग किया जाएगा। विभिन्न स्थानों पर पुलिस सहायता केंद्र, अग्निशमन दल तथा चिकित्सकीय सहायता केंद्र स्थापित किए जाएंगे, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। संयुक्त ब्रीफिंग की अध्यक्षता अपर पुलिस महानिदेशक अपराध एवं कानून-व्यवस्था बी. मुरुगेशन ने की। इस अवसर पर यातायात निदेशक के.के.वी.के., पुलिस महानिरीक्षक गढ़वाल राजीव स्वरूप, पुलिस महानिरीक्षक विशेष कार्य बल निर्लेश भरणे, पुलिस महानिरीक्षक संचार बिम्वी सचदेवा, गढ़वाल आयुक्त आनंद स्वरूप, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

नई पीढ़ी सवाल पूछती है, हमें उनसे बातचीत करनी होगी: आरएसएस प्रमुख भागवत

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि आज की युवा पीढ़ी हर चीज में तर्क खोजती है और वह आदेश के बजाय संवाद में विश्वास रखती है। उन्होंने सुझाव दिया कि स्कूली किताबों में हिंदू देवी-देवताओं के बारे में जानकारी शामिल की जानी चाहिए, ताकि बच्चों की जिज्ञासाओं को शांत किया जा सके। भागवत 'विश्व मांगल्य सभा' कार्यक्रम में 'समकालीन मातृत्व' विषय पर सत्र को संबोधित कर रहे थे।

किताबों में शामिल हो हिंदू देवी-देवताओं की जानकारी : आरएसएस प्रमुख ने कहा कि खासकर विदेशों में रहने वाले बच्चे अक्सर सवाल पूछते हैं कि भगवान का चेहरा बंदर या हाथी का क्यों है? जब वे घर आकर ये सवाल करते हैं, तो अक्सर माता-पिता को भी इसका जवाब नहीं पता होता। उन्होंने जोर देकर कहा कि इन विषयों को स्कूली पाठ्यक्रम का हिस्सा होना चाहिए। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि बच्चों को पूरी तरह से सिर्फ किताबों के भरोसे भी नहीं छोड़ा जा सकता।

युवा पीढ़ी को आदेश नहीं, संवाद चाहिए : युवाओं की बदलती सोच का जिक्र करते हुए मोहन भागवत ने कहा कि आज के बच्चे सिर्फ आदेश का पालन नहीं करते, बल्कि हर बात का विश्लेषण करते हैं। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी सवाल पूछती है और वे हर चीज के पीछे का लॉजिक जानना चाहते हैं, इसलिए हमें उनसे खुलकर बातचीत करनी होगी।

अंग्रेजों ने हमारे दिमाग को बदला : आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत ने

कहा है कि अंग्रेजों ने हमारे दिमाग को बदल कर यह साबित करने की कोशिश की कि हमारा अध्यात्म और परंपराएं गलत हैं और उनका विज्ञान सही है। उन्होंने कहा, 'हम अपने आप को, अपनी परंपराओं और अपने अध्यात्म को भूल गए हैं। उसे फिर से जानने का समय आ गया है।' उन्होंने कहा कि तथागत के समय में हमारी परंपराएं फिर से स्थापित हुईं, लेकिन उसके बाद देश पर आक्रमणों का सिलसिला शुरू हुआ और आखिर में जो आए यानी अंग्रेजों ने तो हमारे दिमाग को ही बदल डाला। उन्होंने हमारे मन में ऐसा भ्रम पैदा किया कि हमारा अध्यात्म और परंपराएं भांग और गंजा तथा नशेड़ियों में घायल संगीत है और उनका विज्ञान सही है। भागवत ने मातृत्व को सृष्टि के निर्माण, पोषण और समाज की निरंतरता का आधार बताया। उन्होंने कहा कि मां बच्चे की पहली गुरु होती है, जो उसके विचारों को सही दिशा देती है और जीवनभर भावनात्मक सहारा बनती है। आरएसएस चीफ के अनुसार, बच्चे उपदेश से ज्यादा देखकर सीखते हैं। इसलिए माता-पिता को अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताना चाहिए, बच्चों से खुला संवाद रखना चाहिए और उनके सामने एक अच्छा उदाहरण पेश करना चाहिए। माता-पिता को अपना ज्ञान भी लगातार बढ़ाते रहना चाहिए।

एमडीडीए का कड़ा एक्शन: हरिद्वार बाईपास और डोईवाला में 03 अवैध व्यावसायिक निर्माण सील, आगे भी जारी रहेगा अभियान

आरव शर्मा
देहरादून (शिखर समाचार)। मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने अवैध निमार्णों के विरुद्ध अपना अभियान और तेज करते हुए शनिवार को हरिद्वार बाईपास एवं डोईवाला क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की है। बिना स्वीकृत मानचित्र और प्राधिकरण की अनुमति के बनाए जा रहे तीन व्यावसायिक निमार्णों को सील कर दिया गया है। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि शहर के सुनियोजित विकास में बाधा बनने वाले अवैध निर्माण किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

प्राधिकरण की प्रवर्तन टीम ने सबसे पहले हरिद्वार बाईपास स्थित मुस्कान होटल वाली गली में नईम अहमद पुत्र आशिक अली द्वारा कराए जा रहे अवैध व्यावसायिक निर्माण को सील किया। इसके बाद इसी गली में आशिफ द्वारा निर्मित किए जा रहे व्यावसायिक भवन पर भी सीलिंग की कार्रवाई की गई। वहीं, डोईवाला क्षेत्र के कान्हरवाला-भानियावाला तिराहा पर नेत्रपाल सैनी पुत्र स्वर्गीय हुकम सिंह सैनी द्वारा किए जा रहे अवैध व्यावसायिक निर्माण को भी सील कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान क्षेत्रीय सहायक अभियंता, अवर अभियंता, सुपरवाइजर तथा पुलिस बल मौजूद रहा और पूरी कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराई गई।

बिना अनुमति निर्माण करने वालों को चेतावनी

प्राधिकरण क्षेत्र में लगातार निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। जहां भी बिना स्वीकृति निर्माण की शिकायतें प्राप्त हो रही हैं, वहां तत्काल कार्रवाई की जा रही है। एमडीडीए के अनुसार अवैध निर्माण न केवल मास्टर प्लान की व्यवस्था को प्रभावित करते हैं, बल्कि

यातायात, जल निकासी, पार्किंग और अन्य आधारभूत सुविधाओं पर भी अतिरिक्त दबाव बढ़ाते हैं। प्राधिकरण ने दोहराया कि बिना स्वीकृत मानचित्र के आवासीय अथवा व्यावसायिक निर्माण करने वालों के विरुद्ध सीलिंग, ध्वस्तीकरण सहित अन्य वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। नागरिकों से अपील की गई है कि किसी भी निर्माण कार्य से पहले एमडीडीए से आवश्यक स्वीकृतियां अवश्य प्राप्त करें।

नियोजित विकास से कोई समझौता नहीं: बंशीधर तिवारी

एमडीडीए उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने कहा कि देहरादून तेजी से विकसित हो रहा शहर है और इसका विकास केवल नियोजित एवं नियमबद्ध तरीके से ही संभव है। प्राधिकरण क्षेत्र में बिना स्वीकृत मानचित्र अथवा अनुमति के किए जा रहे निर्माण किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रवर्तन टीमें लगातार निगरानी कर रही हैं और जहां भी नियमों का उल्लंघन मिलेगा, वहां बिना किसी भेदभाव के सख्त कार्रवाई की जाएगी। उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष को परेशान करना नहीं, बल्कि शहर की सुव्यवस्थित विकास व्यवस्था को बनाए रखना है। उन्होंने सभी नागरिकों एवं भवन स्वामियों से निर्माण कार्य शुरू करने से पहले आवश्यक स्वीकृतियां लेने की अपील की है।

भविष्य में भी जारी रहेगी वैधानिक कार्रवाई

एमडीडीए सचिव मोहन सिंह बर्निया ने कहा कि प्राधिकरण क्षेत्र में अवैध निमार्णों के विरुद्ध नियमित अभियान चलाया जा रहा है। बिना स्वीकृति किए जा रहे निमार्णों पर नियमानुसार सीलिंग सहित अन्य कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि भवन निर्माण शुरू करने से पहले एमडीडीए से आवश्यक अनुमति अवश्य प्राप्त करें, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की कानूनी कार्रवाई या आर्थिक नुकसान से बचा जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि नियमों के उल्लंघन पर भविष्य में भी वैधानिक कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

कांवड़ यात्रा की तैयारियों में शिथिलता नहीं होगी बर्दाश्त : डीएम रविन्द्र कुमार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। कांवड़ यात्रा की व्यवस्थाओं को लेकर जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ ने शनिवार को कांवड़ कंट्रोल रूम एवं प्रमुख कांवड़ मार्गों का स्थलीय निरीक्षण कर संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कांवड़ यात्रा की तैयारियों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी और 28 जुलाई से पहले सभी व्यवस्थाएं पूरी तरह दुरुस्त कर ली जाएं।

जिलाधिकारी ने सबसे पहले मेरठ तिराहा स्थित कांवड़ कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर वहां संचालित व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके बाद उन्होंने कादराबाद क्षेत्र, गंग नहर मार्ग तथा पाइपलाइन मार्ग का निरीक्षण किया, जिनका उपयोग बड़ी संख्या में कांवड़ यात्री करते हैं। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और मौके पर मौजूद अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज विभाग, नगर निगम, लोक निर्माण विभाग, सिंचाई विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि कांवड़ मार्गों पर जहां भी सड़कें क्षतिग्रस्त हैं, उन्हें तत्काल दुरुस्त कराया जाए। उन्होंने कहा कि सभी निर्माण एवं मरम्मत कार्य 28 जुलाई से पूर्व पूर्ण कर लिए जाएं ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

विद्युत सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए जिलाधिकारी ने बिजली विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि कांवड़ मार्गों पर जिन विद्युत खंभों की कवरिंग अभी शेष है, उसे प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए। साथ ही झुकी हुई या जर्जर विद्युत तारों को तत्काल हटाकर अथवा उनकी मरम्मत कर सुरक्षित बनाया जाए। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोपरि है और विद्युत संबंधी किसी भी जोखिम को पूरी तरह समाप्त किया जाना चाहिए। निरीक्षण के दौरान वन विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों को भी निर्देश दिए गए कि कांवड़ मार्गों के किनारे उगी झाड़ियों, अवरोधों तथा अन्य बाधाओं को तत्काल हटाया जाए। इसके अलावा उन्होंने मार्गों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, जहां आवश्यकता हो वहां अतिरिक्त प्रकाश बिंदु स्थापित किए जाएं ताकि रात्रि के समय भी यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशानुसार कांवड़ यात्रा को सकुशल, शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ पूरी संवेदनशीलता एवं तत्परता से कार्य करना होगा। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि कांवड़ यात्रा से जुड़े किसी भी कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी व्यवस्थाओं का गुणवत्ता के साथ समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ, अपर जिलाधिकारी प्रशासन, अपर जिलाधिकारी नगर, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

देवशयनी एकादशी पर दूधेश्वरनाथ मंदिर में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, खाटू श्याम जी के दर्शन को लगी लंबी कतारें

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। देवशयनी एकादशी के पावन अवसर पर शनिवार को प्राचीन दूधेश्वरनाथ मंदिर परिसर स्थित खाटू श्याम जी के मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। बाबा के दर्शन और पूजन के लिए भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं। श्रद्धालुओं ने इत्र, पुष्प, नारियल और प्रसाद अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य एवं मनोकामनाओं की पूर्ति की प्रार्थना की। पूरे मंदिर परिसर में भक्ति और श्रद्धा का वातावरण बना रहा तथा श्याम बाबा के जयकारों से माहौल गूंजता रहा। गौरतलब है कि हाल ही में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दूधेश्वरनाथ मंदिर परिसर में स्थापित खाटू श्याम जी की भव्य प्रतिमा की विधि विधान से स्थापना कराई थी। इस प्रतिमा स्थापना में दूधेश्वर पीठाधीश्वर महंत नारायण गिरी महाराज का विशेष योगदान रहा, जिसकी श्रद्धालु और स्थानीय नागरिक सराहना कर रहे हैं। प्रतिमा स्थापना के बाद मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। खाटू श्याम मंदिर के सेवादार सोनू मौर्य, नरेश और सूर्य ने संयुक्त रूप से बताया कि प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। उनका कहना है कि भक्त पूरी श्रद्धा और विश्वास के साथ बाबा को प्रसाद अर्पित कर अपनी मनोकामनाएं व्यक्त करते हैं तथा यहां आकर मानसिक शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव करते हैं। देवशयनी एकादशी जैसे विशेष पर्वों पर श्रद्धालुओं की संख्या सामान्य दिनों की अपेक्षा कई गुना अधिक रहती है। मंदिर

परिसर के बाहर फूल और पूजन सामग्री की दुकान लगाने वाले राजू और मिथुन ने बताया कि खाटू श्याम जी की प्रतिमा स्थापित होने के बाद से उनके व्यापार में काफी वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन दूर-दूर से श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं, जिससे स्थानीय दुकानदारों को भी आर्थिक लाभ मिल रहा है। श्रद्धालु सपना सिंह ने बताया कि प्रतिमा स्थापना के बाद वह नियमित रूप से बाबा खाटू श्याम के दर्शन के लिए मंदिर आती हैं। उन्होंने कहा कि यहां का आध्यात्मिक वातावरण इतना दिव्य और शांत है कि उन्हें राजस्थान के प्रसिद्ध खाटू श्याम धाम जैसी अनुभूति होती है। देवशयनी एकादशी के अवसर पर मंदिर प्रशासन ने दर्शन और सुरक्षा की समुचित व्यवस्था की, जिससे श्रद्धालुओं ने सुगमता के साथ बाबा के दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

जनप्रतिनिधियों की अनदेखी के बीच ग्रामीणों ने दिखाई मिसाल, जनसहयोग से बनेगी जौला गांव की सड़क

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। क्षेत्र के गांव जौला में वर्षों से जर्जर पड़ी मुख्य सड़क के निर्माण को लेकर जनप्रतिनिधियों और संबंधित विभागों की उदासीनता से परेशान ग्रामीणों ने अब स्वयं आगे आकर जनसहयोग से सड़क निर्माण कराने का निर्णय लिया है। गांव के लोगों का कहना है कि लंबे समय से शिकायतें और मांगें किए जाने के बावजूद सड़क की हालत नहीं सुधरी, जिससे आवागमन में लगातार परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

इसी विषय को लेकर मुन्ना प्रधान के आवास पर गांव के प्रबुद्ध नागरिकों, सामाजिक कार्यकताओं और जिम्मेदार लोगों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनप्रतिनिधियों की बेरुखी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि अब शासन-प्रशासन के भरोसे रहने के बजाय आपसी सहयोग और जनचंदे से सड़क का निर्माण कराया जाएगा। ग्रामीणों ने इसे गांव के विकास और सामाजिक एकता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

बैठक में उपस्थित लोगों ने आर्थिक और नैतिक सहयोग देने का संकल्प लेते हुए जल्द ही जनसहयोग अभियान शुरू करने का निर्णय लिया। इस अवसर पर बाबा ठाठ सिंह, अब्दुल जब्बार, अधिवक्ता इकबाल, सुनील डीलर, आरिफ राणा, जीशान, राशिद राणा तथा जौला यूथ क्लब के सदस्यों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में कहा कि यदि जनप्रतिनिधि अपनी

जिम्मेदारियां नहीं निभा रहे हैं तो गांव के लोग स्वयं अपने संसाधनों से विकास कार्य कराकर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश करेंगे।

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क बनने से न केवल गांव के लोगों को आवागमन में राहत मिलेगी, बल्कि विद्यार्थियों, किसानों और व्यापारियों को भी प्रतिदिन होने वाली परेशानियों से मुक्ति मिलेगी। गांववासियों के इस सामूहिक प्रयास की क्षेत्र में सराहना हो रही है।

कांवड़ यात्रा में प्लास्टिक पर रहेगी पूरी रोक, नगर आयुक्त ने तैयारी को लेकर की वर्चुअल बैठक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। श्रावण मास में आयोजित होने वाली कांवड़ यात्रा को लेकर गाजियाबाद नगर निगम ने अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने शनिवार को निगम के सभी विभागीय अधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक कर कांवड़ महोत्सव से संबंधित व्यवस्थाओं की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। बैठक में श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया। नगर आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि कांवड़ शिविरों में प्रतिबंधित प्लास्टिक और थमाकोल का उपयोग किसी भी स्थिति में न किया जाए। उन्होंने जोनल प्रभारियों को शिविर संचालकों और आयोजकों को जागरूक करते हुए स्टील के बर्तनों के उपयोग को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग को कांवड़ मार्गों पर नियमित साफ-सफाई, फॉगिंग तथा एंटी लार्वा छिड़काव सुनिश्चित करने को कहा गया, ताकि संक्रामक बीमारियों की आशंका को कम किया जा सके। बैठक में कांवड़ रूट, शिवालयों और प्रमुख मंदिरों के आसपास पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। वहीं मुख्य अभियंता निर्माण को बैरिकेडिंग कार्यों के साथ नगर निगम द्वारा लगाए जाने वाले कांवड़ शिविरों और विश्राम स्थलों को व्यवस्थित एवं

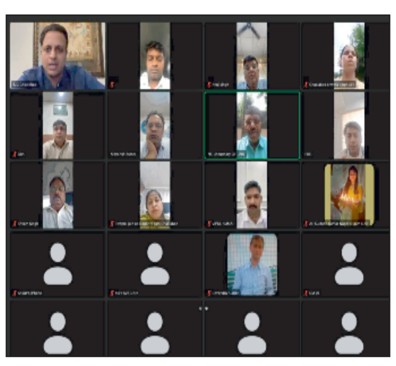

सुविधाजनक बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई। उद्यान विभाग को मार्ग में आने वाले अवांछित पेड़ों की कटाई-छंटाई तथा हरित क्षेत्रों की साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। नगर निगम ने कांवड़ मार्गों पर पेयजल व्यवस्था को भी प्राथमिकता में रखा है। महाप्रबंधक जल को पानी की पाइपलाइनों में लीकेज की तत्काल मरम्मत, पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने तथा नियमित निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही पुरुष एवं महिला श्रद्धालुओं के लिए मोबाइल टॉयलेट, स्थायी एवं अस्थायी शौचालयों की स्वच्छता व्यवस्था को भी मजबूत किया जाएगा। कांवड़ यात्रा के दौरान सुचारु आवागमन सुनिश्चित करने के लिए नगर निगम ने अवैध अतिक्रमण के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। कांवड़ रूट पर स्थित सड़कों, फुटपाथों और पार्किंग क्षेत्रों से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई लगातार जारी है। मार्गों को पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त बनाया जाएगा ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि कांवड़ यात्रा से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं की निगरानी नगर निगम मुख्यालय स्थित इंटीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर और इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से की जाएगी। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को विशेष जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। प्रत्येक वर्ष की तरह इस बार भी कांवड़ महोत्सव को सुरक्षित, स्वच्छ और व्यवस्थित बनाने के लिए सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य कर रहे हैं। प्रतिदिन तैयारियों की समीक्षा की जा रही हैं, ताकि श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

राष्ट्रीय मुए थाई प्रतियोगिता में बुढ़ाना के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन, स्वर्ण व रजत पदक किए अपने नाम

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। कस्बे की श्री बालाजी मुए थाई एकेडमी के खिलाड़ियों ने दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित राष्ट्रीय मुए थाई ओपन चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण और रजत पदक जीतकर क्षेत्र और जनपद का नाम रोशन किया। पदक जीतकर बुढ़ाना लौटने पर खिलाड़ियों का उत्साहपूर्वक स्वागत किया गया तथा उन्हें सम्मानित कर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं। एकेडमी के संचालक बबलू बिरला ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में महिला एवं पुरुष वर्ग के विभिन्न आयु और भार वर्ग के खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में श्री बालाजी मुए थाई एकेडमी की खिलाड़ी श्रेया बिरला ने 30 किलोग्राम भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया, जबकि शौर्य बिरला ने 38 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। उन्होंने बताया कि दोनों खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर उन्हें भारत में आयोजित होने वाली आगामी दक्षिण एशिया अंतरराष्ट्रीय मुए थाई चैंपियनशिप में देश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा, जो क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर कश्यप समाज के खाप चौधरी डॉ. सोनू कश्यप ने उन्हें सम्मानित किया और कहा कि श्रेया बिरला एवं शौर्य बिरला ने कठिन परिश्रम, अनुशासन और लगन के बल पर राष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल कर बुढ़ाना और मुजफ्फरनगर का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने अन्य युवाओं से भी खेलों में आगे बढ़ने और प्रदेश व देश का नाम रोशन करने का आह्वान किया।

शाहपुर बम्हैटा में जीडीए का कड़ा एक्शन: 5000 और 1000 वर्ग मीटर में किए जा रहे अवैध निर्माण जमींदोज

आरव शर्मा
गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने अवैध निर्माण और अवैध कॉलोनियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की है। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष के निर्देशों के अनुपालन में प्रवर्तन जोन-5 की टीम ने भारी पुलिस बल के साथ शाहपुर बम्हैटा क्षेत्र में दो अलग-अलग जगहों पर चल रहे अवैध निमार्णों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। इस दौरान विरोध प्रदर्शन कर रहे स्थानीय निर्माणकताओं को पुलिस बल द्वारा नियंत्रित किया गया।

कार्रवाई का विवरण:

° **मामला 1 (आदित्य वर्ल्ड सिटी मार्ग):** खसरा संख्या-1898 पर गंदे नाले के पास लगभग 5000 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में पूर्व निर्मित रेडीमेड बाउंड्रीवॉल के अंदर लगभग 200 वर्ग मीटर क्षेत्र में लोहे के पाइप खड़े कर टीन शेड और एक कमरे का अवैध निर्माण किया गया था।

° **मामला 2 (अर्बन होम के पीछे):** प्रदीप यादव पुत्र भीम सिंह यादव द्वारा लगभग 1000 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में चिकन पॉइंट की दुकानें और वेयरहाउस का निर्माण किया जा रहा था। साथ ही निकट की रिक्त भूमि पर चिनाई आदि का कार्य अवैध रूप से चल रहा था।

ध्वस्त किए गए मुख्य बिंदु: अवैध रूप से बनाई गई सड़कें, बाउंड्रीवॉल और साइट ऑफिस, टीन शेड, कमरे और दुकानें

ध्वस्तीकरण की इस संपूर्ण कार्रवाई के दौरान सहायक अभियंता, अवर अभियंता, प्रवर्तन जोन-5 का समस्त स्टाफ, प्राधिकरण पुलिस बल और प्रवर्तन दस्ता मौके पर मौजूद रहा। जीडीए अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि अवैध निमार्णों के खिलाफ यह अभियान आगामी महीनों में भी लगातार जारी रहेगा।

अग्रवाल महासभा चुनाव को लेकर बढ़ा विवाद, प्रत्याशियों ने डीएम से निष्पक्ष मतदान की लगाई गुहार

हापुड़ (शिखर समाचार)। अग्रवाल महासभा पंजीकृत हापुड़ की वर्ष 2023-2026 की प्रबंधन समिति का कार्यकाल समाप्त होने के बाद भी चुनाव नहीं होने से संस्था में गतिरोध बना हुआ है। इसी बीच चुनाव की तिथि और मतदान स्थल को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। उपनिबंधक फर्म एवं सोसाइटीज, मेरठ ने सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट-1860 की धारा 25(2) के तहत 30 मई 2026 को पूर्व प्रबंधन समिति को कालातीत घोषित करते हुए जिला कृषि अधिकारी हापुड़ को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया था। चुनाव अधिकारी ने 22 जुलाई 2026 को पत्र जारी कर आर्य कन्या पाठशाला, स्वर्ग आश्रम रोड, हापुड़ में मतदान कराने का कार्यक्रम घोषित किया था। हालांकि पूर्व समिति के कुछ पदाधिकारियों ने मतदान स्थल को लेकर आपत्ति दर्ज कराते हुए इसे

पहले की तरह एसएसवी डिग्री कॉलेज में कराने की मांग उठाई है। वहीं अध्यक्ष पद के प्रत्याशी अतुल चौकसा, मंत्री पद के प्रत्याशी विमल गोयल तथा कोषाध्यक्ष पद के प्रत्याशी शरद अग्रवाल ने जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर मांग की है कि चुनाव किसी भी रविवार को एसएसवी डिग्री कॉलेज के बजाय किसी अन्य स्थान पर निष्पक्ष एवं शीघ्र कराया जाए। प्रत्याशियों का कहना है कि पूर्व में हुए चुनावों और उनसे जुड़ी शिकायतों की जांच अभी लंबित है। ऐसे में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए मतदान किसी वैकल्पिक स्थल पर कराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनाव में लगातार हो रही देरी से समाजहित की योजनाएं प्रभावित हो रही हैं, इसलिए जल्द नई कार्यकारिणी का गठन कराया जाए।

टीलामोड़ पुलिस ने 2 वाहन चोरों को किया गिरफ्तार, चोरी की मोटरसाइकिल बरामद

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना टीलामोड़ पुलिस ने वाहन चोरी और मोबाइल लूट की घटनाओं में शामिल 2 अभियुक्तों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से लूटा गया एक मोबाइल फोन और चोरी की एक मोटरसाइकिल बरामद की। थाना टीलामोड़ क्षेत्र में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की सघन जांच की जा रही थी। इसी दौरान निस्तौली से सोधनिया विहार जाने वाले मार्ग पर सुभाष डागर के खेत के पास दो संदिग्ध युवकों को गिरफ्तार किया गया। तलाशी लेने पर उनके पास से लूट का एक मोबाइल फोन तथा चोरी की एक मोटरसाइकिल बरामद हुई। पुलिस जांच में पता चला कि बरामद मोबाइल थाना टीलामोड़ क्षेत्र में हुई मोबाइल लूट की घटना से संबंधित है, जबकि मोटरसाइकिल दिल्ली के सीमापुरी थाना क्षेत्र में दर्ज वाहन चोरी के मुकदमे से जुड़ी हुई है। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वह विभिन्न इलाकों में घूमकर बिना सुरक्षा के खड़ी मोटरसाइकिलों की रेकी करते थे और मौका मिलते ही उन्हें चोरी कर लेते थे। चोरी किए गए वाहनों को कम कीमत पर बेचकर आर्थिक लाभ कमाते थे। इसके अलावा भीड़भाड़ और सुनसान स्थानों पर राहगीरों को निशाना बनाकर उनके मोबाइल फोन छीन लेते थे। पकडे गए अभियुक्तों की पहचान रवि राणा उम्र 31 वर्ष निवासी भारत सिटी, थाना टीलामोड़ और रोहित उम्र 26 वर्ष मूल निवासी बुलंदशहर एवं वर्तमान निवासी भोपुरा थाना टीलामोड़ के रूप में हुई। पुलिस आयुक्त शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह ने बताया कि अपराधियों के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कड़ी कार्रवाई की जाएगी। दो अभियुक्तों को चेकिंग के दौरान गिरफ्तार किया गया है और इनका आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है।

भीड़भाड़ वाले इलाके में मोबाइल चोरी करने वाले गैंग का पुलिस ने किया खुलासा, 1 महिला सहित 4 पुरुष अभियुक्त गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना साहिबाबाद पुलिस और स्वाट टीम ट्रांस हिंडन ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए मेट्रो स्टेशन व भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में मोबाइल चोरी करने वाले गैंग का पदार्फाश करने का दावा किया है। पुलिस ने गैंग के 5 अभियुक्त जावेद, आयुष उर्फ सदुलै, मोहम्मद अशरफ, गौरव और शाजिया को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों में चार पुरुष और एक महिला शामिल हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी के पांच मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। इसी कड़ी में नोएडा निवासी अंकित श्रीवास्तव ने थाना साहिबाबाद में शिकायत दर्ज कराई थी कि वह दिल्ली से गाजियाबाद मेट्रो के माध्यम से यात्रा कर रहे थे। यात्रा के दौरान मेट्रो में अत्यधिक भीड़ का फायदा उठाकर किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनका आईफोन-13 चोरी कर लिया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए टीम का गठन किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने मेट्रो स्टेशन और आसपास के क्षेत्रों में लगे सैकड़ों सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का विश्लेषण किया। साथ ही तकनीकी सर्विलांस, स्थानीय सूचना तंत्र आदि के माध्यम से संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी गई, जिसके बाद पुलिस ने शालीमार गार्डन ईएसआई कट के पास घेराबंदी कर गैंग के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया। पुलिस पूछताछ में सभी ने बताया कि वह संगठित गिरोह बनाकर मेट्रो स्टेशन, बाजार, बस स्टैंड और अन्य भीड़भाड़ वाले स्थानों पर यात्रियों को निशाना बनाते थे। भीड़ और धक्का-मुक्की का फायदा उठाकर वह बड़ी सफाई से मोबाइल फोन चोरी कर लेते थे। चोरी के बाद मोबाइल से सिम कार्ड निकालकर नष्ट कर देते थे ताकि पुलिस या मोबाइल मालिक उनकी लोकेशन का पता न लगा सके। इसके बाद चोरी किए गए मोबाइल फोन कम कीमत पर बेचकर प्राप्त धनराशि को आपस में बांट लेते थे और उसी से अपना खर्च चलाते थे। सहायक पुलिस आयुक्त साहिबाबाद अमित सक्सेना ने बताया कि यह ग्रैंड भीड़भाड़ वाले इलाके में लोगों को चिन्हित करके मोबाइल चोरी की वारदात को अंजाम देता था। गैंग के सदस्यों के आपराधिक इतिहास की जांच की जा रही है।

संयुक्त कार्यवाही में 2 गांजा तस्कर गिरफ्तार, 119 किलोग्राम गांजा बरामद

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना नंदग्राम पुलिस और एएनटीएफ मेरठ टीम ने ऑपरेशन प्रहार के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध गांजा तस्करी में लिप्त दो तस्करों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 119 किलोग्राम गांजा और तस्करी में प्रयुक्त 2 कारें बरामद की। इसी कड़ी में थाना नंदग्राम पुलिस और एएनटीएफ मेरठ की संयुक्त टीम क्षेत्र में चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान उन्हें सूचना मिली कि कुछ व्यक्ति बड़ी मात्रा में अवैध गांजा लेकर क्षेत्र में मौजूद हैं। सूचना के आधार पर चमन कॉलोनी स्थित चौधरी पार्किंग के पास एक खाली प्लॉट पर घेराबंदी कर कार्रवाई की गई। वहां से दो संदिग्ध व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। तलाशी लेने पर उनके पास से 119 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। साथ ही एक टाटा हैरियर कार और एक बलेनो कार भी जब्त की गईं। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान अनीश कुमार निवासी रोहतास बिहार और गुड्डू कुमार उर्फ अंकित कुमार निवासी भोजपुर बिहार के रूप में हुई। पूछताछ में अभियुक्तों ने पुलिस को बताया कि वह बिहार और ओडिशा से सस्ते दामों पर बड़ी मात्रा में गांजा खरीदकर कारों के माध्यम से छोटे-छोटे पैकेटों में एनसीआर क्षेत्र तक पहुंचाते थे। इसके बाद दिल्ली और एनसीआर के विभिन्न इलाकों में ऊंचे दामों पर इसकी बिक्री कर मोटा मुनाफा कमाते थे। बरामदगी और गिरफ्तारी के आधार पर थाना नंदग्राम पर अभियुक्तों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। संवाददाता सम्मेलन में सहायक पुलिस आयुक्त नंदग्राम जियाउद्दीन अहमद ने बताया कि नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए ऑपरेशन प्रहार के तहत लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थों की आपूर्ति पर प्रभावी रोक लगाने में मदद मिलेगी। उनके आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाए जा रही है और इनके नेटवर्क की भी जांच चल रही है।

ट्रांसफार्मर उपकरण चोरी करने वाले गैंग का भंडाफोड़, पांच बदमाश गिरफ्तार, तीन कुंतल कॉपर तार बरामद

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना धौलाना पुलिस ने विद्युत ट्रांसफार्मरों के उपकरण चोरी करने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए पांच शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से करीब तीन कुंतल चोरी का कॉपर तार तथा वारदात में प्रयुक्त दो वाहन भी बरामद किए हैं। सीओ मुनीश प्रताप ने बताया कि पुलिस टीम ने यूपीएसआईडीसी क्षेत्र के रावली पुल के पास चेकिंग के दौरान बाइक सवार पांच संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपियों ने ट्रांसफार्मर से कॉपर तार एवं अन्य उपकरण चोरी करने वाले गिरोह का सदस्य होना स्वीकार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रोशन, मोनिश, दानिश, असलम (निवासी धौलाना) तथा कपिल (निवासी पिलखुवा) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार गिरोह निमार्णाधीन एवं बंद पड़ी फैक्ट्रियों तथा खेतों में लगे ट्रांसफार्मरों को निशाना बनाता था। आरोपी रात के समय ट्रांसफार्मरों से कॉपर तार और अन्य कीमती सामान निकालकर कबाड़ कारोबारियों को बेच देते थे। पुलिस ने बताया कि सभी आरोपी शातिर विद्युत तार चोर हैं और इनके विरुद्ध हापुड़ जनपद में विद्युत तार चोरी, आर्म्स एक्ट सहित डेढ़ दर्जन से अधिक मुकदमे पहले से दर्ज हैं।

संक्षिप्त समाचार

मानसून में त्वचा संक्रमण का वार, बढ़े मरीज

अलीगढ़, एजेंसी। बारिश का मौसम भले ही गर्मी से राहत लाया हो, लेकिन नमी और उमस ने त्वचा रोगों का खतरा काफी बढ़ा दिया है। जिला अस्पताल की स्किन ओपीडी में इन दिनों दाने, लाल चकत्ते, फुंसी और फंगल इंफेक्शन के मरीजों की कतारें देखने को मिल रही हैं।
अस्पताल के त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. जाहिद ने बताया,

सामान्य दिनों में रोजाना केवल पांच से छह मरीज आते थे, लेकिन इन दिनों यह संख्या बढ़कर रोजाना 45 से 50 तक पहुंच गई है। नमी के कारण पसीना सूख नहीं पाता, जिससे बैक्टीरिया और फंगस तेजी से पनपते हैं।
डॉ. जाहिद ने बताया कि बारिश के मौसम में सूती और ढीले कपड़े पहनने, त्वचा को सूखा रखने और बिना डॉक्टरी सलाह के कोई भी एंटी-फंगल क्रीम नहीं इस्तेमाल करने की मरीजों को सलाह दी जा रही है।

केस- 1

पसीने से बढ़े लाल चकत्ते- ओपीडी में इलाज कराने पहुंचीं नौरंगाबाद निवासी 28 वर्षीय सुनीता ने बताया कि पिछले चार दिनों से उनके गले और पीठ पर तेज खुजली के साथ लाल चकत्ते (रैशेज) हो गए हैं। घर के नुस्खे आजमाने पर समस्या और बढ़ गई। डॉ. जाहिद के अनुसार उमस और गंदे पसीने के जमाव की वजह से हुआ फंगल इन्फेक्शन है।

केस - 2:

भीगे कपड़ों से त्वचा संक्रमण- 35 वर्षीय रमेश कुमार ने बताया कि दो दिन पहले बारिश में भीगने के बाद से उनकी जांघों और हाथों पर फुंसियां निकल आई हैं, जिनमें जलन हो रही है। डॉक्टर ने इसे बैक्टीरियल इन्फेक्शन करार दिया और साफ-सफाई के साथ भीगे कपड़े तुरंत बदलने की सलाह दी।

बरसो रे मेघा... से की सावन की अगवानी

वाराणसी, एजेंसी। वैश्य महिला संगठन की ओर से साकेत नगर स्थित एक होटल में बरसो रे मेघा कार्यक्रम में सावन की मस्ती छाई रही। महिलाओं ने गीत-संगीत से भरपूर मनोरंजन किया। निशा, नीलू, रागिनी और इरा ने

मधुर सावन गीत प्रस्तुति किए और कजरी भी गाई। उनकी प्रस्तुतियों ने पूरे माहौल को खुशनुमा बना दिया। उषा, ममता, आरती और ज्योति ने अपने मोहक नृत्य से दर्शकों का मन मोह लिया। इंदु, मिथिलेश, खुशबू, चंद्रा, निकिता और विनीता ने कई मनोरंजक खेलों का आनंद उठाया। संगठन की अध्यक्ष अंजलि अग्रवाल ने सभी को आने वाले सावन महीने की बधाई दी। संचालन सचिव सुशीला जायसवाल ने किया।

4 दिन पहले तक जहां था कचरे का ढेर, वहां 25 किस्मों के 291 पौधे

वाराणसी। बीएचयू के हैदराबाद कॉलोनी में जहां चार दिन पहले कचरे का ढेर हुआ करता था, वहां 25 किस्मों के 291 पौधे रोपे गए। बीएचयू के कुलसचिव राजन श्रीवास्तव उद्यानिकी विभाग के एक पेड़ मां के नाम के इस

अभियान में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि बचपन से बताया गया है कि पौधों में भी प्राण होते हैं और शाम के बाद ये सो जाते हैं। इसलिए इन्हें नहीं तोड़ना चाहिए। उद्यानिकी विभाग के आचार्य प्रभारी प्रो. सरफराज आलम ने बताया कि बीएचयू में पेड़ों की गिनती और प्रकाशन के बाद अब ये अभियान शुरू किया गया है।

पूर्व सपा विधायक का अवैध कॉम्प्लेक्स ध्वस्त

लखनऊ, एजेंसी। जियामऊ में पूर्व सपा विधायक रामपाल यादव का अवैध कॉम्प्लेक्स एलडीए के प्रवर्तन दस्ते ने बृहस्पतिवार को ध्वस्त कर दिया। दस साल पहले भी इस पर बुलडोजर चलाया था, लेकिन तब इसे आधा तोड़कर ही छोड़ दिया था। उस वक्त पूर्व विधायक और उसके परिवार के सदस्यों ने भारी विरोध किया था, लेकिन इस बार कोई विरोध जताने नहीं पहुंचा।

कॉम्प्लेक्स तोड़ने के लिए सात बुलडोजर मौके पर थे। इनमें से पांच से ही इस्तेमाल लिया गया। कार्रवाई के लिए टीम सुबह 10 बजे ही पहुंच गई थी। अधिकारियों और पुलिस के पहुंचने के बाद शुरू हुई कार्रवाई शाम तक चली।

जानकारों ने बताया कि अवैध कॉम्प्लेक्स सीतापुर की बिसवां विधानसभा क्षेत्र के पूर्व सपा विधायक रामपाल यादव का था। जिस 3000 वर्गमीटर जमीन पर कॉम्प्लेक्स बनाया गया था, वह नजूल की जमीन थी।

एलडीए ने अप्रैल 2016 में भी ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की थी। जमीन खाली होने के बाद अब यहां 500 मीटर लंबी सड़क बनाई जाएगी। इसमें जियामऊ के पास पेट्रोल पंप की ओर 300 मीटर और जियामऊ इलाके की ओर 200 मीटर सड़क का निर्माण प्रस्तावित है।

पास में बन रहा भाजपा का प्रदेश मुख्यालय- अवैध कॉम्प्लेक्स के पास भाजपा का प्रदेश मुख्यालय बनना है। करीब दो महीने पहले पार्टी ने एलडीए से नीलामी में 45 करोड़ रुपये में जमीन खरीदी है। कार्यालय बनने के बाद यहां वीआईपी का आवागमन होगा।

ऐसे में चौड़ी सड़क बनाने की जरूरत है। इसी कारण आधे टूटे कॉम्प्लेक्स को पूरी तरह तोड़ दिया गया। सूत्रों का कहना है कि कार्यालय का मानचित्र पास करने के मानक के अनुसार अभी वहां आसपास सड़क नहीं थी। ध्वस्तीकरण के बाद सड़क बनाई जा सकेगी।

महिला आयोग की जनसुनवाई में 26 मामलों की सुनवाई, महिला थाने के व्यवहार पर भी उठे सवाल

शामली (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य मनीषा अहलावत की अध्यक्षता में शनिवार को नवीन कलक्ट्रेट सभागार में महिला जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई के दौरान महिलाओं से जुड़े 26 मामलों की सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं निष्पक्ष कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इस दौरान घरेलू हिंसा, मारपीट, पारिवारिक विवाद और भूमि संबंधी मामलों की शिकायतें प्रमुख रूप से सामने आईं। कुछ पीड़ित महिलाओं ने महिला थाना पुलिस के अधिकारियों पर अभद्र व्यवहार करने का आरोप भी लगाया।
मनीषा अहलावत ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि महिला उत्पीड़न से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता

महिलाओं को न्याय के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और उनकी शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। प्राप्त शिकायतों के संबंध में संबंधित थाना प्रभारियों, वन स्टॉप सेंटर तथा अन्य विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए।
जनसुनवाई के दौरान महिला थाने में पीड़ित महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार की शिकायतें भी सामने आईं। कुछ महिलाओं ने ऐसे व्यवहार के कारण महिला थाने जाने से भी इंकार कर दिया। इस पर महिला आयोग सदस्य ने संबंधित पुलिस अधिकारियों को महिलाओं के साथ संवेदनशील, सम्मानजनक और मधुर व्यवहार करने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक पीड़िता को भयमुक्त वातावरण में न्याय मिलना चाहिए। उन्होंने महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी देते हुए कहा कि नारी सुरक्षा, नारी सम्मान और नारी स्वावलंबन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं।
बैठक में उप जिलाधिकारी श्याम नारायण शुक्ला, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अथर जमील, क्षेत्राधिकारी कैराना हेमंत कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी मोहम्मद मुशफेकीन, बाल विकास परियोजना अधिकारी ममता खोखर, बेसिक शिक्षा विभाग के जिला समन्वयक सुशील कुमार, महिला थाना की उपनिरीक्षक सुनीता सिंह, वन स्टॉप सेंटर की केंद्र प्रशासक गजाला त्यागी, चाइल्ड हेल्पलाइन से अजरा खान तथा श्रम विभाग से मुनव्वर जंग सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नगर पालिका बोर्ड की बैठक में 11 प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित, दुकानों के नामांतरण पर भी मंथन

बिजनौर (शिखर समाचार)। नगर पालिका परिषद बिजनौर के डॉ. भीमराव आंबेडकर सभागार में शनिवार को बोर्ड की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें नगर के विकास और जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक की अध्यक्षता नगर पालिका अध्यक्ष इंदिरा सिंह ने की, जबकि संचालन अधिशासी अधिकारी एवं उप नगर आयुक्त रामपाल ने किया। बैठक में अध्यक्ष सहित 37 सभासदों ने भाग लेकर विभिन्न प्रस्तावों पर अपनी राय रखी।
बैठक के दौरान नगर के विकास कार्यों, नागरिक सुविधाओं और पालिका के प्रशासनिक विषयों से संबंधित कुल 11 सामान्य प्रस्ताव सदन के पटल पर प्रस्तुत

किए गए। सभी प्रस्तावों पर चर्चा के बाद उन्हें सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। इसके अलावा नगर पालिका की दुकानों के नामांतरण (म्यूटेशन) की प्रक्रिया को लेकर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए, ताकि संबंधित लोगों को समयबद्ध तरीके से सुविधा मिल सके।
बैठक में कर अधीक्षक नरेंद्र पाल सिंह यादव, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक गोविंद चौधरी, अवर अभियंता (सिविल) यशवंत कुमार, अवर अभियंता (जल) गौरव शर्मा, लिपिक सोनिका, नेहा शर्मा, पेशकार तरुण कुमार सहित नगर पालिका परिषद के अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं सभी सभासद उपस्थित रहे। बैठक का समापन नगर के समग्र विकास, नागरिक सुविधाओं के विस्तार तथा पालिका के कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करने के संकल्प के साथ हुआ।

पंजाब के थाने पर हमला करने वाले दो आरोपी नेपाल सीमा से गिरफ्तार

भारत में प्रवेश करने की थी कोशिश

बहराइच, एजेंसी। पंजाब में वर्ष 2023 में अजनाला थाने पर हमले के वांछित विक्रमजीत सिंह को भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा एजेंसियों ने बृहस्पतिवार देर शाम गिरफ्तार किया है। पंजाब के रूपनगर निवासी विक्रमजीत प्रतिबंधित संगठन 'वारिस पंजाब दे' से जुड़ा है। वह नेपाल में पहचान छिपाकर रह रहा था और भारत में प्रवेश की कोशिश कर रहा था। भारत-नेपाल सीमा स्थित बॉर्डर आउट पोस्ट पर नियमित जांच के दौरान संदिग्ध गतिविधि के आधार पर एसएसबी और रुपईडीहा पुलिस की ओर से संयुक्त कार्रवाई में उसे गिरफ्तार किया गया है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार वह फरवरी 2023 के अजनाला थाना हमले के बाद से फरार था। पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि पूरे मामले की जांच चल रही है। जांच का फोकस फर्जी दस्तावेज तैयार करने वाले गिरोह, अवैध सीमा पार कराने वाले नेटवर्क और स्थानीय सहयोगियों की भूमिका पर है। पूरे सीमा क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी गई है।

गौरतलब है कि पंजाब के अमृतसर जिले के अजनाला थाने पर वारिस पंजाब दे के प्रमुख अमृतपाल सिंह के समर्थकों ने अपने साथी लवप्रीत सिंह %%तूफान%% को छुड़ाने के लिए हमला कर दिया था। हिंसक झड़प में कई पुलिसकर्मी घायल हुए और भारी दबाव के बीच पुलिस ने लवप्रीत सिंह को रिहा कर दिया। इस घटना ने कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए। बाद में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून समेत विभिन्न धाराओं में कार्रवाई करते हुए अमृतपाल सिंह और उसके कई साथियों को गिरफ्तार किया गया।
बिना वैध वीजा के अमेरिकी नागरिक भी पकड़ा गया
एसएसबी और पुलिस की टीम ने बृहस्पतिवार को पंजाब के मोगा निवासी एवं अमेरिकी नागरिक मनवीर सिंह ढिल्लों को नेपाल के रास्ते बिना वैध वीजा के भारत में प्रवेश करते हुए पकड़ा है। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि मनवीर सिंह ढिल्लों अपनी पत्नी और बच्चे के साथ विमान से नेपालगंज स्थित रांझा एयरपोर्ट पहुंचा था। इसके बाद सभी लोग सड़क मार्ग से भारत में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे थे।

मुकदमे की पैरवी करने कोर्ट पहुंचे दो भाइयों पर वकीलों ने किया हमला

लखनऊ, एजेंसी। जिला कोर्ट परिसर में 21 जुलाई को जमीन के मुकदमे की पैरवी करने पहुंचे दो सगे भाइयों पर अधिवक्ताओं ने जानलेवा हमला किया। साथ ही बंधक बनाकर हत्या का प्रयास किया गया। बुधवार को पीड़ित का भाई दोबारा कोर्ट पहुंचा तो उन्हीं आरोपियों ने उसे फिर से पीटा। वजीरगंज पुलिस ने दोनों भाइयों की तहरीर पर 54 लोगों के खिलाफ अलग-अलग एफआईआर दर्ज की है।

तालाब गगनी शुक्ल निवासी शाकिर ने बताया कि उनके पिता ने 1990 में गुडंबा के कल्याणपुर में जमीन खरीदी थी। खुर्रमनगर निवासी रियाजुद्दीन ने फर्जी दस्तावेज से कब्जा कर यह जमीन सौरभ वर्मा को बेच दी। सौरभ जमीन पर कब्जा करने का प्रयास कर रहा था। इसके खिलाफ उन्होंने सिविल जज सीनियर डिवीजन कोर्ट

में वाद दायर किया। बुधवार को वह अपने भाई आसिफ व आदिल के साथ पैरवी के लिए कोर्ट पहुंचे। कोर्ट परिसर में सौरभ, हर्षित पांडेय, यश पांडेय, अभय प्रताप वर्मा और 50 अज्ञात लोगों ने गाली-गलौज की। विरोध करने पर अधिवक्ता सौरभ ने उनका गला कसकर हत्या का प्रयास किया। किसी तरह भाइयों ने उन्हें छुड़ाया। आरोपी उन्हें घसीटते हुए सेंट्रल बार एसोसिएशन के दफ्तर ले गया और वहां बंधक बनाकर पीटा व असलहा दिखाकर जमीन छोड़ने के लिए कहा। शाकिर के भाई आसिफ ने बताया कि वह बुधवार को पैरवी के लिए पहुंचे तो सौरभ व उसके साथियों ने जज के सामने उन पर हमला कर दिया। आरोपियों ने उन्हें कई थप्पड़ जड़े और लात-घूसे मारे। पिटाई में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद आरोपी वहां से भाग निकले।

ट्रस्ट की जमीन पर कब्जे का प्रयास करने का आरोपी गिरफ्तार

डीएवी कॉलेज परिसर स्थित उपकारम् करोति दयानंद सेवा संस्थान की जमीन पर कब्जे के प्रयास में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। घटना सात जून को हुई थी। इसमें तोड़फोड़, पथराव और मारपीट भी शामिल थी। थाना अध्यक्ष विवेक चौधरी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी मड़ियांव के पलटन छावनी निवासी अजीत कुमार है। उसने खुद को वकील बताया और साथी वकीलों के साथ घटना को अंजाम दिया था। ट्रस्ट की सदस्य और टेंट हाउस की मालकिन ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मामले में अधिवक्ता गौरव का नाम भी बढ़ाया गया है।

श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान आत्मोन्नति और मोक्षमार्ग का दिव्य साधन : सुमित जैन

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। अष्टान्हिका महापर्व के पावन अवसर पर नगर के श्री दिगंबर जैन मंदिर जक्की वाला तथा श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन नया मंदिर में शनिवार को श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने अभिषेक, शांतिधारा, पूजन और विधान में भाग लेकर धर्मलाभ अर्जित किया। मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा और श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह के साथ धार्मिक अनुष्ठानों में सहभागिता निभाई।
इस अवसर पर वाणीभूषण सुमित जैन (भोपाल) ने कहा कि श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान जैन धर्म

की सर्वोच्च आराधनाओं में से एक है, जो आत्मा के उत्थान और मोक्षमार्ग का दिव्य साधन है। उन्होंने बताया कि सिद्धचक्र का केंद्र पंच परमेष्ठी हैं तथा उनकी आराधना से सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक चरित्र की भावना विकसित होती है। उन्होंने कहा कि विधान में अंकित प्रत्येक मंडल, प्रत्येक रेखा, प्रत्येक अर्घ्य और पूजन सामग्री का अपना आध्यात्मिक महत्व है। श्रद्धा, विनय और एकाग्रता के साथ किया गया विधान न केवल बाह्य पूजा है, बल्कि व्यक्ति के अंतर्मन को भी निर्मल और पवित्र बनाता है।
विधान के दौरान संजय जैन दादरी, अनिल जैन तथा अन्य वक्ताओं ने भी सिद्धचक्र महामंडल विधान के धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए श्रद्धालुओं को धर्म के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। कार्यक्रम में सुबोध जैन तिगाई, प्रमोद जैन तिगाई, अरिहंत जैन, नितिन जैन, कुलदीप, राकेश जैन बजाज, सुनील जैन सर्राफ, नवीन जैन, राजेंद्र जैन दादरी वाले, सुनील जैन गैस वाले सहित बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कोटेदार के बेटे का वीडियो वायरल, बोला- हिंदुओं को नहीं मिलेगा राशन

बरेली , एजेंसी। गांव केसरपुर में कोटेदार किसान को राशन नहीं दे रहा था। कोटेदार के बेटे से शिकायत की तो उसने प्रधानमंत्री को अपशब्द कहे। हिंदुओं को राशन नहीं देने की बात कही। इसका वीडियो वायरल होने के बाद आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस ने उसके खिलाफ मामला दर्ज किया है। पूर्ति विभाग की टीम ने दुकान को सील कर खाद्यान्न जब्त कर लिया है।

ग्रामीण भगवत शरण ने पुलिस को बताया कि वह गांव केसरपुर में सरकारी राशन की दुकान पर बुधवार को बाबू कोटेदार के पास राशन के लिए अंगूठा लगाने गया था। आरोप है कि बाबू कोटेदार ने अंगूठा लगवाने से मना कर दिया। थोड़ी दूरी पर बाबू का 19 वर्षीय बेटा आदिल मौजूद था। जब यही बात आदिल से कही तो वह भड़क गया और गालियां देने लगा। उसने प्रधानमंत्री समेत कई नेताओं को अपशब्द कहे। साथ ही यह भी कहा कि उसके पिता ने पचासों हिंदुओं के अंगूठे नहीं लगवाए।

गुरु रविदास की अमृतवाणी हम सभी के लिए जीवन का मार्गदर्शन : धर्मपाल सिंह

वाराणसी , एजेंसी। भाजपा उत्तर प्रदेश के संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह बृहस्पतिवार को भाजपा नेताओं और जिले अफसरों के साथ सीर गोवर्धन स्थित रविदास मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने गुरु रविदास की जन्मस्थली पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद 29 जुलाई को होने वाले कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर जायजा लिया और डीएम सत्येंद्र कुमार से जानकारी ली। धर्मपाल सिंह ने कहा कि गुरु रविदास के प्रवचन एवं उनकी अमृतवाणी हम सभी के लिए जीवन का मार्गदर्शन हैं। उनके समता, मानवता और सद्भाव के संदेश को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

सीबीएसई सप्लीमेंट्री परीक्षा 28 जुलाई को, नौ केंद्रों पर कड़ी निगरानी में होगी परीक्षा

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की सीनियर सेकेंडरी सप्लीमेंट्री परीक्षा-2026 को जनपद में शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और नकलविहीन वातावरण में संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। 28 जुलाई को आयोजित होने वाली लिखित परीक्षा जिले के नौ परीक्षा केंद्रों पर सुबह 10 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक संपन्न होगी। परीक्षा की व्यवस्थाओं को लेकर शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) प्रियंका की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में स्टेटिक मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट, जोनल मजिस्ट्रेट तथा केंद्र व्यवस्थापकों को परीक्षा संचालन से संबंधित आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) ने कहा कि सभी अधिकारी केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के दिशा निर्देशों का पूरी गंभीरता से पालन करते हुए समय से पूर्व सभी तैयारियां सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षा की शुचिता बनाए रखना सभी संबंधित अधिकारियों की सामूहिक जिम्मेदारी है।

बैठक में निर्देश दिए गए कि सभी मजिस्ट्रेट परीक्षा केंद्रों का पूर्व निरीक्षण कर लें तथा यह सुनिश्चित करें कि सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षा व्यवस्था और अन्य आवश्यक सुविधाएं पूरी तरह सुचारु हों। किसी भी प्रकार की तकनीकी कमी पाए जाने पर उसका तत्काल समाधान कराया जाए। साथ ही परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश के समय अभ्यर्थियों की सघन जांच की जाए और किसी भी परीक्षार्थी को इलेक्ट्रॉनिक उपकरण अथवा अन्य प्रतिबंधित सामग्री परीक्षा कक्ष में ले जाने की अनुमति न दी जाए।

जिला विद्यालय निरीक्षक चन्द्रशेखर ने अधिकारियों एवं केंद्र व्यवस्थापकों को परीक्षा संचालन की पूरी प्रक्रिया से विस्तारपूर्वक अवगत कराया। बैठक में सभी संबंधित अधिकारी और केंद्र व्यवस्थापक उपस्थित रहे।

महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती पर जेवर में निकली भव्य शोभायात्रा, श्रद्धा और उत्साह का दिखा संगम

जेवर (शिखर समाचार)। बूढ़ा बाबू सेवा समिति ट्रस्ट (पंजीकृत) जेवर के तत्वावधान में महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती शनिवार को श्रद्धा, उल्लास और भव्यता के साथ मनाई गई। इस अवसर पर नगर में विशाल शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें समाज के सैकड़ों लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शोभायात्रा का शुभारंभ शहीद भगत सिंह चौक से हुआ, जो दाऊजी मोहल्ला, टप्पल रोड और जेवर मुख्य चौराहा होते हुए बूढ़ा बाबू मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई।

शोभायात्रा में महाराजा दक्ष प्रजापति की आकर्षक झांकी के साथ भारत के सबसे कम उम्र के शहीद प्रजापति रामचंद्र विद्यार्थी तथा महान पत्रकार, साहित्यकार और संविधान सभा के सदस्य संत राम बी.ए. की झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। भक्ति संगीत, ढोल-नगाड़ों और धार्मिक धुनों के बीच श्रद्धालु पूरे मार्ग पर जयघोष करते हुए आगे बढ़ते रहे, जिससे नगर का वातावरण भक्तिमय बना रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आगरा के समाजसेवी दिनेश प्रजापति तथा विशिष्ट अतिथि बहादुरगढ़ के समाजसेवी अरमान प्रजापति रहे। राजेन्द्र आर्य ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। समिति पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया। शोभायात्रा का नेतृत्व समिति के निर्देशक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं फिल्म कलाकार विनय आमेरिया ने किया। समिति अध्यक्ष बॉवी प्रजापति, उपाध्यक्ष कुलदीप उर्फ मासूम, महासचिव अजीत प्रजापति और कोषाध्यक्ष प्रवीन प्रजापति ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर चोखेलाल, रसिया प्रजापति, दीपक प्रजापति, वीरेंद्र प्रजापति, हरिचन्द्र प्रजापति सहित अनेक गणमान्य लोग तथा विभिन्न गांवों और शहरों से आए समाज के सैकड़ों महिला-पुरुष और युवा शोभायात्रा में शामिल हुए।

महिला आयोग सदस्य ने जनसुनवाई कर अधिकारियों को दिए समयबद्ध निस्तारण के निर्देश

मोदीनगर (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश महिला आयोग की सदस्य डॉ. हिमानी अग्रवाल ने शनिवार को मोदीनगर तहसील सभागार में आयोजित जनसुनवाई के दौरान महिलाओं की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनका प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि महिलाओं से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और शिकायतों के निस्तारण में उदासीनता बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत आयोजित जनसुनवाई में विभिन्न क्षेत्रों से आई महिलाओं ने अपनी शिकायतें आयोग सदस्य के समक्ष रखीं। अधिकांश शिकायतें घरेलू विवाद, पारिवारिक मतभेद तथा उत्पीड़न से संबंधित थीं। सुमन देवी, फराह और रुबिका सहित कई महिलाओं ने अपनी समस्याओं से आयोग सदस्य को अवगत कराया। डॉ. हिमानी अग्रवाल ने प्रत्येक प्रकरण को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी मामलों की निष्पक्ष जांच कर निर्धारित समय सीमा के भीतर उनका प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि महिलाओं को न्याय दिलाना और उनके अधिकारों की रक्षा करना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। यदि किसी पीड़ित महिला की शिकायत के निस्तारण में अनावश्यक विलंब या लापरवाही सामने आती है तो संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी। जनसुनवाई के दौरान महिलाओं को उनकी समस्याओं के समाधान के लिए उपलब्ध कानूनी प्रावधानों और शासकीय योजनाओं की जानकारी भी दी गई।

इस अवसर पर उपजिलाधिकारी काबुल पवार, पुलिस विभाग के अधिकारी तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने आयोग सदस्य को शिकायतों के निस्तारण की वर्तमान स्थिति से भी अवगत कराया और सभी मामलों में त्वरित कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

नीट पेपर लीक और छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

मोदीनगर (शिखर समाचार)। नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक प्रकरण तथा दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में कांग्रेस कार्यकताओं ने शनिवार को मोदीनगर तहसील मुख्यालय पर प्रदर्शन कर केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इसके बाद राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी कोमल पवार को सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच कराने और छात्रों के साथ हुई कार्रवाई पर हस्तक्षेप की मांग की।

कांग्रेस नेता सुनील शर्मा और ब्रिजेश सेन के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता तहसील मुख्यालय पहुंचे। प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आरोप लगाया कि प्रतियोगी परीक्षाओं में बार-बार पेपर लीक होने से युवाओं का भविष्य संकट में पड़ गया है। सुनील शर्मा ने कहा कि सरकार की लापरवाही के कारण परीक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता लगातार कमजोर हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 12 वर्षों में अनेक पेपर लीक की घटनाएं सामने आईं, लेकिन अधिकांश मामलों में दोषियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई नहीं हो सकी। कांग्रेस नेताओं ने यह भी आरोप लगाया कि अपनी मांगों को लेकर दिल्ली में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस द्वारा लाठीचार्ज किया गया, जो लोकतांत्रिक अधिकारों का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि युवाओं की आवाज सुनने के बजाय उन पर बल प्रयोग करना दुर्भाग्यपूर्ण है। प्रदर्शन के उपरांत राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर परीक्षा प्रणाली को पारदर्शी बनाने, पेपर लीक की घटनाओं पर कठोर कार्रवाई करने तथा छात्रों की सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई।

धरना-प्रदर्शन में चांदवीर चौधरी, अभिनव शर्मा, संदीप त्यागी, राकेश शर्मा, राजकुमार त्यागी सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में 500 मरीजों की जांच, 60 मोतियाबिंद रोगियों को ऑपरेशन के लिए ऋषिकेश भेजा जाएगा

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। मोहल्ला शाहजहीर चौक स्थित समाजसेवी मतलब कुरैशी के आवास पर शनिवार को निर्मल आश्रम आई संस्थान, ऋषिकेश के सहयोग से निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के 500 से अधिक लोगों की आंखों की निशुल्क जांच की गई। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों की जांच कर आवश्यक परामर्श दिया तथा जरूरतमंदों को निशुल्क दवाइयां और चश्मे भी वितरित किए।

शिविर में ऋषिकेश से आए नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. संपत भरतवाल, डॉ. शुभम नेगी, डॉ. दीपक, डॉ. सूरज तिवारी और डॉ. सुखबीर सिंह की टीम ने मरीजों का परीक्षण किया। जांच के दौरान 100 से अधिक मरीजों को मोतियाबिंद सहित अन्य नेत्र रोगों के ऑपरेशन की सलाह दी गई। इनमें से 60 गंभीर मरीजों का चयन कर उन्हें निशुल्क ऑपरेशन के लिए निर्मल आश्रम आई संस्थान, ऋषिकेश भेजा जाएगा। संस्थान की ओर से मरीजों के आने-जाने की व्यवस्था तथा ऑपरेशन का पूरा खर्च वहन किया जाएगा। इस अवसर पर समाजसेवी मतलब कुरैशी ने कहा कि आंखें प्रकृति की सबसे अनमोल देन हैं और उनकी समय-समय पर जांच कराना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए ऐसे निशुल्क चिकित्सा शिविर बेहद लाभकारी साबित होते हैं, क्योंकि इससे उन्हें विशेषज्ञ उपचार आसानी से उपलब्ध हो जाता है। शिविर को सफल बनाने में मास्टर अली हसन, आलमगीर, अब्दुल वाहिद, यामीन, खुर्शीद कुरैशी, जहांगीर, हाजी आदिल, उमर मतलुब, सैफ मतलुब, शमशाद सहित अनेक स्थानीय लोगों का सराहनीय सहयोग रहा।

27वें कारगिल विजय दिवस पर शहीद परिवार का सम्मान, डीएम ने वीरांगना को किया सम्मानित

हापुड़ (शिखर समाचार)। कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ पर शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में कारगिल युद्ध के अमर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी कविता मीना ने कारगिल युद्ध में शहीद हुए 17 जाट बटालियन के वीर सपूत सिपाही राज सिंह की पत्नी मुंकेश देवी को शाल एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। सिपाही राज सिंह ने 6 जुलाई 1999 को मश्कोह घाटी के पॉइंट-4875 पर मातृभूमि की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया था। उनका जन्म 12 जून 1975 को हुआ था। जिलाधिकारी ने कहा कि कारगिल के वीरों का अदम्य साहस और बलिदान देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेगा। प्रशासन शहीद परिवारों के सम्मान और उनके कल्याण के लिए हर संभव प्रयास करता रहेगा।

राजकीय बाल गृहों का निरीक्षण, निरुद्ध बच्चों के लिए बने थीम पार्क का उद्घाटन

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ के न्यायमूर्ति एवं किशोर न्याय समिति के अध्यक्ष अजय भनोट ने शनिवार को नोएडा फेस-2 स्थित राजकीय बाल गृह (किशोर) का निरीक्षण कर निरुद्ध किशोरों के सर्वांगीण विकास के लिए नोएडा प्राधिकरण द्वारा विकसित थीम पार्क का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों के लिए संचालित विभिन्न विकासात्मक गतिविधियों का अवलोकन करते हुए उनके शारीरिक, मानसिक और कौशल विकास पर विशेष जोर दिया।

थीम पार्क के उद्घाटन के बाद न्यायमूर्ति अजय भनोट ने पायलट परियोजना के अंतर्गत संचालित योग, ध्यान, खेलकूद, रंगमंच, चित्रकला और व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान बाल गृह में रह रहे किशोरों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दीं, जिनकी उन्होंने सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

इसके बाद उन्होंने सेक्टर-62 स्थित राजकीय बाल गृह (बालिका) और राजकीय बाल गृह (किशोरी) का भी निरीक्षण किया। यहां आवासित बालिकाओं एवं किशोरियों के लिए संचालित शिक्षा, कौशल विकास और अन्य कल्याणकारी कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए इन गतिविधियों को और प्रभावी बनाने के सुझाव दिए। इस अवसर पर न्यायमूर्ति अजय भनोट तथा जनपद न्यायाधीश अतुल श्रीवास्तव ने थीम पार्क परिसर में पौधरोपण भी किया।

निरीक्षण के दौरान न्यायमूर्ति अजय भनोट ने कहा कि बाल गृहों में रहने वाले बच्चों को बेहतर शिक्षा, आवश्यक सुविधाएं और कौशल विकास के अवसर उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक है, ताकि वे भविष्य में आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बच्चों को सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए समुचित प्रयास किए जाएं।

निरीक्षण के दौरान जनपद न्यायाधीश अतुल श्रीवास्तव, न्यायिक शेल्टर होम समिति की अध्यक्ष सीमा सिंह, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अभिषेक कुमार चतुर्थ, प्रधान मजिस्ट्रेट हृषीकेश पाण्डेय, मुख्य विकास अधिकारी भाल चंद्र त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अजीत कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी मनोज कुमार पुष्कर तथा नोएडा प्राधिकरण और संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

दिशा समिति की बैठक में सांसद ने योजनाओं की प्रगति परखी, डे-केयर सेंटर और कांवड़ प्रेरणा स्टॉल का किया शुभारंभ

हापुड़ (शिखर समाचार)। अमरोहा लोकसभा क्षेत्र के सांसद कंवर सिंह तंवर की अध्यक्षता में शनिवार को विकास भवन सभागार में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आयोजित हुई। बैठक में केंद्र एवं प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए सांसद ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक समयबद्ध और पारदर्शी ढंग से पहुंचे। बैठक से पूर्व जिलाधिकारी कविता मीना ने सांसद का पौधा भेंट कर स्वागत किया। सांसद ने राष्ट्रीय आजीविका मिशन के स्वयं सहायता समूहों द्वारा संचालित कांवड़ प्रेरणा स्टॉल का फीता काटकर उद्घाटन किया। इसके बाद विकास भवन परिसर में स्थापित डे-केयर सेंटर का भी शुभारंभ किया, जहां कार्यरत महिलाएं अपने छोटे बच्चों की देखभाल के लिए उन्हें सुरक्षित रख सकेंगी। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, कौशल विकास मिशन, समाज कल्याण, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, शिक्षा, विद्युत, परिवहन, जल निगम, नगर पालिका परिषद तथा राष्ट्रीय राजमार्ग सहित विभिन्न विभागों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। सांसद ने निर्देश दिए कि प्रत्येक विभाग अपने कार्यों की जानकारी संबंधित जनप्रतिनिधियों को नियमित रूप से उपलब्ध कराए तथा अधिकारी क्षेत्र का भ्रमण कर योजनाओं की वास्तविक स्थिति का आकलन करें। जिलाधिकारी कविता मीना ने सभी विभागाध्यक्षों को बैठक में दिए गए निर्देशों का 15 दिनों के भीतर अनुपालन सुनिश्चित करने, योजनाओं की साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने तथा जनशिकायतों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा नागर, विधायक विजय पाल आढ़ती, हरेंद्र तेवतिया, धर्मेश तोमर, पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह, मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा, अपर जिलाधिकारी संदीप कुमार सहित जनप्रतिनिधि, जिला स्तरीय अधिकारी, ब्लॉक प्रमुख एवं समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

बीएसएम स्कूल में फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन, दिव्या देशवाल बनीं मिस फ्रेशर व वार्तिक मलिक बने मिस्टर फ्रेशर

शामली (शिखर समाचार)। शहर के बीएसएम स्कूल में शनिवार को कक्षा 11 के नवप्रवेशी विद्यार्थियों के स्वागत के लिए फ्रेशर्स पार्टी-2026 का भव्य आयोजन किया गया। रंग-बिरंगी सजावट, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और उत्साहपूर्ण वातावरण के बीच नए विद्यार्थियों का विद्यालय परिवार में आत्मीय स्वागत किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर सभी का मन मोह लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रबंधक छाया सिंह, अध्यक्ष सूर्यवीर सिंह, निदेशक अंकित गुप्ता तथा उपप्रधानाचार्या आशु पंडित ने दीप प्रज्वलित कर और सरस्वती वंदना के साथ किया। इसके बाद विद्यार्थियों ने स्वागत नृत्य, समूहगान, एकल गायन, रैंप वॉक, मनोरंजक खेल और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। आयोजित "शो योर टैलेंट" प्रतियोगिता के विभिन्न चरणों में प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास और रचनात्मक सोच का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता के अंतिम प्रश्नोत्तर चरण में व्यक्तित्व, नेतृत्व क्षमता और त्वरित निर्णय लेने की योग्यता के आधार पर निर्णायकों ने दिव्या देशवाल को मिस फ्रेशर-2026 तथा वार्तिक मलिक को मिस्टर फ्रेशर-2026 चुना। विद्यालय प्रबंधन ने दोनों विजेताओं को ताज पहनाकर सम्मानित किया तथा पुरस्कार प्रदान किए।

इस अवसर पर छाया सिंह और सूर्यवीर सिंह ने नवप्रवेशी विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें आत्मविश्वास, ईमानदारी और परिश्रम के साथ जीवन में आगे बढ़ने का संदेश दिया। अंकित गुप्ता ने कहा कि फ्रेशर्स पार्टी केवल स्वागत समारोह नहीं, बल्कि नई शुरूआत का उत्सव है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य स्पष्ट रखते हुए निरंतर सीखने और उत्कृष्टता की ओर अग्रसर रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में शिक्षक-शिक्षिकाओं, अभिभावकों और विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही।

21 सितंबर को सहारनपुर से दिल्ली पहुंचेगी किसान मजदूर अधिकार पदयात्रा, किसानों और युवाओं के मुद्दे उठाए जाएंगे

शामली (शिखर समाचार)। किसान मजदूर अधिकार संगठन की ओर से शनिवार को आयोजित प्रेस वार्ता में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर पूरन सिंह ने घोषणा की कि किसानों, मजदूरों और युवाओं की समस्याओं को लेकर निकाली जा रही किसान मजदूर अधिकार पदयात्रा 21 सितंबर 2026 को सहारनपुर से शुरू होकर दिल्ली पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि पदयात्रा का उद्देश्य किसानों, युवाओं और आम जनता की आवाज को केंद्र सरकार तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना तथा उनकी ज्वलंत समस्याओं के समाधान की मांग करना है।

ठाकुर पूरन सिंह ने कहा कि देश का किसान बढ़ती कृषि लागत, गन्ना मूल्य भुगतान में देरी, फसलों के उचित मूल्य और कर्ज के बोझ से परेशान है, जबकि शिक्षित युवा बेरोजगारी की गंभीर समस्या का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पदयात्रा के दौरान विभिन्न जनपदों में किसानों, युवाओं और आम नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याओं और सुझावों को एकत्रित किया जाएगा, जिन्हें दिल्ली पहुंचकर सरकार के समक्ष रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि संगठन की प्रमुख मांगों में किसानों के कृषि ऋण की माफी, सभी फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी, गन्ना किसानों को 14 दिनों के भीतर ब्याज सहित भुगतान, गन्ने का लाभकारी मूल्य घोषित करना, शिक्षित बेरोजगार युवाओं को बेरोजगारी भत्ता तथा खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई शामिल है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने इन मांगों पर गंभीरता नहीं दिखाई तो संगठन लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से व्यापक जनआंदोलन करेगा। उन्होंने किसानों, युवाओं और सामाजिक संगठनों से अधिक से अधिक संख्या में पदयात्रा में शामिल होने का आह्वान किया।

प्रेस वार्ता में जिला उपाध्यक्ष दीपांशु वशिष्ठ, युवा जिला अध्यक्ष शहजाद पुंडीर, जिला अध्यक्ष लखन राणा, अमित कौशिक, अनु मलिक, नरेश तोमर, राजेश प्रमुख, देवराज सिंह, अजब सिंह, लोकेश राणा, यशपाल सिंह सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट,फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

संपादकीय

इस्तीफा नहीं, शिक्षा व्यवस्था में विश्वास की बहाली सबसे बड़ी चुनौती

भारतीय लोकतंत्र में कुछ घटनाएं केवल राजनीतिक बदलाव का संकेत नहीं होतीं, बल्कि वे व्यवस्था की मजबूती, जनविश्वास और जवाबदेही की नई कसौटी भी बन जाती हैं। 25 जुलाई 2026 को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना इस्तीफा सौंपना ऐसी ही एक महत्वपूर्ण घटना है। लंबे समय से नीट परीक्षा में पेपर लीक, छात्रों के विरोध प्रदर्शन और शिक्षा व्यवस्था पर उठ रहे सवालों के बीच आया यह निर्णय केवल एक मंत्री के पद छोड़ने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस गहरे संकट की ओर संकेत करता है जिससे देश की परीक्षा प्रणाली और लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित हुआ है। सरकार और आंदोलनकारी संगठन कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के बीच कई दौर की वार्ता के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे, प्रदर्शनकारियों पर दर्ज एफआईआर वापस लेने तथा अन्य प्रमुख मांगों पर सहमति बनने के साथ जंतर मंतर पर चल रहा आंदोलन समाप्त हो गया। आंदोलन के नेताओं ने इसे लोकतांत्रिक संघर्ष की जीत बताया, जबकि सरकार की ओर से इसे संवाद के माध्यम से समाधान निकालने का प्रयास बताया गया। राजनीतिक व्याख्याएं अपनी जगह हैं, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या इस पूरे घटनाक्रम के बाद देश की शिक्षा व्यवस्था पहले से अधिक पारदर्शी और विश्वसनीय बन पाएगी। नीट पेपर लीक विवाद ने केवल एक परीक्षा को प्रभावित नहीं किया, बल्कि करोड़ों युवाओं के मन में यह सवाल खड़ा कर दिया कि क्या उनकी मेहनत वास्तव में सुरक्षित है। वर्षों तक कठिन परिश्रम करने वाले विद्यार्थी जब परीक्षा देने पहुंचते हैं तो उनके मन में केवल सफलता का सपना होता है, लेकिन यदि प्रश्नपत्र पहले ही बाहर आ जाए या परीक्षा की निष्पक्षता पर संदेह पैदा हो जाए तो उनकी मेहनत का मूल्य ही समाप्त हो जाता है। यही कारण है कि इस मुद्दे ने देशभर के विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों को एक साथ चिंतित किया। शिक्षा व्यवस्था केवल डिग्री देने का माध्यम नहीं होती, बल्कि यह समाज में समान अवसर और सामाजिक न्याय की सबसे मजबूत आधारशिला होती है। यदि यही व्यवस्था संदेह के घेरे में आ जाए तो उसका असर पूरे राष्ट्र के भविष्य पर पड़ता है। धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण अवश्य है, लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि इसे जवाबदेही की भावना से कैसे जोड़ा जाए। लोकतंत्र में मंत्री पद सम्मान के साथ-साथ उत्तरदायित्व का भी पद होता है। जब किसी बड़े विभाग में गंभीर विवाद उत्पन्न होता है तो नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करना लोकतांत्रिक परंपराओं का हिस्सा माना जाता है। हालांकि किसी भी समस्या का समाधान केवल एक व्यक्ति के पद छोड़ देने से नहीं हो जाता। यदि वही तंत्र, वही प्रक्रियाएं और वही कमजोरियां बनी रहती हैं तो भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोका नहीं जा सकता। आज आवश्यकता शिक्षा मंत्रालय में केवल नए नेतृत्व की नहीं, बल्कि नई सोच की है। राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं के संचालन में आधुनिक तकनीक का व्यापक उपयोग, प्रश्नपत्रों की बहुस्तरीय सुरक्षा, डिजिटल निगरानी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सुरक्षा तंत्र, परीक्षा केंद्रों की स्वतंत्र मॉनिटरिंग और दोषियों के खिलाफ समयबद्ध कार्रवाई जैसी व्यवस्थाएं अनिवार्य बनानी होंगी। पेपर लीक करने वाले गिरोह केवल कानून की कमजोरी का लाभ उठाते हैं। यदि जांच तेजी से हो, मुकदमे समयबद्ध हों और दोषियों को कठोर दंड मिले तो ऐसे अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है।

~ मौलिक चिंतन ~

नफरत कभी समृद्धि नहीं ला सकती।

~~~~~~~~

©
विनय संकोची

जल संकट का असंतुलित प्रबंधन: अस्तित्व पर मंडराता खतरा

ललित गर्ग

जल केवल प्रकृति का उपहार नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व का आधार है। पृथ्वी पर जीवन की कल्पना जल के बिना असंभव है, फिर भी विडंबना यह है कि जिस जल को हमारी संस्कृति ने देवत्व प्रदान किया, उसी जल के प्रति हमारा व्यवहार सबसे अधिक लापरवाह रहा है। आज देश और दुनिया की सबसे गंभीर चुनौतियों में जल संकट प्रमुख बन चुका है। बढ़ती आबादी, अनियोजित शहरीकरण, अंधाधुंध भूजल दोहन, जलवायु परिवर्तन और वर्षाजल के समुचित प्रबंधन के अभाव ने इस संकट को भयावह बना दिया है। यदि समय रहते चेतना नहीं जागी तो आने वाले वर्षों में पानी केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि सामाजिक तनाव, आर्थिक अस्थिरता और मानवीय संघर्ष का सबसे बड़ा कारण बन सकता है। हाल के शोध इस संकट की गंभीरता को और स्पष्ट करते हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गांधीनगर के अध्ययन के अनुसार पिछले दो दशकों में उत्तर भारत का भूजल भंडार लगभग 450 घन किलोमीटर घट चुका है। यह मात्रा देश के सबसे बड़े जलाशयों में से एक इंदिरा सागर बांध की कुल जल संग्रहण क्षमता से लगभग 37 गुना अधिक है। यह आंकड़ा केवल वैज्ञानिक तथ्य नहीं, बल्कि भविष्य के संकट का स्पष्ट संकेत है। इसका अर्थ है कि जिस भूजल पर करोड़ों किसानों की खेती और करोड़ों लोगों का जीवन निर्भर है, वह तेजी से समाप्त हो रहा है। इस भयावह स्थिति के पीछे सबसे बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन है। वर्ष 1951 से 2021 के बीच मानसूनी वर्षा में लगभग 8.5 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। दूसरी ओर, उत्तर भारत में सर्दियों का तापमान भी बढ़ा है। तापमान में यह मामूली प्रतीत होने वाली वृद्धि भी मिट्टी की नमी को तेजी से कम करती है। परिणामस्वरूप खेतों को पहले की अपेक्षा अधिक सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है। जब वर्षा कम होती है और सिंचाई की मांग बढ़ती है, तब किसान भूजल पर अधिक निर्भर हो जाते हैं। यही कारण है कि भूजल का पुनर्भरण कम और दोहन अधिक हो रहा है। आज भारत के अनेक क्षेत्रों में भूजल का स्तर हर वर्ष नीचे जा रहा है। पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली और मध्य भारत के कई हिस्से इस संकट की चपेट में हैं। अनेक स्थानों पर सैकड़ों फीट गहराई तक बोरवेल खोदने के बाद भी पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा। कई गांवों में हैंडपंप सूख चुके हैं और शहरों में टैंकर संस्कृति तेजी से बढ़ रही है। यह स्थिति बताती है कि यदि हमने अपनी जल नीति नहीं बदली तो आने वाले समय में पानी का संकट भोजन के संकट में भी बदल सकता है। भारत की कृषि व्यवस्था आज भी लगभग 80 प्रतिशत मीठे जल का उपयोग करती है। दुर्भाग्य से धान, गन्ना जैसी अधिक पानी वाली फसलें उन क्षेत्रों में भी उगाई जा रही हैं जहां जल संसाधन सीमित हैं। मुफ्त बिजली और सस्ते पानी की नीतियों ने कई क्षेत्रों में अनियंत्रित भूजल दोहन को बढ़ावा दिया है। जल का मूल्य शून्य समझे जाने के कारण उसका संरक्षण भी नहीं हो पा रहा। आवश्यकता इस बात की है कि कृषि नीति को जल उपलब्धता के अनुरूप बनाया जाए। जिन क्षेत्रों में पानी कम है, वहां मोटे अनाज, दालें, तिलहन तथा कम पानी में तैयार होने वाली फसलों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। जल संकट केवल खेती तक सीमित नहीं है। उद्योगों, महानगरों और बढ़ते शहरी विस्तार ने भी भूजल पर अत्यधिक दबाव डाला है। बड़े-बड़े भवनों, कॉलोनियों और औद्योगिक क्षेत्रों में वर्षाजल सीधे नालों में बह जाता है। यदि प्रत्येक भवन में वर्षा जल संचयन की व्यवस्था अनिवार्य रूप से लागू हो जाए तो लाखों लीटर पानी हर वर्ष धरती के भीतर पहुंच सकता है। दुर्भाग्यवश अनेक राज्यों में कानून तो बने, लेकिन उनका प्रभावी पालन नहीं हो पाया।

जल संकट का एक और गंभीर पक्ष जल प्रदूषण है। देश की अधिकांश नदियां औद्योगिक अपशिष्ट, रासायनिक कचरे और सीवेज के कारण प्रदूषित हो चुकी हैं। जब नदियों और तालाबों का जल उपयोग योग्य नहीं रहता तो भूजल पर दबाव और बढ़ जाता है। इसलिए जल संरक्षण के साथ-साथ जल स्रोतों की स्वच्छता भी समान रूप से आवश्यक है। नदी केवल जलधारा नहीं, बल्कि सम्पूर्ण पारिस्थितिकी की जीवनरेखा है। यदि नदियां स्वस्थ रहेंगी तो भूजल भी समृद्ध होगा। आज आवश्यकता केवल नई परियोजनाओं की नहीं, बल्कि जल संस्कृति के पुनर्जागरण की है। भारत में कभी तालाब, बावड़ियां, जोहड़, कुंड और पारंपरिक जल संरचनाएं गांवों की पहचान होती थीं। वे वर्षा के जल को रोककर भूजल को समृद्ध बनाती थीं। आधुनिक विकास की दौड़ में इन जल स्रोतों को या तो नष्ट कर दिया गया या अतिक्रमण का शिकार बना दिया गया। यदि इन पारंपरिक जल प्रणालियों का पुनर्जीवन किया जाए तो जल संकट को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। जल संरक्षण केवल सरकार का दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। घरों में पानी की अनावश्यक बबार्दी रोकना, वर्षाजल संचयन अपनाना, रिसाव ठीक कराना, कम पानी वाले उपकरणों का उपयोग करना और बच्चों में जल संरक्षण के संस्कार विकसित करना अत्यंत आवश्यक है।

27वें कारगिल विजय दिवस:हिमालय की चोटियों पर लिखा गया भारत की विजय का स्वर्णिम अध्याय

योगेश कुमार गोयल

कारगिल के दुर्गम पर्वतों पर अदम्य साहस की अमर कहानी...

देश आज कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ मना रहा है। भारतीय सेना ने 26 जुलाई 1999 को कारगिल युद्ध में पाकिस्तानी फौज को बुरी तरह धूल चटाई थी। भारत-पाकिस्तान के बीच जम्मू कश्मीर के कारगिल जिले में हुआ वह युद्ध 60 दिनों तक चला था और पाकिस्तान फौज की करारी शिकस्त के बाद 26 जुलाई 1999 को समाप्त हुआ था। पाकिस्तान पर भारत की इस जीत को याद करते हुए 26 जुलाई को ह्यकारगिल विजय दिवसह्ल के रूप में मनाया जाता है। पाकिस्तानी सैनिकों और भाड़े के आतंकवादियों को मारकर या खदेड़कर कारगिल की चोटियों पर कब्जा करने के लिए चलाए गए ह्यऑपरेशन विजयह्ल के तहत तमाम बाधाओं को पार करते हुए हमारे वीर जांबाजों ने उन्हें कारगिल से खदेड़कर दुर्गम चोटियों पर जीत का परचम लहराया था लेकिन देश को इसकी बहुत भारी कीमत भी चुकानी पड़ी थी। दरअसल उस युद्ध में भारत को विजय दिलाने में भारतीय सेना के सैंकड़ों जवान शहीद हुए थे। कारगिल युद्ध में न केवल भारतीय सेना के 527 सैनिक शहीद हुए थे बल्कि दो महीने तक चले उस युद्ध के दौरान 453 आम नागरिक भी मारे गए थे। इसीलिए भारतीय सेना की उस विजय के बाद सरकार द्वारा प्रतिवर्ष 26 जुलाई को भारतीय सेना के शौर्य दिवस के रूप में कारगिल विजय दिवस मनाए जाने का फैसला लिया गया। सही मायनों में कारगिल विजय दिवस भारतीय सैनिकों के साहस और बलिदान को स्मरण करने तथा उनके बलिदान को सम्मान देने का दिन है और 26 जुलाई का दिन विशेष रूप से देश के इन्हीं वीर सपूतों को समर्पित है। देश के जन-जन तक कारगिल युद्ध के इन्हीं नायकों के शौर्य और पराक्रम की गाथा पहुंचाने के लिए ही यह दिवस मनाया जाता है।

1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद पहली बार कारगिल युद्ध हुआ था, जब दोनों देश सीधे तौर पर सैन्य संघर्ष में शामिल हुए थे। कारगिल युद्ध भारतीय सीमा क्षेत्र में पाकिस्तानी सैनिकों और कश्मीरी आतंकवादियों की घुसपैठ का ही परिणाम था। उस भीषण युद्ध में वायु शक्ति, तोपखाने और पैदल सेना के संचालन का व्यापक उपयोग किया गया था। युद्ध की खास बात यह थी कि वह युद्ध काफी ऊंचाई पर लड़ा गया था, जिसमें कुछ सैन्य चौकियां तो 18 हजार फुट से भी ज्यादा ऊंचाई पर स्थित थी। ऐसे में भारतीय सैनिकों के लिए वह लड़ाई बेहद चुनौतीपूर्ण थी लेकिन हमारे जांबाजों ने देश की आन-बान और शान के लिए अपने प्राणों की आहूति देकर न केवल पाकिस्तान को उसकी असली औकात दिखाई बल्कि 700 से भी ज्यादा पाकिस्तानी सैनिकों को मौत के घाट भी उतारा। दुश्मन को रणनीतिक स्थानों से हटाने के लिए महत्वपूर्ण हवाई हमले करते हुए भारतीय वायुसेना ने उस युद्ध के दौरान बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। भारतीय सेना ने युद्ध के दौरान टोलोलिंग, टाइगर हिल, प्वाइंट 4875 सहित अन्य रणनीतिक चोटियों पर फिर से कब्जा कर लिया था।

कारगिल युद्ध की शुरूआत 26 मई 1999 को भारतीय सेना के हवाई हमले के साथ हुई थी। दरअसल भारतीय सेना को 3 मई 1999 को कारगिल में स्थानीय चरवाहों द्वारा पाकिस्तानी सैनिकों और आतंकवादियों के बारे में सतर्क किया गया था और उसके दो ही दिन बाद 5 मई 1999 को पाकिस्तानी सैनिकों ने भारतीय सेना के कम से कम 5 जवानों को मार डाला था। उसके बाद 10 मई 1999 को भारतीय सेना द्वारा ह्यऑपरेशन विजयह्ल की शुरूआत की गई। उस दौरान कारगिल में पाकिस्तानी सेना ने भारतीय सेना के गोला-बारूद भंडार को निशाना बनाया। 26 मई को भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सैनिकों पर हवाई हमला किया। 27 मई को भारतीय वायुसेना का एक मिग-27 गिर गया, जिसमें चार क्रू सदस्यों की मौत हो गई लेकिन विमान से बाहर निकलने वाले पायलट को पाकिस्तानी सैनिकों ने युद्धबंदी के रूप में पकड़ लिया। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 31 मई 1999 को घोषणा की कि कारगिल में युद्ध जैसी स्थिति है, जिसके बाद अमेरिका, फ्रांस सहित कुछ देशों ने अगले ही दिन भारत के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया। भारतीय सेना ने 5 जून 1999 को कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज जारी किए, जिनसे पूरी दुनिया के समक्ष पाकिस्तान की करतूत का खुलासा हुआ।

भारतीय सेना ने 9 जून 1999 को कारगिल के बटालिक सेक्टर में दो महत्वपूर्ण ठिकानों पर कब्जा कर लिया। अगले ही दिन पाकिस्तान ने जाट रेजिमेंट के 6 सैनिकों के शव क्षत-विक्षत हालत में भारत को लौटाए। 13 जून 1999 को भारत ने युद्ध की दिशा बदलते हुए महत्वपूर्ण टोलोलिंग चोटी पर भी कब्जा कर लिया और प्रधानमंत्री वाजपेयी ने कारगिल का दौरा किया। अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने 15 जून 1999 को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ से पाकिस्तानी सैनिकों को पीछे हटाने का आग्रह किया लेकिन पाकिस्तान ने उस अपील को अनसुना कर दिया। 11 घंटे के भीषण संघर्ष के बाद भारतीय सेना ने 20 जून 1999 को टाइगर हिल के पास प्वाइंट 5060 और प्वाइंट 5100 पर भी पुनः कब्जा कर लिया। अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने 5 जुलाई 1999 को नवाज शरीफ से मुलाकात की, जिसके बाद पाकिस्तान ने कारगिल से पाकिस्तानी सैनिकों को हटाने की घोषणा की। 11 जुलाई 1999 को पाकिस्तानी सैनिकों ने पीछे हटना शुरू किया और भारतीय सेना ने बटालिक की प्रमुख चोटियों पर कब्जा कर लिया। भारतीय सेना ने 14 जुलाई 1999 को ह्यऑपरेशन विजयह्ल की सफलता की घोषणा की और 26 जुलाई 1999 को वीर 527 सैनिकों की शहादत के बाद कारगिल युद्ध समाप्त हुआ।

बहुत ऊंचाई पर लड़े गए उस भीषण युद्ध के दौरान अपनी बहादुरी और साहसिक कार्यों के लिए कई सैन्य अधिकारी राष्ट्रीय नायक बन गए, जिनमें 13 जेएके राइफल्स के कैप्टन विक्रम बत्रा, 18 ग्रेनेडियर्स के ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव, 1/11 गोरखा राइफल्स के लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडे, 18 ग्रेनेडियर्स के लेफ्टिनेंट बलवान सिंह, एएससी, 2 राज आरआईएफ के कैप्टन एन केंगुरुसे प्रमुख रूप से शामिल हैं। युद्ध के दौरान भारत सेना के अनेक नायकों ने अपने प्राणों की आहुति इसीलिए दी ताकि पूरा देश चैन की नींद सो सके। कारगिल युद्ध में शौर्य और पराक्रम के लिए ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव तथा लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडे को परमवीर चक्र और लेफ्टिनेंट बलवान सिंह को महावीर चक्र से सम्मानित किया गया। कैप्टन एन केंगुरुसे को मरणोपरांत महावीर चक्र और कैप्टन विक्रम बत्रा को मरणोपरांत परमवीर चक्र प्रदान कर उनकी शहादत का सम्मान किया। कारगिल युद्ध के दौरान कैप्टन विक्रम बत्रा के शब्द, ह्ये दिल मांगे मोरह्ल तो अब भी लोगों के कानों में गूंजते हैं। कारगिल युद्ध के ऐसे ही वीर नायकों की बहादुरी, साहस और जुनून की कहानियां आज भी देश के प्रत्येक नागरिक के दिलोदिमाग में जोश भर देती हैं।

बिट्टू की एंट्री से बदली पंजाब की चुनावी बिसात, नया समीकरण गढ़ने में भाजपा कामयाब

नीरज कुमार दुबे

दरअसल, रवनीत सिंह बिट्टू की वापसी भाजपा की उस व्यापक रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है, जिसके तहत पार्टी पंजाब में अपने पारंपरिक शहरी हिंदू वोट बैंक से आगे बढ़कर सिख, दलित और अन्य पिछड़ा वर्ग के बीच भी मजबूत आधार तैयार करना चाहती है।

केंद्रीय मंत्री पद से रवनीत सिंह बिट्टू का इस्तीफा पंजाब की राजनीति में भाजपा के सबसे बड़े चुनावी दांव के रूप में देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि बिट्टू विधानसभा चुनाव लड़ सकते हैं और पार्टी के चुनाव अभियान का प्रमुख चेहरा भी बन सकते हैं। उल्लेखनीय है कि रवनीत सिंह बिट्टू का राज्यसभा कार्यकाल 21 जून को समाप्त हो चुका था। इसके बाद उन्होंने रेल तथा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया, जिसे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सलाह पर तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया। बिट्टू ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताते हुए कहा कि उन्हें देश और विशेष रूप से पंजाब की सेवा करने का अवसर मिला तथा उनका सार्वजनिक जीवन राष्ट्रवाद, सेवा और विकसित भारत के संकल्प के साथ आगे भी जारी रहेगा।

पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के पौत्र बिट्टू लंबे समय तक कांग्रेस में रहे। वर्ष 2009 में वह आनंदपुर साहिब से सांसद बने और बाद में दो बार लुधियाना का प्रतिनिधित्व किया। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने भाजपा का दामन थामा, लेकिन लुधियाना से कांग्रेस के अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के खिलाफ चुनाव हार गए। इसके बाद उन्हें राजस्थान से राज्यसभा भेजा गया और केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल किया गया।

पंजाब की राजनीति में बिट्टू की वापसी इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि वह पिछले कुछ समय से पंजाब में भाजपा के संगठन और चुनावी तैयारी में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। उन्होंने पहले ही सार्वजनिक रूप से दावा किया था कि भाजपा का लक्ष्य पंजाब में ₹डबल इंजन सरकार₹ बनाना है और प्रधानमंत्री मोदी के विकास के विजन को हर विधानसभा क्षेत्र तक पहुंचाना है।

दरअसल, बिट्टू की वापसी भाजपा की उस व्यापक रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है, जिसके तहत पार्टी पंजाब में अपने पारंपरिक शहरी हिंदू वोट बैंक से आगे बढ़कर सिख, दलित और अन्य पिछड़ा वर्ग के बीच भी मजबूत आधार तैयार करना चाहती है। पंजाब में लगभग 58 प्रतिशत आबादी सिखों की है, जबकि करीब 39 प्रतिशत हिंदू हैं। इसके अलावा राज्य में लगभग 32 प्रतिशत दलित और लगभग 16 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग है। भाजपा की कोशिश इन चारों सामाजिक वर्गों में समानांतर स्वीकार्यता बढ़ाने की है।

भाजपा की इसी नई रणनीति की झलक हाल में आई 'सतलुज' फिल्म को लेकर हुए विवाद में भी देखने को मिली थी। रवनीत सिंह बिट्टू ने फिल्म का खुलकर विरोध करते हुए आरोप लगाया कि यह ऐसे संवेदनशील विषय को उभारने का प्रयास है, जिससे पंजाब का माहौल दोबारा तनावपूर्ण हो सकता है। उन्होंने इसे सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाली कोशिश बताते हुए फिल्म पर सवाल उठाए।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बिट्टू का यह रुख भाजपा की बदली हुई चुनावी रणनीति का संकेत था। पहले जहां पार्टी राष्ट्रीय सुरक्षा और आतंकवाद के मुद्दों पर अपेक्षाकृत आक्रामक भाषा का प्रयोग करती थी, वहीं अब वह सिख समुदाय की धार्मिक और ऐतिहासिक संवेदनशीलताओं को ध्यान में रखते हुए अपनी राजनीतिक अभिव्यक्ति को अधिक संतुलित और संयमित बना रही है। माना जा रहा है कि भाजपा पंजाब में सिख मतदाताओं के बीच भरोसा बढ़ाने के लिए ऐसे मुद्दों पर सावधानीपूर्वक राजनीतिक संदेश देना चाहती है, ताकि हिंदू, सिख, दलित और अन्य पिछड़ा वर्ग, इन चारों प्रमुख सामाजिक समूहों में समानांतर स्वीकार्यता विकसित की जा सके।

राजनीतिक विश्लेषकों का यह भी मानना है कि शिरोमणि अकाली दल से गठबंधन टूटने के बाद भाजपा ने स्वतंत्र राजनीतिक ताकत बनने की दिशा में लगातार काम किया है। इसका असर चुनावी आंकड़ों में भी दिखा, जहां 2022 विधानसभा चुनाव में लगभग 6.6 प्रतिशत मत पाने वाली भाजपा का वोट प्रतिशत 2024 के लोकसभा चुनाव में बढ़कर लगभग 19 प्रतिशत तक पहुंच गया। यही कारण है कि पार्टी अब पंजाब में अकेले दम पर सत्ता हासिल करने का सपना देख रही है।

हालांकि शिरोमणि अकाली दल के साथ भाजपा के रिश्तों को लेकर राजनीतिक अटकलें अब भी खत्म नहीं हुई हैं। इसका ताजा उदाहरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पंजाब यात्रा के दौरान देखने को मिला था। जालंधर की सभा में प्रधानमंत्री ने आम आदमी पार्टी, कांग्रेस और 'अकाली दल' तीनों पर निशाना साधते हुए कहा कि अकाली दल भी आपसी स्वार्थों के कारण पंजाब की प्रभावी सेवा नहीं कर पाया। प्रधानमंत्री ने किसी विशेष अकाली गुट का नाम नहीं लिया, लेकिन शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने बाद में दावा किया कि यह टिप्पणी उनकी पार्टी पर नहीं, बल्कि अन्य अकाली धड़ों के लिए थी। इस बयान ने राजनीतिक हलकों में नई चर्चा छेड़ दी, क्योंकि भाजपा और अकाली दल का लगभग 25 वर्षों पुराना गठबंधन 2020 में कृषि कानूनों के मुद्दे पर टूटने के बाद भी दोनों दलों के हर सार्वजनिक बयान को संभावित राजनीतिक संकेत के रूप में देखा जाता है। हालांकि भाजपा नेतृत्व फिलहाल गठबंधन पुनर्जीवित करने की किसी संभावना से इंकार कर रहा है और अपने संगठन को स्वतंत्र रूप से मजबूत करने की बात कह रहा है, फिर भी राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पंजाब की राजनीति में भाजपा और अकाली दल के संबंध इतने महत्वपूर्ण रहे हैं कि दोनों दलों के बीच होने वाला हर संवाद भविष्य की संभावनाओं के नजरिए से परखा जाता है।

साथ ही भाजपा ने अपने राजनीतिक संदेश और भाषा में भी उल्लेखनीय बदलाव किया है। कभी ऑपरेशन ब्लू स्टार को लेकर बेहद आक्रामक रुख अपनाने वाली पार्टी अब सिख समाज की धार्मिक भावनाओं और ऐतिहासिक शिकायतों को अधिक संवेदनशीलता से संबोधित करती दिखाई दे रही है। पार्टी लगातार कांग्रेस को ऑपरेशन ब्लू स्टार, पंजाब में आतंकवाद के दौर और 1984 के सिख विरोधी दंगों के लिए जिम्मेदार ठहराती है, जबकि स्वयं को सिख समाज की भावनाओं का सम्मान करने वाली पार्टी के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास कर रही है।

देखा जाये तो भाजपा की इस बदली हुई राजनीतिक रणनीति की पृष्ठभूमि को समझने के लिए उसके पुराने रुख पर भी नजर डालना जरूरी है। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने अपनी आत्मकथा 'माय कंट्री, माय लाइफ' में पंजाब में उग्रवाद के दौर के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि कांग्रेस ने अपने राजनीतिक हितों के लिए उग्रवाद को बढ़ावा दिया और हालात इतने बिगड़ने दिए कि अंततः ऑपरेशन ब्लू स्टार की नौबत आ गई। आडवाणी ने यह भी लिखा था कि भाजपा और अन्य दलों के देशव्यापी आंदोलनों के दबाव में तत्कालीन केंद्र सरकार को स्वर्ण मंदिर परिसर से उग्रवादियों को हटाने के लिए सैन्य कार्रवाई करनी पड़ी थी। हालांकि अब पंजाब में चुनावी विस्तार की कोशिशों के बीच भाजपा की सार्वजनिक भाषा पहले की तुलना में कहीं अधिक संतुलित और संवेदनशील दिखाई देती है। पार्टी अब ऑपरेशन ब्लू स्टार को 'राष्ट्रीय त्रासदी' बताते हुए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराती है, लेकिन साथ ही सिख समाज की धार्मिक भावनाओं और ऐतिहासिक पीड़ा को भी प्रमुखता से स्वीकार करने का प्रयास कर रही है।

इसी बदलाव के तहत भाजपा ने हाल के वर्षों में कई प्रतीकात्मक और राजनीतिक कदम उठाए हैं। वीर बाल दिवस की घोषणा, करतारपुर साहिब गलियारे का उद्घाटन, अफगानिस्तान से गुरु ग्रंथ साहिब के स्वरूप भारत लाना, 1984 दंगों के मामलों की जांच में तेजी, हवाई अड्डों पर कृपाण ले जाने की अनुमति, स्वर्ण मंदिर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के लगातार दौरे तथा लंबे समय से जेल में बंद कुछ सिख कैदियों को मानवीय आधार पर राहत जैसे फैसलों को इसी व्यापक सिख पहुंच अभियान का हिस्सा माना जा रहा है। भाजपा ने यह भी संकेत दिया है कि सत्ता में आने पर धर्मांतरण विरोधी कानून लाया जा सकता है।

हालांकि भाजपा इस पूरे अभियान के दौरान एक संतुलन बनाए रखने की कोशिश कर रही है। पार्टी स्पष्ट करती है कि उसका आतंकवाद और खालिस्तानी हिंसा के प्रति रुख नहीं बदला है। पंजाब भाजपा के नेताओं का कहना है कि ऑपरेशन ब्लू स्टार को राष्ट्रीय त्रासदी मानने का अर्थ आतंकवाद का समर्थन नहीं है, बल्कि उस समय की परिस्थितियों के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराना है।

फिर भी भाजपा की इस नई राजनीतिक भाषा को लेकर संदेह भी कम नहीं है। कई राजनीतिक विश्लेषकों और सिख बुद्धिजीवियों का मानना है कि पार्टी का यह बदलाव मुख्य रूप से चुनावी गणित से प्रेरित है। उनका कहना है कि केवल हिंदू मतों के सहारे पंजाब में सरकार बनाना संभव नहीं है, इसलिए भाजपा सिख मतदाताओं के बीच स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए अपने राजनीतिक संदेश को नया स्वरूप दे रही है।

बहरहाल, अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या भाजपा की सामाजिक समीकरणों पर आधारित नई रणनीति और सिख समाज तक पहुंच बनाने की कोशिश पंजाब के मतदाताओं को प्रभावित कर पाएगी या फिर राज्य की पारंपरिक राजनीतिक ध्रुवीकरण की राजनीति ही चुनाव परिणाम तय करेगी। अगले विधानसभा चुनाव इस सवाल का सबसे बड़ा जवाब साबित होंगे।
~~~~~~~~

दुनिया के दुर्लभ फूल

स्ट्रोंगिलोडोन मैक्रोबोट्रिस

हल्के हरे रंग का स्ट्रोंगिलोडोन मैक्रोबोट्रिस एक तरह की लता है। पंजे के आकार वाले इसके फूल फिरोजी रंग के होते हैं। हालांकि इसका रंग नीले हरे से लेकर चटक हरे तक भी हो सकता है। ये फूल फिलीपींस के जंगलों में पाए जाते हैं और कटाई के कारण खतरे में हैं।

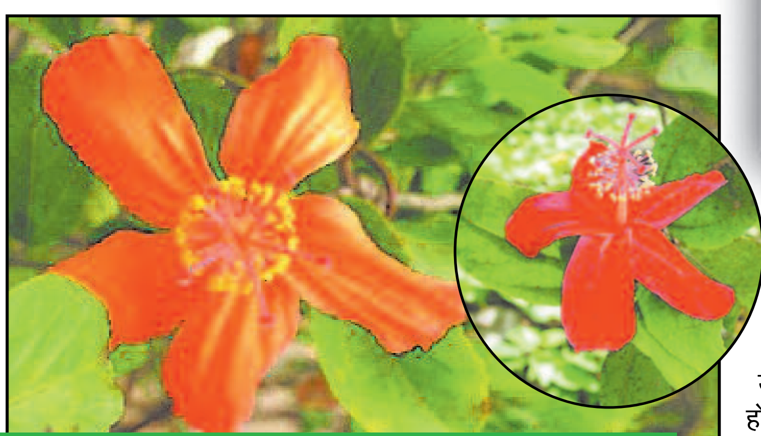

हिबिस्कस कोकियो

शू फ्लॉवर की ये प्रजाति, सिर्फ हवाई में मिलती है। 1950 में इसे विलुप्त घोषित कर दिया गया था। 20 साल बाद कोकियो का एक पेड़ मिला। लाल से नारंगी रंग के फूलों वाला ये पौधा एक आगजनी में खत्म हो जाता, लेकिन इसकी एक डाली बचा ली गई और इसे 23 अन्य पौधों में ग्राफ्ट किया गया।

एपिफाइलम ऑक्सीपेटालम

ये फूल श्रीलंका के जंगलों में होता है और बौद्ध धर्म में इसका खासा महत्व है। इस फूल की खासियत है कि यह सिर्फ रात में खिलता है और सुबह होने से पहले ही मुरझा जाता है।

डेंड्रोफिलैक्स लिंडेनी

क्यूबा और फ्लोरिडा के जंगलों में पाए जाने वाले इस फूल को भूतहा ऑर्किड का नाम दिया गया है। इसे 20 साल पहले ही विलुप्त घोषित कर दिया गया था। इसमें पत्तियां नहीं होती। इसकी जड़ें प्रकाश संश्लेषण कर फूल को पोषण देती हैं। इस फूल का परागण सिर्फ जायंट स्फिंक्स नाम की तितली कर सकती है।

साइप्रिपेडियम कैलकेलस

कभी ये जंगली ऑर्किड पूरे यूरोप में मिलता था। लेकिन अब यह सिर्फ ब्रिटेन में होता है। पीले और जामुनी से रंग वाला ये फूल अब इतना दुर्लभ है कि इसकी एक डाली पांच हजार अमेरिकी डॉलर में मिल सकती है।

एमोर्फोफैलस टाइटेनम

दुनिया का सबसे खूबसूरत और सबसे दुर्लभ यह फूल इंडोनेशिया में पाया जाता है। एक हफ्ते तक खिलने वाला यह फूल सड़े हुए जानवर जैसी बदबू फैलाता है। खिलने के बाद इसकी ऊंचाई तीन मीटर तक हो सकती है। सात आठ साल बाद यह फूल पहली बार खिलता है।

कॉस्मॉस एट्रोसैन्गिनियस

ये मेक्सिको के जंगली फूल हैं। 100 साल पहले ही ये विलुप्त हो गए थे। सिर्फ एक प्रजाति का क्लोन 1902 में बनाया गया। ये फूल गर्मियों में वैनिला जैसी खुशबू देते हैं। इन्हें चॉकलेट कॉस्मॉस भी कहा जाता है।

बड़ा दिलचस्प है स्क्रैपबुक बनाना

दोस्तों, आज हम तुमसे स्क्रैपबुक के बारे में बात करेंगे। स्क्रैपबुक बनाना सिर्फ काटने और चिपकाने के काम तक ही सिमटा हुआ नहीं है। यह एक अच्छी एक्टिविटी है। इससे तुम्हारी रचनात्मकता में निखार आएगा। अगर आसान शब्दों में समझें तो स्क्रैपबुक या स्क्रैप फाइल आकर्षक व रंगीन फोटो या तस्वीरों की एक एलबम होती है। काटने और चिपकाने वाली यह मजेदार एक्टिविटी एक तरह का आर्टवर्क भी है। जितना साधारण इसे समझना है, उतना ही आसान इसे बनाना भी है। वैसे स्क्रैपबुक कई तरह की होती हैं और इनको अलग रूप देना तुम पर निर्भर है।

इस काम का फायदा

यह एक अच्छी एक्टिविटी है। फाड़ना, काटना, चिपकाना, लिखना यानी यह सिर्फ एक मजेदार कार्य ही नहीं है, बल्कि इस काम से तुम्हारी सोचने-समझने की क्षमता भी निखरती है। सोचने, समझने की शक्ति और दिमागी एक्सरसाइज से यह तुम्हारे लिए एक फायदेमंद प्रोजेक्ट हो सकता है। अच्छा होगा अगर काटने-चिपकाने-लिखने और तरह-तरह के फोटो ढूंढ़ने का सभी काम तुम खुद करो। स्क्रैपबुक बनाना एक अच्छा क्रिएटिव आइडिया है, जो क्लास लेवल के अनुसार बदलता रहता है।

कैसे करें तैयार

इस काम के लिए तुम्हें जरूरत होगी एक रेडीमेड स्क्रैपबुक की। इसके अलावा कैंची, फेविस्टिक या फेविकोल, पेंसिल, पेन, कलरपेन और मार्कर भी तुम्हें चाहिए होंगे। यदि तुम चाहो तो रेडीमेड स्क्रैपबुक की बजाय खुद भी स्क्रैपबुक बना सकते हो। सबसे पहले टीचर द्वारा दिए गए विषय के अनुसार स्टिकर या फोटो इकट्ठा करने की तैयारी करो। इसके लिए स्टिकर्स या कट एंड पेस्ट बुक या कोई चार्ट बुक शॉप से मिल जाएंगे। एक अच्छा आइडिया है अगर तुम घर पर रखे पुराने अखबार या मैगजीन से जरूरी फोटो काट लो। इसके अलावा अपनी स्क्रैपबुक में कुछ ऑरिजनल लुक देने के लिए खुद भी स्केच या ड्रॉइंग कर स्टिकर बना सकते हो। फोटो इकट्ठे करने के लिए तुम मम्मी-पापा या साथी स्टूडेंट्स की मदद ले सकते हो। स्टिकर और फोटो इकट्ठा करने के बाद बारी है स्क्रैपबुक का हर पेज सजाने की। स्टिकर्स-फोटो को सिम्पल या डिजाइन में काटकर अच्छे ढंग से चिपकाना स्क्रैपबुक को खूबसूरत लुक देने के लिए जरूरी है। ध्यान रहे कि फेविकोल से स्क्रैपबुक का कलर पेज गंदा न हो जाये। यह भी ध्यान रखो कि विषय के अनुसार ही हर पेज तैयार किया गया हो और सही जगह पर ही स्टिकर या फोटो पेस्ट की गई हो। फोटो चिपकाने के बाद बारी है हर पेज पर हैडिंग देने की। थीम के अनुसार पेज के सबसे ऊपर कहीं (दाएं-बाएं-मध्य) भी पेंसिल से लाइन खींचकर एक साफ-सुथरी हैडिंग लिखो। हैडिंग लिखने के लिए तुम कलरपेन, पेन या मार्कर का इस्तेमाल कर सकते हो। इसे स्टाइल में भी लिखा जा सकता है। यह पूरी तरह से तुम्हारे ऊपर है कि तुम सुंदर ढंग से एक अच्छी हैडिंग कैसे लिखते हो। अब स्टिकर या फोटो को नाम दो। कैप्शन लिखो। ध्यान रहे कि यह लिखने के लिए तुमने फोटो के नीचे थोड़ी जगह छोड़ी है। एक सामान्य स्क्रैपबुक में एनिमल, बर्ड्स, वेजिटेबल पेजों पर स्टिकर के नीचे नाम लिखे जाते हैं।

पर्सनल स्क्रैपबुक

स्कूल में दिये जाने वाले इस काम का एक फायदा यह भी है कि इसका आइडिया हमेशा तुम्हारे साथ रह सकता है। तुम घर पर भी अपनी पर्सनल स्क्रैपबुक बना सकते हो। तुम मम्मी-डैडी, दोस्तों के साथ बाहर घूमने जाते हो। मॉल, पार्क, फन पार्क, चिड़ियाघर या छुट्टियों में कहीं शहर से बाहर जाते हो। इन सब जगहों से ली गई फोटो से तुम एक अच्छी स्क्रैपबुक बना सकते हो। यहां से मिली कई छोटी-छोटी चीजों को इकट्ठा कर स्क्रैपबुक में लगा सकते हो।

इस तरह इन खूबसूरत पलों की यादें हमेशा तुम्हारे साथ रहेंगी और इस आइडिया से तुम्हारी खुद से जुड़ी एक मौलिक (ऑरिजिनल) स्क्रैपबुक तैयार हो जाएगी। यह एक्टिविटी तुम कभी भी हफ्ते, महीने में एक बार कर सकते हो। इसलिए स्क्रैपबुक सिर्फ तुम्हारी पढ़ाई का ही हिस्सा नहीं है, बल्कि यह आगे चलकर तुम्हारी जिंदगी का भी हिस्सा बन सकती है।

समझदार किट्टू

किट्टू खरगोश, बिट्टू बन्दर, टीटू हाथी और मींकू मेढक चारों पक्के दोस्त थे। सभी एक साथ ही स्कूल जाते और एक साथ ही स्कूल से लौटते। साथ घूमना-फिरना, एक साथ रिसेज में खाना खाना और घर जाने के बाद होमवर्क भी साथ ही करना। ये उनका रोज का रूटीन था। वैसे तो सारा समय साथ ही बिताते, लेकिन पढ़ने के समय शरारतें करते। इनमें बिट्टू बन्दर का ध्यान पढ़ाई में कम ही लग पाता था। लेकिन शरारतों में सबसे आगे रहता। चारों दोस्तो में किट्टू खरगोश सबसे इंटेलिजेंट था। क्लास में जब भी कोई प्रश्न पूछा जाता, सबसे पहले किट्टू ही हाथ उठाकर जवाब देता। लेकिन उसके दिल में तीनों दोस्तों के लिए बहुत प्यार था। वह हमेशा कहता, 'देखो जब तुम लोग कहते हो तो मैं तुम्हारे साथ खेलता हूं ना, तो फिर जब मैं पढ़ने को कहता हूं तो तुम्हें भी पढ़ना चाहिए ना? मेरे प्यारे दोस्तो, क्या तुमने वो कहावत नही सुनी कि 'खेलोगे कूदोगे तो बनोगे खराब। पढ़ोगे लिखोगे तो बनोगे नवाब', इसलिए खेलने के समय खेलो, पर पढ़ने के समय पढ़ भी लिया करो।' लेकिन किट्टू की यह बात सुनकर टीटू हमेशा हंस देता। कहता, 'सारा दिन तो क्लास में मैडम की बात सुनकर बोर हो जाते हैं और बाहर आते ही तुम शुरू हो जाते हो'।

अचानक मींकू बीच में ही बोलता है, 'अरे यार, न्यूईयर की पार्टी में अब सिर्फ 3 या 4 दिन ही बाकी रह गए हैं, तो बताओ कि इस बार की पार्टी का क्या प्लान है।' तभी बिट्टू बन्दर उछलने लगता है। भई वाह, न्यू ईयर पार्टी में बड़ा मजा आएगा।

क्या-क्या सोचा है, इस बार पार्टी के लिए। किट्टू खरगोश फिर कहता है, भाई, पार्टी तो बाद में भी की जा सकती है। जरा ये सोचो कि एग्जाम आने वाले है। अगर हम अभी से ही पढ़ना शुरू कर दें तो हम टॉप भी कर सकते हैं। टीटू हाथी फिर बीच में आकर कहता है, अभी एग्जाम की बात नहीं होगी, पहले पार्टी, बाकी सब उसके बाद।

अब किट्टू खरगोश चुप हो जाता है और कहता है, ठीक है भाई पहले पार्टी, लेकिन इस बार पार्टी मेरे यहां नहीं रखेंगे। टीटू हाथी फटाफट बीच में बोलता है। यप्पी इस बार पार्टी मेरे यहां रखेंगे। तो तय हुआ इस बार केक के साथ पेप्सी, समोसे, चाऊमीन और बर्गर जरूर होना चाहिए। मींकू मेढक खुशी जाहिर करते हुए चिल्लाने लगता है। इस बार बड़ा मजा आने वाला है। लेकिन हां, गाना बजाना भी जरूर होना चाहिए, ठीक है। और बिट्टू बन्दर लीडर बनता हुआ कहता है, हां, जरूर होगा। अब सारे दोस्त पार्टी की तैयारियों में बिजी हो जाते हैं। कोई डेकोरेशन की तैयारियों में बिजी, तो कोई खाने के सामान की जिम्मेदारी लेता है। लेकिन किट्टू खरगोश बड़ा समझदार होता है। वो सिर्फ केक लाने की जिम्मेदारी लेता है, जिसमें ज्यादा समय न खराब हो सके। वो अपने बाकी दोस्तों की तरह अपना सारा ध्यान पार्टी में लगाता। थोड़ा सा भी समय मिलता तो तुरन्त पढ़ने लगता। लेकिन बाकी सब पढ़ाई को भूल कर न्यू ईयर की तैयारी में बिजी चल रहे थे। अब न्यू ईयर की ईवनिंग आती है। बिट्टू बन्दर बड़ा खुश होता है। आज तो पार्टी है,ये सोचकर बार-बार मींकू मेढक को फोन करके पूछता रहता है, मैं कौन-सी शर्ट पहनूं और खूब तैयारियां करता है। मींकू भी पार्टी को लेकर बड़ा एक्साइटेड होता है। वहीं किटटू खरगोश अपना सारा ध्यान पढ़ाई पर लगाता है।

शाम को सब टीटू हाथी के घर इकट्ठा होते हैं। थोड़ी ही देर में पार्टी भी शुरू हो जाती है। बिट्टू बंदर खूब डांस करता है। जब सारे दोस्त मस्ती कर रहे होते हैं तो किटटू वहीं बैठकर यह सोचता है कि इस बार यूनिट टेस्ट में इन सबका क्या होगा, क्योंकि पार्टी के चक्कर में इन्होंने तैयारी तो की ही नहीं है। किट्टू खरगोश यह सोचते हुए ही वहां से निकल जाता है और घर पहुंचकर पढ़ना शुरू कर देता है। अगले दिन यूनिट टेस्ट होता है। सभी पेपर देते हैं, लेकिन किट्टू के तीनों दोस्त उदास हो जाते हैं। पेपर देखकर उन्हें समझ ही नहीं आता कि क्या लिखें। उनका पेपर देखकर मैडम भी उन्हें खूब डांटती हैं और कहती हैं, 'तुम्हारा ध्यान पढ़ने में बिल्कुल नहीं है। क्या तुम्हें नहीं पता था कि आज पेपर है। अपने दोस्त किट्टू से कुछ सीखो, वो कितना समझदार है। उसने पूरा पेपर किया है'। अपने दोस्तों को डांट पड़ती देख किटटू को बहुत बुरा लगता है। कुछ दिन बाद ही रिजल्ट आता है। मैडम किट्टू को शाबाशी देते हुए कहती हैं, 'तुमने टॉप किया है बेटा, वेलडन।' मैडम सभी बच्चों को रिजल्ट दे देती हैं, लेकिन किट्टू के तीनों दोस्तों को नहीं देतीं। उन्हें पेरेंट्स को बुलाने को कहती हैं। यह सुनकर सभी डर जाते हैं। किट्टू के रिक्वेस्ट करने पर मैडम बताती हैं कि तीनों फेल हो गए हैं। किट्टू बहुत उदास होता है और खुशी भुलाकर दोस्तों को दिलासा देते हुए कहता है, 'कोई बात नहीं दोस्तो, इस बार अच्छे से मेहनत करना और तुम ही टॉप करना। लेकिन मुझे बहुत दुख हुआ है।' इसके बाद से किट्टू के तीनों दोस्त सुधर गए और वो भी किट्टू की ही तरह पढ़ाई में ध्यान लगे। फिर तो तीनों में यह शर्त लगती थी कि कौन फर्स्ट आएगा और कौन सेकेंड।

सारे दोस्त पार्टी की तैयारियों में बिजी हो जाते हैं। कोई डेकोरेशन की तैयारियों में बिजी, तो कोई खाने के सामान की जिम्मेदारी लेता है। लेकिन किट्टू खरगोश बड़ा समझदार होता है। वो सिर्फ केक लाने की जिम्मेदारी लेता है, जिसमें ज्यादा समय न खराब हो सके। वो अपने बाकी दोस्तों की तरह अपना सारा ध्यान पार्टी में लगाता।

पंजाब-चंडीगढ़ में मानसून फिर सक्रिय, 28-29 को भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट

शनिवार सुबह से शुरू हुआ बारिश का दौर, कपूरथला में सर्वाधिक 40 मिमी वर्षा

चंडीगढ़ ।

पंजाब और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में मानसून ने एक बार फिर अपनी रफ्तार पकड़ ली है। शनिवार सुबह से जारी बारिश ने लोगों को उमस भरी गर्मी से बड़ी राहत दी है, लेकिन अगले कुछ दिनों में भारी बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग ने 28 और 29 जुलाई के लिए पंजाब और चंडीगढ़ में भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जिससे प्रशासन और आम जनता को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। शनिवार सुबह से पठानकोट और जालंधर समेत आसपास के कई इलाकों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है, जिससे वातावरण में ठंडक घुली है। बीते 24 घंटों में कपूरथला में सर्वाधिक 40.0 मिमी बारिश दर्ज की गई है। इसके अलावा पठानकोट में 30.0 मिमी, रूपनगर (भाखड़ा बांध) में 26.5 मिमी और अमृतसर में 20.6 मिमी वर्षा हुई है। बारिश के बावजूद, पिछले 24 घंटों में पंजाब के अधिकतम तापमान में औसत 2.5 डिग्री सेल्सियस की हल्की बढ़ोतरी हुई है, हालांकि यह सामान्य के आसपास ही बना हुआ है। फरीदकोट 36.5` डिग्री` ल्सियस के साथ राज्य का सबसे गर्म शहर रहा, जबकि पठानकोट में न्यूनतम तापमान 23.6एष्ट दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, 26 जुलाई को बारिश की गतिविधियों में थोड़ी कमी आ सकती है, लेकिन 27 जुलाई से राज्य में बारिश की रफ्तार फिर बढ़ेगी। 28 और 29 जुलाई को भारी से बहुत भारी बारिश की प्रबल संभावना है, जिसके लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। 30 जुलाई को भी अधिकांश जिलों में हल्की से मध्यम बारिश जारी रहने का अनुमान है। आगामी भारी बारिश के मद्देनजर, चंडीगढ़ सहित निचले इलाकों और शहरी क्षेत्रों में जलभराव की गंभीर आशंका जताई गई है। लोगों को खराब मौसम के दौरान सुरक्षित रहने और अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी गई है।

बीओआई का मुनाफा 36 फीसदी बढ़कर 3,068 करोड़ हुआ

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ इंडिया (बीओआई) ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में एकल आधार पर अपने मुनाफे में 36.23 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की है, जो 3,067.90 करोड़ रुपये रहा। बैंक के इस मजबूत वित्तीय प्रदर्शन को मुख्य रूप से गैर-ब्याज आय में उल्लेखनीय वृद्धि और परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार से बल मिला। बैंक ऑफ इंडिया ने एकीकृत आधार पर भी 80.51 प्रतिशत की भारी वृद्धि दर्ज करते हुए 3,302.58 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया। यह पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 1,829 करोड़ रुपये से काफी अधिक है। समीक्षाधीन तिमाही में बैंक की गैर-ब्याज आय 19.07 प्रतिशत बढ़कर 2,579 करोड़ रुपये हो गई, जबकि मुख्य शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) 12.61 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 6,833 करोड़ रुपये रही। इस दौरान बैंक की ऋण वृद्धि 18.64 प्रतिशत दर्ज की गई। परिसंपत्ति गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार आया है, जहां बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (जीएनपीए) दर जून 2026 में घटकर 1.81 प्रतिशत रह गई, जो एक साल पहले 2.92 प्रतिशत थी। वहीं, शुद्ध एनपीए दर भी 0.51 प्रतिशत पर आ गई, जो जून 2025 में 0.75 प्रतिशत थी।

फर्जी %एयर सुविधा 2.0% वेबसाइटों से सावधान रहें यात्री, सरकार ने जारी की चेतावनी

नई दिल्ली, ।

केंद्र सरकार ने शनिवार को यात्रियों से अपील की कि वे %एयर सुविधा 2.0% की आधिकारिक वेबसाइट की सावधानीपूर्वक जांच करने के बाद ही अपनी व्यक्तिगत या यात्रा संबंधी जानकारी साझा करें, क्योंकि कुछ फर्जी वेबसाइटें लोगों को गुमराह कर रही हैं। नागर विमानन मंत्रालय ने कहा कि कुछ फर्जी वेबसाइटें और पोर्टल एयर सुविधा 2.0 के नाम पर खुद को आधिकारिक बताकर यात्रियों को पेमेंट गेटवे पर भेज रहे हैं।

मंत्रालय ने कहा, ÷यात्रियों को सूचित किया जाता है कि एयर सुविधा 2.0 की सेवाएं पूरी तरह निशुल्क हैं और सेल्फ-डिक्लेरेशन फॉर्म जमा करने के लिए किसी भी प्रकार का भुगतान करने की आवश्यकता नहीं है। एयर सुविधा 2.0 का एकमात्र आधिकारिक पोर्टल है।÷ मंत्रालय ने आगे कहा कि यात्री अपनी व्यक्तिगत या यात्रा संबंधी जानकारी साझा करने से पहले वेबसाइट के यूआरएल की अच्छी तरह जांच करें और एयर सुविधा 2.0 सेवा देने का दावा करने वाली किसी भी अनधिकृत वेबसाइट पर भुगतान करने से बचें। मंत्रालय ने कहा, ÷यात्रियों से अनुरोध है कि वे केवल आधिकारिक पोर्टल का ही उपयोग करें और सही जानकारी के लिए केवल सरकार की आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें।

कच्चे तेल और युद्ध का डर, बाजार पर भारी पड़ी भू-राजनीतिक चिंताएं

ग्लोबल अस्थिरता का असर भारतीय बाजार पर साफ दिखा

भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल और विदेशी निकासी के दबाव में बाजार

मुंबई ।

बीता हफ्ता भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद निराशाजनक रहा, जहां प्रमुख सूचकांक लगातार पांच कारोबारी सत्रों तक गिरावट के साथ बंद हुए। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल, अमेरिकी व्यापार शुल्क संबंधी नई चिंताएं और विदेशी पूंजी की लगातार निकासी ने बाजार की धारणा को बुरी तरह प्रभावित किया। निवेशकों में भारी बिकवाली का दबाव देखा गया, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही सूचकांकों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई और रुपया भी डॉलर के मुकाबले कमजोर हुआ। सप्ताह की शुरुआत ही भारी बिकवाली के साथ हुई, जब सोमवार को 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 523 अंक और 50 शेयरों वाला निफ्टी 134 अंक लुढ़क गया। दिन के अंत तक सेंसेक्स 442.93 अंक (और निफ्टी 95.80 अंक की गिरावट के साथ बंद हुए। मंगलवार को बाजार ने एक सपाट शुरुआत की, लेकिन वैश्विक अस्थिरता के कारण यह भी लाल निशान में बंद हुआ। सेंसेक्स 238.41 अंक और निफ्टी 50.80 अंक नीचे आ गए। रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) और इंफोसिस जैसे दिग्गजों के शेयरों में 2 फीसदी तक की गिरावट देखी गई। हालांकि, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी ऑटो सूचकांकों ने कुछ हद तक बढ़त दर्ज कर थोड़ी राहत दी। बुधवार को गिरावट का सिलसिला और तेज हो गया, जो लगातार तीसरा कारोबारी सत्र था। कच्चे तेल के दामों में तेज उछाल और बैंक शेयरों में भारी बिकवाली इसकी मुख्य वजह रही। बीएसई सेंसेक्स 715.06 अंक और एनएसई निफ्टी 191.45 अंक की बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए। गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार ने लगातार चौथे कारोबारी सत्र में गिरावट दर्ज की। ईरान पर अमेरिकी सैन्य हमलों की खबरों से कच्चे तेल की कीमतों में और उछाल आया, जिससे निवेशकों की धारणा कमजोर बनी रही। सेंसेक्स 363.66 अंक गिरकर 76,391.39 पर और निफ्टी 126.66 अंक के नुकसान के साथ 23,869.60 के स्तर पर बंद हुआ। सप्ताह का अंत भी गिरावट के साथ हुआ। शुक्रवार को लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में सेंसेक्स और निफ्टी को नुकसान हुआ। शुरुआती कारोबार में तो सेंसेक्स 700 अंक से ज्यादा टूट गया था, हालांकि बाद में थोड़ी रिकवरी हुई।

मारुति ने नई कॉम्पैक्ट एसयूवी से मचाई हलचल, कीमत 7.40 लाख से शुरू

नया 1.0 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन, प्रीमियम इंटीरियर और उन्नत सुरक्षा फीचर्स के साथ हुई एंट्री

नई दिल्ली।

भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में मारुति सुजुकी ने अपनी लोकप्रिय कॉम्पैक्ट एसयूवी ब्रेज़ा 2026 फेसलिफ्ट को लॉन्च कर दिया है। यह नया मॉडल कई बड़े बदलावों के साथ आया है, जिसमें एक शक्तिशाली टर्बो पेट्रोल इंजन, आकर्षक डिज़ाइन और प्रीमियम फीचर्स शामिल हैं। इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 7.40 लाख रुपये तय की गई है, जो इसे कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में एक मजबूत दावेदार बनाती है। नई ब्रेज़ा फेसलिफ्ट का सबसे बड़ा आकर्षण इसका बिल्कुल नया 1.0 लीटर डायरेक्ट इंजेक्शन टर्बो पेट्रोल इंजन है। यह इंजन 108 बीएचपी की पावर और 170 एनएम का टॉर्क पैदा करता है, जिसे 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है। यह नया पावरट्रेन ड्राइविंग अनुभव को और बेहतर बनाएगा। डिज़ाइन की बात करें तो, नई ब्रेज़ा में नया फ्रंट ग्रिल, बदले हुए बंपर और नए 16 इंच के ड्यूल-टोन अलॉय व्हील मिलते हैं, जो इसे एक फ्रेश लुक देते हैं। यह विवेशियस ऑरेंज और लस्ट्रस बेज जैसे दो नए आकर्षक रंगों में भी उपलब्ध होगी। इंटीरियर में ब्लैक और ब्राउन थीम के साथ ग्लॉस ब्लैक फिनिश दी गई है। इसमें अब बड़ा 10.1 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, एम्बिएंट लाइटिंग, वेंटिलेटेड फ्रंट सीटें, एयर प्यूरीफायर और वायरलेस चार्जर जैसे प्रीमियम फीचर्स शामिल हैं, जो केबिन को अधिक आरामदायक और हाई-टेक बनाते हैं। सुरक्षा के लिहाज से भी ब्रेज़ा अब और मजबूत हुई है।

बीएनपी परिबा कार्डिफ ने इंडियाफर्स्ट लाइफ में खरीदी 26 फीसदी हिस्सेदारी

बैंक ऑफ बड़ौदा 65 फीसदी हिस्सेदारी के साथ सबसे बड़ा शेयरधारक

मुंबई ।

फ्रांस की बीमा कंपनी बीएनपी परिबा कार्डिफ ने निजी इक्विटी फर्म वारबर्ग पिन्कस से इंडियाफर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने की घोषणा की है। इस सौदे के साथ इंडियाफर्स्ट लाइफ को एक नया रणनीतिक निवेशक मिल गया है, जिसका उद्देश्य कंपनी की विकास यात्रा को गति देना है। हालांकि, सौदे की राशि का खुलासा नहीं किया गया है। इस अधिग्रहण के बाद इंडियाफर्स्ट लाइफ की शेयरधारिता में बड़ा बदलाव आया है। बैंक ऑफ बड़ौदा की हिस्सेदारी 65 प्रतिशत रहेगी, जिससे वह सबसे बड़ा शेयरधारक बना रहेगा। बीएनपी परिबा कार्डिफ के पास अब 26 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी, जबकि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया नौ प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ एक महत्वपूर्ण साझेदार रहेगा। इस रणनीतिक साझेदारी का मुख्य उद्देश्य बैंक ऑफ बड़ौदा के विशाल शाखा नेटवर्क, इंडियाफर्स्ट लाइफ की बहु-चैनल वितरण क्षमताओं और बीएनपी परिबा कार्डिफ की वैश्विक बैंकएश्योरेंस विशेषज्ञता, उत्पाद नवाचार तथा बीमा क्षमताओं का लाभ उठाना है। बीएनपी परिबा कार्डिफ की सीईओ पॉलिन लेक्लेर-ग्लोरियू ने इस सौदे को उच्च संभावनाओं वाले बाजारों में मजबूत संस्थानों के साथ साझेदारी की उनकी अंतरराष्ट्रीय रणनीति का विस्तार बताया।

बच्चों की दवा कंपनी रेहान हेल्थकेयर का लाइसेंस निलंबित

दूषित वातावरण, गंदगी और कीड़े-मकौड़ों के प्रकोप से बच्चों के उत्पादों को खतरा

नई दिल्ली ।

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने बच्चों के लिए आयुर्वेदिक दवाएं, हेल्थ सप्लीमेंट्स और न्यूट्रिशन उत्पाद बनाने वाली कंपनी रेहान हेल्थकेयर का लाइसेंस निलंबित कर दिया है। यह सख्त कार्रवाई कंपनी की विनिर्माण इकाई के विस्तृत निरीक्षण के बाद की गई, जहां खाद्य सुरक्षा नियमों के कई गंभीर उल्लंघन पाए गए। एफएसएसएआई ने तत्काल प्रभाव से उत्पादन रोकने और सभी कमियों को दूर करने का निर्देश दिया है, अन्यथा कड़ी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है। एफएसएसएआई के निरीक्षण दल ने रेहान हेल्थकेयर की फैक्ट्री में अत्यधिक अस्वच्छ और दूषित वातावरण पाया। पूरे परिसर में गंदगी, कीड़े-मकौड़ों का प्रकोप और साफ-सफाई के बुनियादी मानकों की घोर अनदेखी उजागर हुई। कंपनी को खाद्य सुरक्षा अनुपालन में केवल 12 प्रतिशत अंक मिले, जो स्थिति की गंभीरता को दर्शाता है। अधिकारियों ने विनिर्माण टैंकों के नीचे गंदगी की मोटी परतें और कच्चे माल के भंडारण क्षेत्रों में भी अत्यधिक अस्वच्छता पाई, जिससे उत्पादों में संक्रमण फैलने का गंभीर खतरा पैदा हो रहा था। निरीक्षण में अपर्याप्त भंडारण, सीमित कार्यस्थल, खराब वेंटिलेशन और प्रकाश व्यवस्था जैसी अन्य महत्वपूर्ण कमियां भी सामने आईं। फैक्ट्री में मकड़ी के जाले, फफूंदी, मक्खियां और खुले में पड़ा कचरा आम बात थी।

नियामक ने इस स्थिति को विशेष रूप से खतरनाक माना, क्योंकि यह इकाई बच्चों द्वारा उपभोग किए जाने वाले हाई रिस्क हेल्थ सप्लीमेंट्स और न्यूट्रास्यूटिकल्स बनाती है। ऐसी अस्वच्छ परिस्थितियाँ सीधे तौर पर छोटे बच्चों के स्वास्थ्य को गंभीर खतरे में डाल सकती थीं। एफएसएसएआई ने साफ किया है कि उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा के मानकों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

8वें वेतन आयोग की बैठकें अगस्त में, कर्मचारियों को मिली राहत

महत्वपूर्ण बैठकें 7 अगस्त और 10 अगस्त को आयोजित की जाएंगी

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार के लाखों कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए 8वें वेतन आयोग को लेकर एक महत्वपूर्ण अपडेट सामने आया है। आयोग ने दिल्ली में विभिन्न कर्मचारी संगठनों और पेंशनर्स यूनियनों के साथ आगामी बैठकों का विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया है। ये महत्वपूर्ण बैठकें 7 अगस्त और 10 अगस्त, 2026 को आयोजित की जाएंगी, जिनमें केंद्रीय कर्मचारियों के वेतनमान, भत्तों और पेंशन से संबंधित विभिन्न सुझावों पर गहन चर्चा की जाएगी। इस घोषणा से देश के लगभग 1.19 करोड़ केंद्रीय कर्मचारी और पेंशनर्स को राहत मिली है, जो लंबे समय से आयोग की सिफारिशों का इंतजार कर रहे हैं। आयोग ने उन सभी कर्मचारी और पेंशनर्स संगठनों को एक और अवसर प्रदान किया है, जिन्होंने पूर्व में अपना मेमोरेंडम जमा कर दिया था, लेकिन किसी कारणवश अभी तक आयोग के साथ उनकी बैठक नहीं हो पाई थी। ऐसे संगठन इन आगामी बैठकों में शामिल होने के लिए 31 जुलाई, 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करते समय उन्हें अपनी मेमो आईडी के साथ अपॉइंटमेंट की मांग करनी होगी। आयोग ने स्पष्ट किया है कि तय समय सीमा के बाद प्राप्त होने वाले अनुरोधों पर सीमित विचार किया जाएगा, इसलिए सभी संगठनों को निर्धारित तिथि से पहले प्रक्रिया पूरी करने की सलाह दी गई है। 8वें वेतन आयोग का मुख्य उद्देश्य केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए मौजूदा वेतन, भत्तों और पेंशन व्यवस्था की व्यापक समीक्षा करना है। इस प्रक्रिया के तहत आयोग विभिन्न कर्मचारी संगठनों, यूनियनों और फेडरेशनों से सुझाव एकत्र कर रहा है। दिल्ली में होने वाली ये बैठकें इसी व्यापक विचार-विमर्श प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जहाँ कर्मचारी संगठन सीधे आयोग के समक्ष अपनी मांगों और सुझावों को प्रस्तुत कर सकेंगे। इन्हीं सुझावों के अध्ययन के बाद आयोग अपनी सिफारिशें तैयार करेगा, जिन्हें बाद में केंद्र सरकार को सौंपा जाएगा, और इन्हीं के आधार पर भविष्य के नए वेतनमान व अन्य लाभ तय होंगे।

एचडीएफसी बैंक पर अमेरिकी जांच का साया, शेयरों में गिरावट जारी

45 करोड़ के कथित भुगतान को लेकर सवाल, निवेशक चिंतित

मुंबई ।

अमेरिका की तीन प्रमुख लॉ फर्मों ने एचडीएफसी बैंक के खिलाफ संभावित संघीय प्रतिभूति कानूनों के उल्लंघन की जांच शुरू कर दी है, जिसके बाद बैंक के शेयरों में 1 फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। तिमाही नतीजों के बाद से पिछले पांच कारोबारी सत्रों में शेयर लगभग 10 फीसदी गिर चुके हैं, जिसने निवेशकों की चिंताओं को बढ़ा दिया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यह जांच महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम को कथित तौर पर किए गए 45 करोड़ रुपए के भुगतान से जुड़ी है। आरोप है कि बड़े डिपॉजिट प्राप्त करने के लिए दी गई अतिरिक्त ब्याज राशि को कथित तौर पर विपणन खर्च के रूप में दर्ज किया गया था। इस राशि को फिर चार स्थानीय वेंडरों के माध्यम से सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियानों पर खर्च दिखाया गया।

अमेरिकी लॉ फर्मों ने फिलहाल यह स्पष्ट नहीं किया है कि यह मामला सामूहिक मुकदमे का रूप लेगा या नहीं। वे उन निवेशकों से जानकारी जुटा रही हैं, जिन्हें बैंक के शेयरों में आई गिरावट से नुकसान हुआ है। हालांकि, एचडीएफसी बैंक ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। बैंक का कहना है कि उसके सभी लेनदेन निर्धारित नियमों और एक मजबूत आंतरिक नियंत्रण प्रणाली के तहत किए जाते हैं, और किसी भी अनियमितता के आरोप पूरी तरह से निराधार हैं।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 3,030 करोड़ के 3 भव्य केमिकल पार्कों को दी मंजूरी

भव्य-रसायन योजना के तहत 2030-31 तक होगा विकास

नई दिल्ली ।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश में तीन बड़े केमिकल पार्कों की स्थापना के लिए 3,030 करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी नई योजना को मंजूरी दे दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में भारत औद्योगिक विकास योजना रसायन (भव्य-रसायन) को हरी झंडी मिली, जिसका मुख्य लक्ष्य भारत को रसायन क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है। सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि यह योजना वर्तमान वित्त वर्ष से शुरू होकर 2030-31 तक पांच वर्षों के लिए लागू रहेगी। योजना की कुल लागत 3,030 करोड़ रुपये है, जिसमें से 3,000 करोड़ रुपये साझा अवसंरचना एवं बुनियादी सुविधाओं के विकास पर और 30 करोड़ रुपये प्रशासनिक व्यय पर खर्च होंगे। वैष्णव ने बताया कि ये पार्क कम से कम 2,000 एकड़ (करीब 8 वर्ग किलोमीटर) क्षेत्र में स्थापित होंगे और प्रत्येक में 20,000 करोड़ रुपये से 50,000 करोड़ रुपये तक का निवेश आकर्षित होने की संभावना है। इन पार्कों का विकास राज्यों के साथ चैलेंज रूट के तहत किया जाएगा, जहां राज्य सरकारें ग्रीनफील्ड (नई) या ब्राउनफील्ड (पुरानी) विकल्पों में से चुनाव कर सकेंगी। केंद्र सरकार प्रत्येक पार्क के लिए अधिकतम 1,000 करोड़ रुपये का अनुदान देगी, जबकि संबंधित राज्य सरकार को कम से कम 500 करोड़ रुपये का योगदान करना होगा। आधिकारिक बयान के अनुसार यह योजना रसायन उद्योग की समूची मूल्य श्रृंखला का विकास करेगी, लॉजिस्टिक लागत में कमी लाएगी और घरेलू-विदेशी निवेश को बढ़ावा देगी। इससे उत्पादन क्षमता बढ़ेगी, रोजगार के अवसर सृजित होंगे और भारतीय रसायन क्षेत्र की वैश्विक प्रतिस्पर्धा मजबूत होगी। इन पार्कों में आधुनिक सुविधाएं जैसे सीईटीपी, जल आपूर्ति और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क विकसित किए जाएंगे, जिससे कृषि, वस्त्र, दवा, वाहन व इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों को भी लाभ मिलेगा।

कठुआ को मिलेगी मजबूत बिजली, ग्रिड उन्नयन को 15.22 करोड़ मंजूर

क्षेत्र में मिलेगी विश्वसनीय और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति

श्रीनगर।

जम्मू कश्मीर सरकार ने क्षेत्र में बिजली आपूर्ति को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कठुआ ग्रिड स्टेशन के उन्नयन के लिए 15.22 करोड़ रुपए की एक महत्वपूर्ण परियोजना को हरी झंडी दे दी है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार के इस फैसले की जानकारी एक सरकारी प्रवक्ता ने दी, जिसमें बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने पर जोर दिया गया है। प्रवक्ता के अनुसार इस परियोजना का मुख्य लक्ष्य कठुआ ग्रिड स्टेशन की क्षमता में वृद्धि करना और उससे संबंधित बुनियादी ढांचे को आधुनिक बनाना है। यह पहल विशेष रूप से क्षेत्र में लगातार बढ़ती बिजली की मांग को पूरा करने के लिए पारेषण नेटवर्क को मजबूत करेगी और उपभोक्ताओं के लिए अधिक सुदृढ़ एवं विश्वसनीय विद्युत अवसंरचना उपलब्ध कराएगी। अधिकारियों का मानना है कि इस उन्नयन से पारेषण प्रणाली की विश्वसनीयता और स्थिरता में उल्लेखनीय सुधार होगा।

साथ ही, यह प्रणाली पर पड़ने वाले अधिक दबाव को कम करने में भी सहायक होगा। इसका सीधा लाभ कठुआ और आसपास के क्षेत्रों के हजारों उपभोक्ताओं को मिलेगा, जिनके लिए अब बेहतर गुणवत्ता और अधिक स्थिर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी।

क्रेडिट कार्ड खर्च 2 लाख करोड़ के पार, लगातार दूसरे महीने उछाल

मुंबई।

भारतीय उपभोक्ताओं ने क्रेडिट कार्ड के जरिए खर्च करने की अपनी आदत को जून में भी बरकरार रखा है, लगातार दूसरे महीने खर्च का आंकड़ा 2 लाख करोड़ रुपए के निशान को पार कर गया। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, जून में क्रेडिट कार्ड से कुल 2.01 लाख करोड़ रुपए का व्यय दर्ज किया गया, जो पिछले साल इसी अवधि के मुकाबले 9.8 फीसदी की प्रभावशाली वृद्धि है। हालांकि, यह मई के 2.02 लाख करोड़ रुपए के मुकाबले मामूली रूप से कम रहा। क्रेडिट कार्ड खर्च में प्रमुख खिलाड़ियों में एचडीएफसी बैंक और एसबीआई कार्ड का प्रदर्शन सबसे मजबूत रहा। एचडीएफसी बैंक ने 16.2 फीसदी की सालाना बढ़ोतरी के साथ 59,432 करोड़ रुपए का खर्च दर्ज किया, जबकि एसबीआई कार्ड का खर्च 34.4 फीसदी बढ़कर 41,077 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। दूसरी ओर आईसीआईसीआई बैंक के क्रेडिट कार्ड खर्च में 5.2 फीसदी की सालाना गिरावट दर्ज की गई और यह 31,410.9 करोड़ रुपए रहा।

एक्सिस एमएफ के पूर्व डीलर वीरेश जोशी पर 7 साल का प्रतिबंध

30.55 करोड़ की अवैध कमाई जब्त, व्हाट्सएप चैट से खुला राज

मुंबई ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने फ्रंट-रनिंग ट्रेडिंग के गंभीर आरोपों पर ऐक्सिस म्युचुअल फंड के पूर्व चीफ डीलर वीरेश जोशी पर सात साल के लिए प्रतिभूति बाजार में पाबंदी लगा दी है। उन पर 3 करोड़ रुपए का भारी जुर्माना भी लगाया गया है। इस मामले में सेबी ने जोशी के 20 अन्य सहयोगियों को भी 3 से 7 साल के लिए प्रतिबंधित किया है, जिन पर 10 लाख रुपए से 1 करोड़ रुपए तक का जुर्माना लगाया गया है। नियामक ने इस अवैध गतिविधि के जरिये हुई अनुमानित 30.55 करोड़ रुपए की कमाई को पहले ही जब्त कर लिया है। सेबी के अंतिम आदेश के अनुसार, जोशी ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए ऐक्सिस एमएफ के बड़े सौदों से जुड़ी गोपनीय जानकारी अपने बाहरी सहयोगियों को दी। इन लोगों ने दुबई से ओडीआईएन टर्मिनल और दूसरों के नाम पर खोले गए खातों का इस्तेमाल कर फ्रंट-रनिंग ट्रेड किए, जिससे बाजार में हेरफेर कर अवैध मुनाफा कमाया गया। इस गैर-कानूनी कमाई को ऑफशोर कंपनियों में जमा किया गया।

श्रीराम फाइनेंस का मुनाफा पहली तिमाही में 60 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई ।

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड का मुनाफा चालू वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में 60 प्रतिशत बढ़कर 3,453 करोड़ रुपये रहा।

मुख्य रूप से आय में वृद्धि से लाभ बढ़ा है।

श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड के एक कार्यकारी अे धिकारी ने कहा कि शुद्ध ब्याज आय 33.67 प्रतिशत बढ़कर 8,056 करोड़ रुपये होने और शुद्ध ब्याज मार्जिन के पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 8.11 प्रतिशत से बढ़कर 9.04 प्रतिशत होने से मुनाफे में वृद्धि हुई।

उन्होंने कहा कि जापान के एमयूएफजी द्वारा 4.4 अरब डॉलर में कंपनी में 20 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने से भी शुद्ध ब्याज मार्जिन बढ़ाने में मदद मिली।

जीपी पेट्रोलियम्स का मुनाफा पहली तिमाही में तीन गुना होकर 20.6 करोड़ पहुंचा

मुंबई ।

लुब्रिकेंट बनाने वाली कंपनी जीपी पेट्रोलियम्स लिमिटेड (जीपीपीएल) का मुनाफा (पीएटी) चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में तीन गुना से अधिक होकर 20.6 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में 6.4 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। कंपनी ने बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी परिचालन आय सालाना आधार पर 46 प्रतिशत बढ़कर 230.3 करोड़ रुपये हो गई, जो 2025-26 की समान तिमाही में 158.2 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में उसकी कर पूर्व आय करीब तीन गुना होकर 29.2 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में 10 करोड़ रुपये थी।जीपी पेट्रोलियम्स के प्रवक्ता ने कहा कि बेहतर परिचालन मार्जिन, उत्पाद मिश्रण में सुधार और परिचालन दक्षता पर लगातार ध्यान देने के साथ ही कंपनी ने वित्त वर्ष 2026-27 में मजबूत शुरुआत की है।

विराट कोहली से मेरा कोई झगड़ा नहीं...

- ट्रेविस हेड ने IPL विवाद पर पहली बार तोड़ी चुप्पी, ट्रोलिंग पर भी छलका दर्द

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने आईपीएल 2026 के दौरान विराट कोहली के साथ विवाद और उसके बाद हुई सोशल मीडिया ट्रोलिंग पर पहली बार खुलकर अपनी बात रखी है. हेड ने उन सभी अटकलों को खारिज कर दिया, जिनमें दावा किया जा रहा था कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के मैच के बाद उनके और विराट कोहली के रिश्तों में खटास आ गई थी. दरअसल, मैच खत्म होने के बाद कैमरे में एक ऐसा दृश्य कैद हुआ था, जिसमें देखा गया कि विराट कोहली ने ट्रेविस हेड से हाथ नहीं मिलाया. इसके बाद सोशल मीडिया पर दोनों खिलाड़ियों के बीच मनमुटाव की खबरें तेजी से फैल गईं. हालांकि अब हेड ने खुद इन खबरों को पूरी तरह खारिज कर दिया है. कोड स्पोर्ट्स से बातचीत में ट्रैहेड ने कहा कि विराट कोहली के साथ उनके रिश्ते सामान्य हैं और किसी तरह के विवाद की बात पूरी तरह बेबुनियाद है. उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि पैच-अप करने जैसा कुछ है. ऐसी कोई बात ही नहीं है. टूर्नामेंट जैसा चला, वैसा ही सब कुछ हुआ. इसमें कोई हैरानी वाली बात नहीं थी.' हेड के इस बयान के बाद विराट और उनके बीच विवाद की सभी अटकलों पर विराम लग गया है. हेड ने बताया कि मैदान पर होने वाली घटनाओं को वह एक पेशेवर खिलाड़ी के तौर पर संभाल लेते हैं, लेकिन जब सोशल मीडिया पर उनके परिवार को निशाना बनाया गया तो स्थिति काफी अलग हो गई.

ट्रेविस हेड का दर्द छलक पड़ा

उन्होंने कहा, 'जेसिका और मैं चीजों को सही नजरिए से देखते हैं. हम जानते हैं कि यह उसी दुनिया का हिस्सा है, जिसमें हम रहते हैं. लेकिन असली परेशानी तब हुई, जब मामला परिवार के दूसरे सदस्यों तक पहुंच गया. वे लोग ऐसी चीजें देखने के आदी नहीं हैं.' विवाद के दौरान ट्रेविस हेड की पत्नी जेसिका हेड को भी सोशल मीडिया पर कई आपत्तिजनक संदेश मिले थे. ट्रेविस हेड ने कहा कि उनकी पत्नी ने पूरे मामले को बेहद परिपक्वता के साथ संभाला. उन्होंने कहा, 'कुछ दिनों बाद लोग सब भूल जाते हैं. जेसिका ने इस पूरे मामले को शानदार तरीके से संभाला. असली चुनौती यह होती है कि परिवार के बाकी लोग इन चीजों को किस तरह लेते हैं.'

हेड ने साफ संकेत दिया कि खिलाड़ियों की आलोचना खेल का हिस्सा हो सकती है, लेकिन उनके परिवार को सोशल मीडिया पर निशाना बनाना सही नहीं है.

सीडब्ल्यूजी: डे-2

भारत को पहला पदक, झंडू कुमार ने पैरा पावरलिफ्टिंग में जीता कांस्य

ग्लास्गो, एजेंसी। राष्ट्रमंडल खेल 2026 के दूसरे दिन भारत को पहला पदक मिला। झंडू कुमार ने पैरा पावरलिफ्टिंग में कांस्य पदक जीता। अन्य खेलों में देश के खिलाड़ियों का हाल कैसा रहा? पैरा तैराकी समेत अन्य खेलों में किन भारतीय खिलाड़ियों ने कैसा प्रदर्शन किया? कौन नजदीकी अंतर से पदक से चूक गए? राष्ट्रमंडल खेल 2026 का दूसरा दिन फिलहाल जारी है। पैरा तैराकी और पैरा पावरलिफ्टिंग में भारत को निराशा मिली है।

पुरुष और महिला दोनों वर्ग में भारत पदक लाने के करीब था, लेकिन अंत में पिछड़ गया। वहीं, पैरा तैराकी में बुडिगिना काफी करीब से कांस्य अपने नाम नहीं कर सके। आइए जानते हैं राष्ट्रमंडल खेल के दूसरे दिन क्या-क्या हुआ? ग्लास्गो में भारत को पहला पदक किसने दिलाया? पैरा पावरलिफ्टर झंडू कुमार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के पदक का खोल दिया है। पुरुष हेवीवेट के फाइनल में झंडू ने 130.9 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता। झंडू ग्रुप बी में शीर्ष पर थे और एक समय स्वर्ण पदक जीतने के करीब थे, लेकिन नाइजीरिया के रिलुवान इदरिस और इंग्लैंड के मैथ्यू हार्डिंग ने उन्हें तीसरे स्थान पर धकेल दिया। इदरिस ने 132.8 अंकों के साथ स्वर्ण और हार्डिंग ने 131 अंक के साथ रजत अपने नाम किया। भारत के एक अन्य पैरा पावरलिफ्टर सुधीर 114.1 अंक के साथ छठे स्थान पर रहे।

'माइकल फेल्प्स', चाड ले क्लोस बने इतिहास के सबसे सफल पुरुष एथलीट

ग्लास्गो, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज तैराक चाड ले क्लोस कॉमनवेल्थ गेम्स इतिहास के सबसे सफल पुरुष एथलीट बन गए हैं। ग्लास्गो में हो रहे गेम्स के दूसरे दिन पुरुषों की 4×100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले में अपनी टीम के साथ मिलकर उन्होंने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इसके साथ ही वह कॉमनवेल्थ गेम्स इतिहास के सबसे ज्यादा पदक जीतने वाले पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। 34 साल के क्लोस ने 2010 में कॉमनवेल्थ गेम्स डेब्यू किया था। वह 5वीं बार गेम्स में हिस्सा ले रहे हैं। ओलंपिक में सबसे ज्यादा मेडल जीतने का रिकॉर्ड अमेरिका के दिग्गज स्विमर माइकल फेल्प्स के नाम है।

चाड ले क्लोस के 19 मेडल हुए

ब्रॉज मेडल के साथ ही चाड ले क्लोस के करियर में कॉमनवेल्थ गेम्स पदकों की संख्या 19 हो गई है। उन्होंने इस मामले में ऑस्ट्रेलिया के निशानेबाज फिल एडम्स और इंग्लैंड के माइक गॉल्ट को पीछे छोड़ दिया है। दोनों ने ही 19-19 मेडल जीते थे। रिकॉर्ड बनाने के बाद भावुक ले क्लोस ने कहा- मुझे ब्रॉन्ज मेडल पर नहीं गोल्ड मेडल पर रोना चाहिए था, लेकिन सच कहूं तो यह उपलब्धि मेरे लिए दुनिया के बराबर है।

निकोलस ने किया इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास का ऐलान

मैं गर्व के साथ विदा ले रहा हूं

नई दिल्ली, एजेंसी। अर्जेंटीना के स्टार डिफेंडर निकोलस ओटामेंडी ने इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास का ऐलान कर दिया है। उन्होंने कहा कि वह गर्व के साथ फुटबॉल से विदा ले रहे हैं। 38 वर्षीय डिफेंडर के अनुसार, उन्होंने नेशनल टीम की जर्सी पहनते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास किया। इस अनुभवी सेंटर-बैक खिलाड़ी ने 17 साल से ज्यादा समय तक अर्जेंटीना की ओर से खेलने के बाद रिटायरमेंट की घोषणा की है। ओटामेंडी ने अर्जेंटीना के लिए 139 मैच खेले और फीफा वर्ल्ड कप तथा दो कोपा अमेरिका खिताब जीते। उन्होंने अपने विदाई संदेश को अपने करियर का सबसे मुश्किल पल बताया। अर्जेंटीना की 'गोल्डन जेनरेशन' के अहम खिलाड़ी ओटामेंडी ने चार फीफा वर्ल्ड कप में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया और देश के सबसे सफल डिफेंडरों में से एक के तौर पर अपनी पहचान बनाई। ओटामेंडी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'इंस्टाग्राम' पर लिखा, 'आज मुझे अपने पूरे करियर के सबसे मुश्किल शब्द लिखने पड़ रहे हैं। मैंने बहुत कम उम्र से ही अर्जेंटीना की नेशनल टीम की जर्सी पहनने का सपना देखा था; यह फुटबॉल से मिला मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान था। मैंने पूरी शिद्दत, गर्व और इस जिम्मेदारी के एहसास के साथ इसका बचाव किया कि लाखों अर्जेंटीना वासियों के लिए इसका क्या मतलब है। ओटामेंडी ने अर्जेंटीना के लिए अपना आखिरी मैच फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल मैच के रूप में खेला। इस मुकाबले में अर्जेंटीना को स्पेन के हाथों 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। निराशाजनक नतीजे के बावजूद, ओटामेंडी ने कहा कि उन्हें टीम की कोशिश पर गर्व है। 'किस्मत को यही मंजूर था कि मेरा आखिरी मैच वर्ल्ड कप फाइनल हो। नतीजा वैसा नहीं रहा जैसा हम चाहते थे, लेकिन मैं गर्व के साथ विदा ले रहा हूं क्योंकि मुझे पता है कि इस ग्रुप ने आखिरी सेकंड तक कोशिश की। उन्होंने आगे लिखा, 'मैं इस सुकून के साथ विदा ले रहा हूं कि मैंने मैदान पर अपना सब कुछ झोंक दिया। मैंने कोशिश में कोई कसर नहीं छोड़ी, कभी भरोसा नहीं खोया और हमेशा यही महसूस किया कि यह जर्सी मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान थी। '

वेस्टइंडीज की टीम में इस 'मिस्ट्री स्पिनर' की एंट्री

पाकिस्तानी बैटर्स की उड़ेगी नींद!

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली दो मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी. यह सीरीज 25 जुलाई से 6 अगस्त तक खेली जाएगी और आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप 2025-27 का हिस्सा होगी. ऐसे में दोनों टीमों के लिए ये सीरीज काफी अहम है. श्रीलंका के खिलाफ हाल ही में 1-0 से टेस्ट सीरीज जीतने वाली टीम के अधिकांश खिलाड़ियों को बरकरार रखा गया है. अनुभवी ऑलराउंडर रोस्टन चेज विंडीज की टीम की कमान संभालते रहेंगे. उधर बाएं हाथ के स्पिनर जोशुआ बिशप को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया है. 26 साल के बिशप का घरेलू रिकॉर्ड काफी शानदार रहा है. उन्होंने सिर्फ 25 फर्स्ट क्लास मैचों में 23.90 की औसत से 116 विकेट झटके हैं. वहीं उन्होंने फर्स्ट क्लास मैचों में 30.76 के एवरेज से 1046 रन बनाए हैं. बिशप ने 54 लिस्ट-ए मैचों में 79 और 16 टी20 मुकाबलों में 12 विकेट भी चटकाए हैं.

मैकेंजी की टीम में वापसी: 25 वर्षीय ओपनिंग बल्लेबाज किर्क मैकेंजी की टेस्ट टीम में वापसी हुई है. उन्होंने आखिरी टेस्ट 2024 में इंग्लैंड दौरे पर खेला था .मैकेंजी ने वेस्टइंडीज चैंपियनशिप के हालिया सीजन में शानदार प्रदर्शन किया था. उन्होंने छह पारियों में 323 रन बनाए और उनका औसत 64.60 रहा. शानदार प्रदर्शन के दम पर उन्होंने टीम में वापसी की है.

भारत-अफगानिस्तान टी20 सीरीज का दिल्ली में आयोजन!

- तारीखों में हो सकता है बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि सितंबर में वह नई दिल्ली में भारत के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज की मेजबानी के लिए तैयार है। हालांकि, बांग्लादेश और भारत के बीच सीरीज पर अभी असमंजस जारी है।

फिलहाल अफगानिस्तान की मेजबानी में दिल्ली में होने वाली सीरीज की तारीखें 13, 15 और 17 सितंबर बताई गई हैं। मगर भारत और बांग्लादेश सीरीज के चलते इसकी तारीखें बदल सकती हैं, मगर सीरीज होना पक्का है। आपको बता दें कि रिपोर्ट के मुताबिक भारत और बांग्लादेश के बीच छह मैचों की व्हाइट बॉल सीरीज (तीन टी20 और तीन वनडे) की उम्मीदें अभी बरकरार हैं। शुक्रवार को यह खबर सामने आई है कि भारतीय सरकार ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान को 18वें BRICS सम्मेलन (जो सितंबर में होना है) के लिए आमंत्रित किया है।

इसके बाद उम्मीदें हैं कि दोनों क्रिकेट बोर्ड और सरकारों के बीच संबंध फिर पुराने जैसे हो जाएंगे। जानकारी के मुताबिक बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को उम्मीद है कि वह भारत के खिलाफ 1 से 13 सितंबर तक सीरीज की मेजबानी कर सकती है। इसी कारण भारत और अफगानिस्तान सीरीज की तारीखें थोड़ी बदल सकती हैं। क्रिकबज ने पहले इस बात की जानकारी दी थी कि बांग्लादेश बोर्ड के द्वारा मीडिया राइट्स के लिए अभी EoI दस्तावेज नहीं जारी किए गए हैं। पहले सितंबर में होने वाले एशियाई खेलों के कारण भारत के बांग्लादेश को आगे बढ़ाए जाने की जानकारी सामने आई थी।

सीडब्ल्यूजी 2026:

जादुमनी का दमदार आगाज

5-0 से जीत दर्ज कर बनाई राउंड ऑफ 16 में जगह

ग्लास्गो, एजेंसी। भारत के बॉक्सर जादुमनी सिंह मंडेन्गबाम ने कॉमनवेल्थ गेम्स (सीडब्ल्यूजी) 2026 का आगाज दमदार प्रदर्शन के साथ किया है। जादुमनी ने पुरुषों के 55 किलोग्राम वर्ग के राउंड ऑफ 32 मुकाबले में स्कॉटलैंड के एरन कलन को 5-0 से हराकर अगले दौर में जगह बना ली है। ग्लासगो के एसईसी हॉल में खेले गए इस मुकाबले में जादुमनी शुरू से आखिर तक विपक्षी बॉक्सर पर पूरी तरह हावी रहे। उन्होंने तेज पंच, सटीक निशाने और मजबूत डिफेंस के दम पर अपने प्रतिद्वंद्वी को पूरे मैच में वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। सभी पांच जजों ने हर राउंड में जादुमनी को विजेता माना और उन्हें 30-27 का एक जैसा स्कोर दिया।

घरेलू दर्शकों के समर्थन के बावजूद स्कॉटलैंड के एरन कलन भारतीय खिलाड़ी की गति और रणनीति के आगे बेबस नजर आए।

भारतीय बॉक्सर के एक के बाद एक पंचों का एरन कलन के पास कोई जवाब नहीं था। इस जीत के साथ जादुमनी राउंड ऑफ 16 में पहुंच गए हैं। अब 26 जुलाई को उनका मुकाबला पाकिस्तान के रहमान से होगा। जादुमनी अगर पाकिस्तानी बॉक्सर के खिलाफ जीत दर्ज करने में सफल रहते हैं, तो वह क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल कर लेंगे। जादुमनी को भारत की ओर से पदक का बड़ा उम्मीदवार माना जा रहा है।

जादुमनी की इस जीत से भारतीय बॉक्सिंग टीम ने प्रतियोगिता में मजबूत शुरुआत की है। भारतीय दल इस बार ज्यादा से ज्यादा पदक जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरा है। हालांकि, ग्लासगो में हो रहे कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में इस बार बैडमिंटन, रेसलिंग, हॉकी, क्रिकेट और शूटिंग को शामिल नहीं किया गया है। इन खेलों में पिछले बार भारत ने कई पदक अपने नाम किए थे। इससे पहले, ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन ने बिना रिंग में उतरे ही बॉक्सिंग में भारत के लिए पहला पदक पक्का कर लिया था, क्योंकि उन्हें पहले राउंड में 'बाय' मिला और वह सीधे सेमीफाइनल में पहुंच गईं। नियमों के अनुसार, कॉमनवेल्थ गेम्स के सेमीफाइनल में हार के बावजूद खिलाड़ी को कांस्य पदक दिया जाता है। लवलीना 31 जुलाई को पहली बार रिंग में नजर आएंगी और उनका मुकाबला टाफाकी से होगा। लवलीना अगर टाफाकी के खिलाफ जीत दर्ज करने में कामयाब रहती हैं, तो उनका कम से कम रजत पदक पक्का हो जाएगा।

FIH Youth Hockeyzs:

भारतीय टीम का गदर, पाकिस्तान को 7-3 से धोया

नई दिल्ली, एजेंसी। ओमान के मस्कट में खेली जा रही FIH यूथ हॉकी5एस एशियाई चैंपियनशिप 2026 में भारतीय सब-जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने 24 जुलाई को अपना दबदबा कायम रखा. भारत ने एक ही दिन में दो बड़ी जीत दर्ज कीं, जहां उसने चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 7-3 से हराने से पहले मेजबान ओमान को 10-1 से करारी शिकस्त दी.

दिन के सबसे हाई-वोल्टेज मुकाबले में कप्तान केतन कुशवाहा की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया. हाफ-

टाइम तक रोमित पाल, करन गौतम और कप्तान केतन के गोलों की बदौलत भारत 3-0 से आगे रहा. फिर दूसरे हाफ में प्रहलाद राजभर, शाहरुख अली, राहुल यादव और केतन के गोलों ने भारत की 7-3 से जीत पक्की कर दी.

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-7-8-9

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-2-7-9

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा
कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। शुभांक-3-7-9

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-8-9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। सिर्फ आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा। शुभांक-3-6-8

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-5-9

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-7-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। शुभांक-2-7-8

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-3-6-9

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। मीठे बोलने वालों से संभल कर रहें। शुभांक-4-6-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभ कार्यों में व्यय होगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिलेगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-1-3-7

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम होगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-5-9

काकुरो पहेली - 3959

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1 2 3 5

1 2 4

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3958 का हल

लॉफिंग ज़ोन

प्रेमिका : मेरे होंठ गुलाब की पंखुड़ी जैसे हैं ना।
प्रेमी : हाँ।
प्रेमिका : मेरी आँखें कमल के फूल जैसी हैं ना?
प्रेमी : हाँ।
प्रेमिका : मेरी आवाज कोयल जैसी है ना?
प्रेमी : हाँ।
प्रेमिका : मेरी चाल मोरनी जैसी है ना?
प्रेमी : हाँ।
प्रेमिका : ओह! तुम कितनी अच्छी बातें करते हो।

□ □ □

एक दिलफेंक आशिक ने एक युवती को पकड़ा और सरेआम किस कर दिया।
युवती बोली– तुमने ये क्या किया?
युवक– तो ऐसे हैं डायरेक्ट मार्केटिंग।
युवती ने युवक का कॉलर जोर से पकड़ा और खींचकर एक जोर का चाँटा रसीद कर दिया।
युवक– अब ये क्या था?
युवती– इसे कहते हैं कस्टमर फीडबैक।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 3959

बायें से दायें:-

१. 'चाँद तारे तोड़ लाऊं' गीत वाली शाहरूख, जूही की फिल्म-२,२
३. सैफ, काजोल की 'नीला दुपट्टा पीला सूट' गीत वाली फिल्म-३
५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. संजयदत्त, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चमन में रहके वीराना' गीत वाली दिलीप, निम्मी की फिल्म-३
९. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
११. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१३. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
१४. फिल्म 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी?-३
१६. ऋषि, जेबा, अश्विनीभावे की 'आजा वे माही' गीत वाली फिल्म-२
१८. फिल्म 'धरती' में राजेंद्र कुमार के साथ नायिका कौन थी?-३
२०. जॉन, बिपाशा की एक फिल्म-२
२१. 'इस टूटे दिल की' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२३. राजेश, टीना, पद्मिनी की 'जिंदगी प्यार का' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मेघा रे मेघा' गीत वाली अनिल, श्रीदेवी की फिल्म-२
२६. विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की एक फिल्म-२
२७. 'जवानी दीवानी' में नायिका कौन थी-२
२८. फिल्म 'फूल और पत्थर' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था-२
३१. संजय दत्त, मनीषा की 'हो रब्बा तू ही बचा' गीत वाली फिल्म-४
३२. फिल्म 'स्टम्प्ड' में अली खान के साथ नायिका कौन है-३

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, मीना की 'दिल से तुझ को बेदिली है' गीत वाली फिल्म-३
२. १९७१ के भारत-पाक युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी जे.पी. दत्ता की फिल्म-३
३. 'आ पपियाँ झपियाँ पा लें' गीत वाली फिल्म-४
४. 'जीवन से भरी तेरी आँखों' गीत वाली फिल्म-३
८. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला' गीत वाली फिल्म-३
१०. फिल्म 'खुशी' में फरदीन खान की नायिका कौन है?-३
१२. 'गुस्सा इतना हसीन है तो प्यार कैसा होगा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली फिल्म-३
१५. रेवती की पहली हिंदी फिल्म-२
१६. 'साथिया बिन तेरे' गीत वाली सनी, तब्बू, शिल्पा की फिल्म-३
१७. विश्वजीत, बबीता की 'लाखों हैं यहाँ दिलवाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'लंबी जुदाई' गीत वाली फिल्म-२
२२. राजेंद्र, धर्मेन्द्र, माला की 'आज गालो मुस्कुरालो' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजेश खन्ना, श्रीदेवी की 'कह दे जमाने से' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'दिलजले' में अजय का नाम?-२
२९. प्रशांत और ऐश्वर्या की 'फूलों से जो खुशबु' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'मिलती है झुकती है' गीत वाली आफताब, युक्ता की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3958

खु	दा	र		रो	मां	स		आ	शा
शी		त	ला	श		प	ड़ो	स	न
	ध	न	वा	न		ने		रा	
ध	र्मा		रि		जू		झु		सु
	त्मा		स	हे	ली		म	सी	हा
फा		श		मा		गु	रू		ग
गु	म	रा	ह		मे	ला		डॉ	
न		बी		आ		म	हा	न	ता
	काँ		आ	शि	की		द		ल
वां	टे	ड		क		इं	सा	फ	

सूडोकु -3959

2		8	5	1	9	6		7
					8			1
		7	4	6		8		9
3	2				7			8
1		9		4		7		5
4			2				9	3
6		3		5	1	9		
8			3					
7		1	9	2	6	3		4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3958 का हल

7	1	9	8	5	3	2	6	4
4	5	3	6	2	9	7	1	8
6	2	8	4	7	1	9	5	3
9	8	2	7	3	5	1	4	6
1	3	6	9	4	8	5	7	2
5	7	4	1	6	2	8	3	9
8	4	7	5	9	6	3	2	1
3	6	1	2	8	7	4	9	5
2	9	5	3	1	4	6	8	7

शब्द पहेली -3959

बाएँ से दाएँ

1.अपनापन का विलोम-5
4.हठ करना,रोना,लालसा करना-4
7.गीत (अंग्रेजी-2)
8.गलीचा,कारपेट-3
9.किनारा,छोर-2
10.झगड़ा,कहासुनी-4
11.समय,वक्त-2
13.बेबस-3
14.राष्ट्र,स्वदेश-2
15.पुत्र,लड़का-3
17.प्राप्त करना-2
19.सेंधमार-5
22.चरित्र,व्यवहार-2,3
25.जीव,दूत,जासूस-2
26.आत्मबलि देना-3
28.ताकत,जोश,बल-2
29.कराह,टीस,लालसा-3
30.वहम,संदेह-2
32.आह भरना-4
34.दूर्वा,घास-2
36.चोंगा,गाऊन-3
37.सफर,जात्रा-2
38.दयालु,कृपालु-4
39.निर्माण करने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.पांव, पैर-2
2.भिखारी,मंगता-3
3.अस्वीकृत करना-3,2
4.माला का मोती-3
5.बुरी आदत-2
6.नाटक से परिपूण-4
7.हल्का काला,श्याम-5
10.व्यवस्थित-4
12.बुरी आदत-2
16.अनुकृति-3
17.तांबूल,पत्ता-2
18.रुखसार,कपोल-2
20.डोली अथवा पालकी उठाने वाले -3
21.जोड़,योग-2
22.चतुर्थ-2
23.आनंद ध्वनि करना-4
24.महात्मा गांधी की दांडी यात्रा-5
25.चमकीला-5
26.नीच,नराधम -4
27.विनाश, नेस्तनाबूत-2
31.रंग (अंग्रेजी-3)
33.पराजित करना-3
35.गौरेया, एक चिड़िया-2
37.दोस्त,मित्र, सखा-2

शब्द पहेली -3958 का हल

	व	र	दा	न		अ	प	मा	न	
स			य		म		ह			ह
र		श	रा	र	त	क	र	ना		व
क	ल	ह			वा			का	न	न
ना		र		अ	ला	व		रा	ख	
	दा		का	म		च	प्पू		रा	
	व	जु		न	म	न		पा		मु
क	त	रा			हा			ल	ल	क
ल		ब	लि	दा	न	क	र	ना		र
म			ख		ता		ई			ना
	ना	ना	ना	नी		फि	स	ल	ना	

कॉर्न बिरयानी

सामग्री

- कॉर्न: डेढ़ कप
- बासमती चावल: 3 कप
- बड़े प्याज: लंबाई में कटे 2
- 3 बारीक कटे टमाटर
- अदरक-लहसुन का पेस्ट: 2 टीस्पून
- 6 बारीक कटी हरी मिर्च
- तेल: 4 टेबलस्पून
- घी: 4 टेबलस्पून
- दही: 200 ग्राम
- पानी: 750 मिली ग्राम
- नमक: स्वादानुसार
- मिर्च पाउडर: 2 टीस्पून
- हल्दी पाउडर: 1/4 टीस्पून
- बारीक कटा हरा धनिया: 1/4 कप
- मिंट की पत्तियां: 1/4 कप
- दालचीनी: 2 टुकड़े
- 5 लौंग
- 3 इलायची

विधि

आधे घंटे के लिए चावल को पानी में भिगोकर रख दें। पानी निकालने के बाद चावल को अलग रख दें। भारी तले वाले बर्तन में तेल और घी को एक साथ गरम करें। उसमें दालचीनी, इलायची और लौंग को फ्राई करें। उसमें प्याज को भूरा होने तक भूनें। उसके बाद उसमें टमाटर और अदरक-लहसुन का पेस्ट मिलाएं। अब उसमें हरी मिर्च, धनिया और मिंट की पत्तियां डालें। मक्के के दानों के साथ उसमें हल्दी, मिर्च, दही और नमक मिलाकर गाढ़ी ग्रेवी तैयार कर लें। इस ग्रेवी में पानी और चावल मिलाकर प्रेशर कुकर में पका लें। धनिया की पत्तियों से गार्निश कर सर्व करें।

मकई का चीला

सामग्री

- स्वीट कॉर्न: 1 कप
- 1 प्याज
- रिफाइन्ड ऑयल: 1 चम्मच
- नमक: स्वाद के अनुसार
- 1 कटी हुई मिर्च
- बेसन: 2 चम्मच
- अदरक: आधा चम्मच

विधि

इस स्वादिष्ट ब्रेकफास्ट को बनाने के लिए सबसे पहले ग्राइंडर में स्वीट कॉर्न को पीसकर पेस्ट बना लें। आपको एक गाढ़ा मिक्चर बनाना है। इसके बाद इस मिक्चर को एक बर्तन में निकाल लें। उस बर्तन में मकई, बेसन, कटी हुई मिर्च, कटा हुआ प्याज, नमक और घिसी हुई अदरक मिला लें। इसमें थोड़ा-थोड़ा पानी मिलाते हुए सबको अच्छे से मिला लें। एक पैन को गैस पर रखकर गर्म करें और उसमें 3-4 बूंद तेल डालें। इस पर बैटर को डालकर गोल शेप (डोसा की तरह) बना लें। इसे दोनों तरफ अच्छे से सेंकें। आप इसे चटनी के साथ ट्राई कर सकते हैं। इसके साथ ही आप इसे चेरी या पुदीने से सजा सकते हैं।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

फिल्म 'रामायण' का हिस्सा बनकर बेहद खुश हैं रकुल प्रीत सिंह

रणबीर कपूर और साई पल्लवी अभिनीत फिल्म 'रामायण' का हिस्सा बनकर रकुल प्रीत सिंह बेहद खुश हैं। बीते दिन शनिवार को इस फिल्म का भव्य ट्रेलर लॉन्च इवेंट आयोजित किया गया। इस मौके पर रकुल प्रीत सिंह भी शामिल हुईं। फिल्म में काम करने को लेकर अभिनेत्री बेहद खुश हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर खुशी जताई है। रकुल प्रीत सिंह ने इस प्रोजेक्ट को सिनेमा से भी आगे की एक यात्रा बताया है। रकुल ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने 'रामायण' के भव्य ट्रेलर लॉन्च इवेंट की झलकियां शेयर कीं। साथ ही इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने के बारे में बात की। इवेंट में रकुल प्रीत येलो कलर की ड्रेस में नजर आईं।

उन्होंने लिखा है, 'एक ऐसी चीज का हिस्सा बनना सम्मान की बात है, जो जिंदगी और सिनेमा से भी कहीं बड़ी है। हमारा इतिहास, हमारी विरासत, हमारी रामायण। हम दुनिया के सामने भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह एहसास सचमुच शब्दों से परे है। आप सभी के हमारे साथ इस दुनिया में कदम रखने का बेसब्री से इंतजार है'।

बता दें कि रकुल प्रीत सिंह को नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में शूर्पणखा की भूमिका में देखा जाएगा। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका में होंगे। वहीं, साई पल्लवी माता सीता का रोल कर रही हैं। एक्टर यश रावण की अहम भूमिका में दिखाई देंगे। फिल्म दो हिस्सों में रिलीज होगी।

खुद को बार-बार बदलना ही सबसे बड़ी चुनौती

सिंगर-गीतकार के रूप में की नई शुरुआत

हॉरर फिल्म 'हॉन्टेड 3डी' से पहचान बनाने वाली अभिनेत्री टिया बाजपेयी इन दिनों अपने नए म्यूजिक सिंगल 'नंबर 1' को लेकर चर्चा में हैं। इस गाने में उन्होंने सिर्फ अभिनय नहीं किया, बल्कि इसके बोल भी खुद लिखे हैं। टिया का कहना है कि यह प्रोजेक्ट उनके लिए बेहद खास है, क्योंकि इसके जरिए वह एक साथ अभिनेत्री, गायिका और गीतकार के रूप में दर्शकों के सामने आई हैं। टिया बाजपेयी ने अनुभव साझा करते हुए कहा, ''मेरे लिए कलाकार होने का मतलब कभी सिर्फ एक ही क्षेत्र तक सीमित रहना नहीं रहा। अभिनय और संगीत, दोनों ही मेरे दिल के बेहद करीब हैं। 'नंबर 1' के जरिए मुझे पहली बार इन दोनों चीजों को एक साथ जोड़ने का मौका मिला। इस गाने के बोल लिखना और फिर उसी पर लीड एक्ट्रेस के तौर पर परफॉर्म करना बेहद संतोष देने वाला अनुभव रहा।'' उन्होंने कहा, ''किसी भी कलाकार के लिए खुद को नए रूप में पेश करना सबसे बड़ी चुनौती होती है। मैं खुश हूं कि अब दर्शक मुझे एक साथ अभिनेत्री, गायिका और गीतकार के रूप में देख रहे हैं। उम्मीद है कि वे मेरे नए रूप को भी उतना ही पसंद करेंगे, जितना अब तक मेरे काम को करते आए हैं।'' टिया ने गाने की शूटिंग से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा भी साझा किया। उन्होंने बताया, ''रेगिस्तान में शूटिंग के दौरान मेरी फरारी रेत में फंस गई थी। प्रोडक्शन टीम मेरी ही फरारी का इस्तेमाल शूटिंग के लिए कर रही थी, इसलिए उसे बाहर निकालना जरूरी था। करीब नौ लोगों ने मिलकर कार को धक्का लगाया, तब जाकर वह रेत से बाहर निकली। शायद पहली बार किसी फरारी का इस्तेमाल प्रोडक्शन कार और मेरी निजी वॉर्डरोब कार के रूप में किया गया।'' 'नंबर 1' टिया बाजपेयी का पहला ऐसा म्यूजिक वीडियो है, जिसमें वह लीड रोल में नजर आ रही हैं। यह प्रोजेक्ट उनके अभिनय, गायकी और गीत लेखन के सफर में नया कदम माना जा रहा है।

जाने-पहचाने किरदारों से आगे बढ़ना चाहती हैं कृति सेनन, हॉलीवुड फिल्म 'ऑब्सेशन' ने बदली सोच

कृति सेनन का कहना है कि अब वे लीक से हटकर किरदारों के जरिए खुद को चुनौती देने के लिए उत्साहित हैं। अभिनेत्री ने माना कि वे जाने-पहचाने किरदारों से आगे बढ़ना चाहती हैं और उन्हें खास तौर पर साइकोलॉजिकली इंटेंस किरदार पसंद हैं। उन्होंने कहा कि वे पर्दे पर 'साइको चिक' का रोल निभाना पसंद करेंगी।

'ऑब्सेशन' ने सोचने पर मजबूर किया

कृति सेनन ने हाल ही में 'ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे' के साथ बातचीत में उस तरह के किरदारों के बारे में बात की, जिन्हें वे भविष्य में आजमाना चाहती हैं। उन्होंने बताया कि साइकोलॉजिकल ड्रामा 'ऑब्सेशन' देखने के बाद उन्हें स्क्रिप्ट चुनने के अपने तरीके पर फिर से सोचने की प्रेरणा मिली। फिल्म के असर के बारे में बात करते हुए कृति ने कहा, 'जब मैंने 'ऑब्सेशन' देखी, तो मुझे लगा, 'अरे बाप रे, हमें सेफ खेलने की आदत छोड़नी होगी। हमें कुछ हटकर करना होगा'। इसने मुझे सच में बहुत उत्साहित किया।

कृति सेनन एक 'साइको' लड़की का किरदार निभाना चाहती हैं। एक्ट्रेस ने जेंडाया जैसे स्टार्स को भी इसका क्रेडिट दिया, जिन्होंने अपनी शानदार परफॉर्मेंस मुश्किल किरदारों को निभा पाने की हिम्मत से प्रेरित किया है। कृति ने रियल पर्सनैलिटी से बिल्कुल हटकर किरदार निभाने की ख्वाहिश जताई। उन्होंने कहा, 'मैं एक सनकी किरदार निभाना चाहती हूं'।

सेफ नहीं चलना

कृति सेनन ने कहा, 'मैं किरदारों को लेकर सेफ साइड में नहीं चलना चाहती। एक अभिनेत्री के रूप में, ऐसा जीवन जीना बहुत रोमांचक है, जो आपके जीवन से बिल्कुल अलग है और उस व्यक्ति का पता लगाना जो आप नहीं हैं। मैं पूरी तरह से किसी मानसिक रोगी का किरदार निभाना पसंद करूंगी'। कृति के वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में उन्हें 'कॉकटेल 2' में देखा गया।

सामंथा ने करण जौहर को बताया 'नाखुश शादियों' की वजह

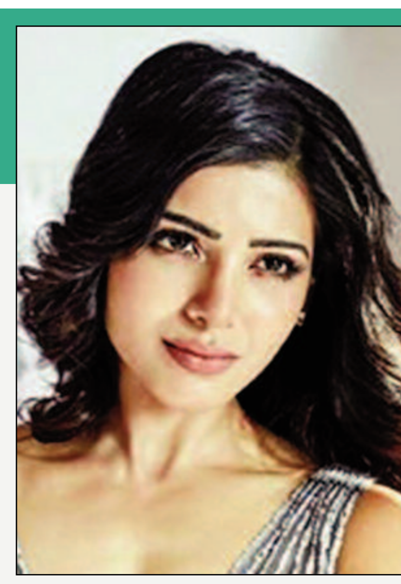

सामंथा रुथ प्रभु जब फिल्ममेकर करण जौहर के मशहूर शो 'कॉफी विद करण' के सीजन 7 में पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने करण को लेकर एक मजेदार लेकिन तीखी बात कही। शो में उनके साथ बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार भी मौजूद थे। सामंथा ने करण जौहर के शो 'कॉफी विद करण' से मजाक में कहा कि देश में होने वाली कई नाखुश शादियों के जिम्मेदार कहीं न कहीं वही हैं। सामंथा ने इसकी वजह बताते हुए कहा कि करण ने अपनी फिल्मों में शादी, महंगे लहंगे और गानों को इतने शानदार तरीके से दिखाया है कि लोगों की उम्मीदें हकीकत से बहुत दूर हो गई हैं। सामंथा ने कहा, 'बचपन से ही आपने लोगों को दिखाया है कि जिंदगी 'कभी खुशी कभी गम' जैसी खूबसूरत होती है, जबकि असल जिंदगी 'केजीएफ' जैसी मुश्किलों से भरी होती है।'

कुछ प्रोजेक्ट के आधार पर पूरी भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री को आंकना गलत

भोजपुरी अभिनेता और नेता दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ ने भोजपुरी सिनेमा को लेकर लंबे समय से हो रही आलोचनाओं पर अपनी बात रखी है। आलोचकों ने भोजपुरी सिनेमा में महिलाओं को वस्तु की तरह दिखाने और अश्लील कंटेंट को बढ़ावा देने जैसे आरोप लगाए हैं। इस पर निरहुआ ने कहा कि कुछ प्रोजेक्ट के आधार पर पूरी फिल्म इंडस्ट्री को आंकना गलत है। निरहुआ ने कहा कि हर क्षेत्रीय और राष्ट्रीय फिल्म इंडस्ट्री अलग-अलग तरह का कंटेंट बनाती है और सिर्फ भोजपुरी सिनेमा को ही अलग करके नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हर इंडस्ट्री में हर तरह की फिल्में और हर तरह का कंटेंट बनता है जैसे बॉलीवुड, साउथ इंडियन सिनेमा, भोजपुरी सिनेमा और मराठी सिनेमा हैं, वैसे ही हर इंडस्ट्री दर्शकों के हर वर्ग की पसंद का ध्यान रखती है।' भोजपुरी फिल्मों में ज्यादातर आपत्तिजनक कंटेंट होने के सवाल पर निरहुआ ने कहा, 'जब हम सिर्फ एक खास तरह के काम को ही दिखाते हैं तो ऐसा लगने लगता है कि वहां बस वैसा ही काम हो रहा है। यह सच नहीं है। अच्छा और बुरा काम हर जगह होता है।' एक्टर ने इस बात पर भी जोर दिया कि कमियां हर इंडस्ट्री में होती हैं और उन्हें पूरी इंडस्ट्री की पहचान नहीं बनाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मैं एक बहुत अच्छी बात कहूंगा, 'लाख बुराइयां सबमें होती हैं। कोई भी इंसान कमियों से परे नहीं होता। ऐसा कोई बाग दिखा दीजिए जहां गुलाब में कांटे न हों। यह हर जगह होता है। बस कुछ चीजें अधिक दिखाई जाती हैं, इसलिए लोगों को लगने लगता है कि वहां बस वही सब है।' भोजपुरी सिनेमा के सबसे बड़े स्टार्स में से एक निरहुआ ने कई सफल फिल्मों में मुख्य भूमिका निभाई है, जिनमें 'निरहुआ रिक्शावाला', 'निरहुआ हिंदुस्तानी', 'पटना से पाकिस्तान', 'बॉर्डर', 'सिपाही', 'जिगरवाला' और 'निरहुआ चलल लंदन' शामिल हैं। खासकर एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे के साथ उनकी जोड़ी दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय रही है। भोजपुरी फिल्मों के अलावा इस एक्टर ने हिंदी एंटरटेनमेंट की दुनिया में भी अपनी पहचान बनाई है। हाल ही में उन्हें ओटीटी सीरीज 'ग्राम चिकित्सालय' सीजन 2 में देखा गया, जिसमें दर्शकों ने उनके काम को काफी पसंद किया। दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों ने ही इस शो की खूब तारीफ की। इस शो में अमोल पाराशर, विनय पाठक और आकांक्षा रंजन भी अहम भूमिकाओं में थे।

डेढ़ साल से ज्यादा समय तक एक नकारात्मक किरदार निभाना करियर के सबसे चुनौतीपूर्ण अनुभवों में से एक

टीवी अभिनेत्री जयति भाटिया लंबे समय से छोटे पर्दे पर दमदार अभिनय के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने अपने करियर में कई अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं, लेकिन नकारात्मक भूमिकाओं में उनकी पहचान सबसे ज्यादा मजबूत रही है। इन दिनों वह टीवी शो 'जाने अनजाने हम मिले' में शारदा उर्फ शालिनी बत्रा का किरदार निभा रही हैं, जिसे दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं।

पर्दे पर खलनायिका का किरदार निभाना जितना आसान दिखाई देता है, असल में उसे घंटों तक जीना किसी कलाकार के लिए बड़ी चुनौती है। जयति भाटिया ने इसी अनुभव को साझा किया। उन्होंने बताया कि डेढ़ साल से ज्यादा समय तक एक नकारात्मक किरदार निभाना उनके करियर के सबसे चुनौतीपूर्ण अनुभवों में से एक रहा है। टीवी शो 'जाने अनजाने हम मिले' में शारदा उर्फ शालिनी बत्रा का किरदार निगेटिव है। अभिनेत्री ने बताया कि कहानी में जैसे-जैसे नए मोड़ आते गए, वैसे-वैसे शारदा का नकारात्मक पक्ष भी मजबूत होता गया। ऐसे में रोजाना 12 से 14 घंटे तक उसी सोच और भावनाओं के साथ काम करना एक बड़ी चुनौती बन गया।

उन्होंने कहा, ''पिछले डेढ़ साल से ज्यादा समय से इस किरदार को निभाना मेरे अभिनय सफर का बेहद खास हिस्सा रहा है। हर नए एपिसोड और हर नए ट्रैक के साथ शारदा का स्वभाव और ज्यादा चालाक, साजिश करने वाला और नकारात्मक होता गया। ऐसे में हर दिन 12 से 14 घंटे तक उसी मानसिक स्थिति में बने रहना आसान नहीं होता। इस किरदार ने मेरे अभिनय के स्तर को काफी मजबूत बनाया है और हर दिन कुछ नया सीखने का मौका दिया है।'' अभिनेत्री ने साफ किया कि वह शूटिंग खत्म होने के बाद खुद को किरदार से पूरी तरह अलग कर लेती हैं। उन्होंने कहा, ''जैसे ही पैकअप होता है, मैं शारदा को सेट पर ही छोड़ देती हूं और फिर दोबारा जयति बन जाती हूं। मेरे लिए यह जरूरी है, ताकि मैं अपनी निजी जिंदगी को इस किरदार से प्रभावित न होने दूं। अगर कलाकार ऐसा न करे तो लगातार नकारात्मक किरदार निभाना मानसिक रूप से काफी थका देने वाला हो सकता है।''

असली जिंदगी में मैं ऐसी नहीं हूं

सेट पर सभी कलाकार अच्छी तरह जानते हैं कि शारदा सिर्फ किरदार है, असली जिंदगी में मैं ऐसी बिल्कुल नहीं हूं। कैमरे के पीछे हम सभी साथ बैठकर हंसते हैं, बातें करते हैं और अच्छा समय बिताते हैं। इस माहौल की वजह से मुझे अपने किरदार के तनाव से बाहर आने में भी काफी मदद मिलती है।'' अभिनेत्री ने दर्शकों की प्रतिक्रिया पर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ''जब दर्शक शारदा पर गुस्सा होते हैं या उसके कामों की आलोचना करते हैं, तो मैं इसे अपनी तारीफ मानती हूं। इसका मतलब है कि उन्होंने मुझे इस किरदार में पूरी तरह स्वीकार कर लिया है। मैं ऐसी प्रतिक्रियाओं को कभी व्यक्तिगत तौर पर नहीं लेती। बल्कि यही बातें मुझे शारदा के किरदार को और ज्यादा सच्चाई और मजबूती के साथ निभाने के लिए प्रेरित करती हैं। मेरे लिए एक मजबूत नकारात्मक किरदार निभाने का यही सबसे बड़ा इनाम है।''

संक्षिप्त समाचार

चेक गणराज्य में सेना का हेलिकॉप्टर क्रैश, 5 सैनिक थे सवार ; एक की मौत की खबर

प्राग, एजेंसी। चेक गणराज्य के पूर्वी हिस्से में गुरुवार को सेना का एक हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हेलिकॉप्टर में 5 सैनिक सवार थे। चेक सेना ने बताया कि हादसा नामेस्ट नाद ओस्लावोउ स्थित सैन्य अड्डे पर हुआ। हादसे के बाद आपातकालीन सेवाओं की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। समाचार एजेंसी सीटीके के मुताबिक, हादसे में एक व्यक्ति की मौत हुई है। सेना ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त हेलिकॉप्टर यूएच-1वाई वेनम था। यह बेल टेक्सट्रॉन द्वारा निर्मित बहुउद्देशीय हेलिकॉप्टर है, जिसमें जनरल इलेक्ट्रिक के दो टी700-जीई-401सी इंजन लगे होते हैं।

फ्रांस में जंगल की आग के कारण 10 हजार से ज्यादा लोग सुरक्षित निकाले गए

पेरिस, एजेंसी। दक्षिण-पश्चिम फ्रांस में तेजी से फैल रही जंगल की आग के कारण रातभर में 10 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। अधिकारियों के मुताबिक, बोर्डो शहर के पश्चिम में लगी आग अब तक करीब 2 हजार हेक्टेयर क्षेत्र को अपनी चपेट में ले चुकी है। आग पर काबू पाने के लिए करीब 500 दमकलकर्मी जुटे हुए हैं। स्थानीय प्रशासन के अनुसार, आग बेहद तेजी से फैल रही है, हालांकि अब तक किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। यह आग आर्काशों खाड़ी के पास लगी है, जो पर्यटकों के बीच लोकप्रिय इलाका है। आग के कारण निकाले गए लोगों में बड़ी संख्या में कैंपिंग साइट्स पर ठहरे पर्यटक शामिल हैं। आंकड़ों के अनुसार, इस साल अब तक यूरोप में जंगल की आग से जलने वाला क्षेत्र पिछले 20 वर्षों के वार्षिक औसत से अधिक हो चुका है। दुनिया के सबसे तेजी से गर्म हो रहे महाद्वीप यूरोप में इस साल अब तक लगातार तीन भीषण हीटवेव भी पड़ चुकी हैं।

फ्रांस में 15 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया बैन : ऐसा करने वाला पहला ईयू देश

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस की संसद ने 15 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर रोक लगाने वाला बिल पास कर दिया है। इसके साथ ही फ्रांस ऐसा कानून बनाने वाला श्व का पहला देश बन गया है। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने बिल का समर्थन किया है और इसे सितंबर से लागू करने की तैयारी है। कानून लागू करने की जिम्मेदारी डिजिटल रेगुलेटर आर्कॉम की होगी। हालांकि, बच्चों की उम्र की जांच कैसे होगी, यह अभी स्पष्ट नहीं है। फ्रांस के बाद ब्रिटेन, स्पेन, ग्रीस और डेनमार्क भी सोशल मीडिया के लिए न्यूनतम उम्र तय करने की तैयारी में हैं। फ्रांस के कई माता-पिता ने फैसले का स्वागत किया है, जबकि कुछ किशोरों को एजुकेशनल कंटेंट और दोस्तों से संपर्क प्रभावित होने की चिंता है। शिक्षा मंत्री और एमनेस्टी इंटरनेशनल ने भी कहा है कि सिर्फ बैन काफी नहीं होगा, बच्चों को डिजिटल दुनिया के सुरक्षित इस्तेमाल के बारे में शिक्षित करना भी जरूरी है।

थाईलैंड में हिंसा : दक्षिणी प्रांत में सुरक्षा चौकी पर हमला, गोलीबारी-पाइप बम विस्फोट में पांच सैनिकों की मौत

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड के दक्षिणी प्रांत नाराथिवाट में सुरक्षा चौकी पर हुए एक बड़े आतंकी हमले में पांच सैनिकों की मौत हो गई। हमलावरों ने पहले सुरक्षा चौकी पर ताबड़तोड़ गोलीबारी की और फिर पाइप बम फेंककर हमला किया। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है और हमलावरों की तलाश की जा रही है। थाईलैंड की रॉयल आर्मी की इंटरनल सिक्योरिटी ऑपरेशंस कमांड के अनुसार, यह हमला 22 जुलाई की शाम नाराथिवाट प्रांत के रा-न्गे जिले के बुकेंड सामी चेकपॉइंट पर हुआ। उस समय 45वीं रेंजर फोर्स रेजिमेंट के जवान सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात थे। इसी दौरान हथियारबंद हमलावरों ने अचानक हमला कर दिया। आईएसओएसी ने सभी शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उन्होंने दक्षिणी सीमा क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की सुरक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया है। हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने हमलावरों की तलाश शुरू कर दी। जांच के दौरान अधिकारियों को सी साखोन जिले में एक वाहन मिला, जिसे हमले में इस्तेमाल किए जाने का संदेह है। अधिकारियों के मुताबिक, हमलावरों ने सबूत मिटाने के लिए उस वाहन को आग के हवाले कर दिया था। फोरेंसिक टीम ने हमले वाली जगह और बरामद वाहन दोनों स्थानों से साक्ष्य जुटाए हैं। इनकी मदद से हमलावरों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने की कोशिश की जा रही है। आईएसओएसी ने कहा कि सेना, पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां मिलकर आरोपियों की तलाश कर रही हैं। साथ ही इलाके में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है ताकि आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया है कि हमलावरों को जल्द गिरफ्तार कर कानून के सामने पेश किया जाएगा।

राष्ट्रपति मुर्मु की रोमानिया यात्रा से बदले समीकरण: AI से ग्रीन एनर्जी तक साथ चलेंगे दोनों देश, सहयोग पर फोकस

बुखारेस्ट, एजेंसी। भारत और रोमानिया ने गुरुवार को आर्थिक सहयोग को अपनी द्विपक्षीय साझेदारी का अहम स्तंभ बताते हुए अगले तीन वर्षों में दोनों देशों के बीच व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य तय किया। साथ ही दोनों देशों ने फार्मास्यूटिकल्स, नवीकरणीय ऊर्जा, कृषि, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी समेत कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। यह घोषणा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की रोमानिया यात्रा के दौरान हुई, जो पिछले तीन दशकों में किसी भारतीय राष्ट्रपति की पहली आधिकारिक यात्रा है।

क्या कहा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, खेल और संस्कृति से जुड़े तीन समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर होने के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि भारत और रोमानिया के बीच सात दशकों से अधिक पुरानी मित्रता आपसी विश्वास, सम्मान और मजबूत जन-से-जन संबंधों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि समय के साथ यह साझेदारी लगातार मजबूत हुई है और अब यह अधिक महत्वाकांक्षी लक्ष्यों, गहरे सहयोग और साझा भविष्य की नई दिशा में आगे बढ़ रही है।

आर्थिक सहयोग को लेकर क्या बनी सहमति : राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि आर्थिक सहयोग दोनों देशों की साझेदारी का महत्वपूर्ण आधार है। दोनों देश व्यापार और निवेश को बढ़ावा देंगे, आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चेन) को मजबूत करेंगे और दोनों देशों के उद्योगों के बीच घनिष्ठ सहयोग को प्रोत्साहित करेंगे। उन्होंने बताया कि अगले तीन वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य तय किया गया है।

किन-किन क्षेत्रों में बढ़ेगा सहयोग : राष्ट्रपति ने बताया कि भारत और रोमानिया ने विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग), दवा उद्योग, स्वास्थ्य, नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, कृषि उत्पादन, उर्वरक, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसे क्षेत्रों में सहयोग का विस्तार करने पर सहमति जताई है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं की पूरक क्षमताओं का लाभ उठाकर इस सहयोग को आगे बढ़ाया जाएगा।

रक्षा क्षेत्र में क्या हुआ फैसला : राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि रक्षा सहयोग भी भारत-रोमानिया संबंधों का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। दोनों देशों ने नियमित आदान-प्रदान, प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण और रक्षा उद्योगों के बीच सहयोग बढ़ाकर इस साझेदारी को और मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की है।

आईटीईसी और एआई प्रशिक्षण को लेकर क्या घोषणा हुई : उन्होंने बताया कि भारत सरकार ने रोमानिया के लिए भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण अवसरों की संख्या दोगुनी करने का निर्णय लिया है। इनमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से जुड़े पाठ्यक्रम भी शामिल होंगे। इसके अलावा भारतीय विदेश सेवा संस्थान ने रोमानियाई राजनयिकों को आगामी पेशेवर प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होने का निमंत्रण दिया है, जिसमें एआई और साइबर कूटनीति पर विशेष प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर किस सहयोग पर बनी सहमति : राष्ट्रपति मुर्मु ने अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) के तहत जारी सहयोग का स्वागत किया। उन्होंने यह भी कहा कि रोमानिया ने आपदा-रोधी अवसंरचना गठबंधन (सीडीआरआई) और ग्लोबल बायोफ्यूल्स एलायंस से जुड़ने की इच्छा जताई है, जिसका भारत ने स्वागत किया है।

2028 को लेकर क्या खास घोषणा हुई : राष्ट्रपति मुर्मु ने बताया कि वर्ष 2028 में भारत और रोमानिया के बीच राजनयिक संबंधों के 80 वर्ष पूरे होंगे। इस अवसर को दोनों देशों ने 'भारत-रोमानिया नवाचार वर्ष' के रूप में मनाने पर सहमति जताई है।

वैश्विक मुद्दों पर क्या चर्चा हुई : दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर भी विचार-विमर्श किया। उन्होंने शांति, संवाद और अंतरराष्ट्रीय कानून के प्रति अपनी साझा प्रतिबद्धता दोहराई ताकि वैश्विक चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सके।

राष्ट्रपति मुर्मु ने रोमानिया को क्या संदेश दिया : राष्ट्रपति मुर्मु ने रोमानिया सरकार और वहां के लोगों द्वारा मिले गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि वह जल्द ही रोमानिया के राष्ट्रपति निकुशोर दान का नई दिल्ली में स्वागत करने की उम्मीद करती हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और रोमानिया के राष्ट्रपति निकुशोर दान के बीच सार्थक और व्यापक बातचीत हुई। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा की और साझा हितों के क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का बुखारेस्ट स्थित कोट्रोचेनी पैलेस में औपचारिक स्वागत किया गया। उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर भी प्रदान किया गया। इसी अवसर पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, खेल तथा बुखारेस्ट विश्वविद्यालय में भारतीय अध्ययन पीठ (चेयर ऑफ इंडियन स्टडीज़) की स्थापना से जुड़े तीन एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

बांग्लादेश खसरा प्रकोप का कहर, दो बच्चों की मौत के बाद मरने वालों का आंकड़ा 805 पहुंचा

ढाका, एजेंसी। स्वास्थ्य कारणों के चलते बांग्लादेश खसरा प्रकोप ने पूरे देश में हाहाकार मचा दिया है। गुरुवार को इस जानलेवा बीमारी के लक्षणों वाले दो और बच्चों की बेहद दर्दनाक मौत हो गई। इन नई मौतों के साथ ही इस भयंकर बीमारी से मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 805 तक पहुंच गई है। पूरे देश में स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा गई है और अस्पतालों में मरीजों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज (डीजीएचएस) के अनुसार पिछले 24 घंटों में ये दोनों नई मौतें दर्ज की गई हैं। समाचार एजेंसी यूएनबी के मुताबिक इन दोनों मौतों को फिलहाल संदिग्ध खसरे से हुई मौत ही माना जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार खसरे से पक्के तौर पर हुई मौतों की संख्या 95 है, जबकि संदिग्ध मौतों का आंकड़ा 710 हो गया है। इस बड़े स्वास्थ्य संकट को देखकर अधिकारियों और सरकार की चिंता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है।

संक्रमण के नए डराने वाले आंकड़े : डीजीएचएस ने बताया है कि पिछले 24 घंटों में खसरे के 848 नए संदिग्ध मामले सामने आए हैं। 15 मार्च से अब तक दर्ज किए गए संदिग्ध मामलों की कुल संख्या बढ़कर 1,21,200 हो गई है। इसी दौरान खसरे के 166 नए पुष्टि किए गए मामले भी सामने आए, जिससे कुल पुष्टि मामले 15,007 हो गए। खसरे से हर दिन औसतन लगभग चार बच्चों की मौत हो रही है और 800 लोगों को अस्पताल में भर्ती करना पड़ रहा है।

जुलाई के पहले तीन हफ्तों में भी इस जानलेवा बीमारी से हालात बहुत ही ज्यादा गंभीर बने हुए थे। डीजीएचएस के आंकड़ों के अनुसार इस दौरान हर दिन औसतन 1,005 संदिग्ध और पुष्टि किए गए मामले सामने आए। औसतन 821 लोगों को अस्पताल में भर्ती करना पड़ा और लगभग चार लोगों की हर दिन दुखद मौत हुई। सरकार का कहना है कि उसने अपना आपातकालीन खसरा टीकाकरण अभियान का बड़ा लक्ष्य पूरा कर लिया है। नेशनल वेरिफिकेशन कमेटी के अध्यक्ष महमूदुर रहमान ने कहा है कि हालात में कुछ सुधार जरूर हुआ है।

अपना ही एक नियम तोड़ रहे नेपाल के पीएम

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह खुद का बनाया अपना एक नियम तोड़ रहे हैं। ऐसा भारत और चीन से नेपाल के रिश्तों में संतुलन लाने के लिए किया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक बालेन शाह ने काठमांडू में तैनात अन्य देशों के राजदूतों से अकेले मीटिंग न करने का निर्णय लिया था। लेकिन अब ऐसी सूचना आई है कि पीएम शाह इस हफ्ते भारतीय और चीनी राजदूतों से अलग-अलग मिलने की योजना बना रहे हैं। नेपाल इस बात पर जोर देना चाहता है कि उसके लिए भारत और चीन का महत्व समान है। काठमांडू पोस्ट ने सूत्रों के हवाले से बताया कि बालेन शाह जल्द ही भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव और चीनी राजदूत झांग माओमिंग से मिलने वाले हैं।

मीटिंग की डेट तय नहीं : हालांकि अभी इस मीटिंग की एग्जैक्ट तारीख सामने नहीं आई है। एनडीटीवी के मुताबिक नेपाल सरकार के एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि मीटिंग की डेट बहुत जल्द ही सामने आएगी। यह फैसला बालेन शाह सरकार ने अपने पहले 100 दिन पूरी कर लिए थे। बता दें कि बालेन शाह नेपाल में जेन जी के विद्रोह के बाद सत्ता में आए थे। इसके नेपाल के प्रधानमंत्री ने लंबे समय से चली आ रही कूटनीतिक प्रथाओं को छोड़ दिया और विदेशी दूतों से व्यक्तिगत रूप से मिलने से इनकार कर दिया। इसके बजाय, उन्होंने दो बार काठमांडू में तैनात राजदूतों के साथ संयुक्त कूटनीतिक बैठकें की हैं। कूटनीतिक परंपरा यह रही है कि हर नया निर्वाचित प्रधानमंत्री कार्यकाल संभालने के कुछ दिनों के भीतर प्रधानमंत्री कार्यालय या उनके आधिकारिक निवास पर विदेशी राजदूतों से व्यक्तिगत रूप से मिलते हैं। लेकिन बालेन के मामले में अभी तक एक बार अपवाद हुआ है। उन्होंने जुलाई की शुरुआत में नेपाल के अपने तीन दिवसीय दौरे के दौरान एशियाई विकास बैंक के अध्यक्ष मसातो कंदा से मुलाकात की। काठमांडू मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शाह ने हाल ही में व्यापार समुदाय, जिसमें व्यापारी, ठेकेदार, उद्योगपति और निर्यातक समूह के साथ नियमित रूप से जुड़ना भी शुरू कर दिया है। प्रधानमंत्री के एक सहयोगी ने काठमांडू पोस्ट को बताया कि प्रधानमंत्री ने पिछले दो सप्ताह में विभिन्न हितधारकों से मिलना शुरू कर दिया है। अब हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि उन्हें विदेशी राजदूतों और राजनयिकों के साथ भी बातचीत करनी चाहिए।

पाकिस्तान ने सीजेपी प्रदर्शन को बताया भारत का आंतरिक मामला, टिप्पणी करने से किया इनकार

इस्लामाबाद, एजेंसी। दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन को लेकर अब पाकिस्तान का आधिकारिक बयान आ गया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने इस पूरे विवाद को भारत का आंतरिक मामला बताते हुए टिप्पणी से इनकार कर दिया है। साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में पाक प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने कहा कि वे ऐसे मामलों पर कोई भी बयान नहीं देते हैं। यह प्रदर्शन नीट परीक्षा में हुई कथित धांधली को लेकर चल रहा है जिसमें हजारों छात्र अपना विरोध दर्ज करा रहे हैं। यह विशाल आंदोलन अब अपने पांचवें सप्ताह में प्रवेश कर चुका है और छात्रों का गुस्सा लगातार बढ़ता ही जा रहा है। प्रदर्शनकारी मुख्य रूप से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और शिक्षा प्रणाली में बड़े सुधार की मांग कर रहे हैं। बीस जुलाई को संसद मार्च के दौरान छात्रों और पुलिस के बीच हुई हिंसक झड़प के बाद यह आंदोलन और उग्र हो गया है। इस बीच सोनम वांगचुक ने भी छात्रों के समर्थन में चल रहा अपना पच्चीस दिनों का लंबा अनशन अब पूरी तरह से खत्म कर दिया है।

पीएम मोदी ने दिया सख्त निर्देश : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नीट पेपर लीक मामले को बहुत गंभीरता से लेते हुए कुछ अहम और बड़े फैसले लिए हैं। उन्होंने सार्वजनिक परीक्षाओं में पेपर लीक के मामलों में त्वरित कार्रवाई के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने का ऐलान किया है। पीएम ने कहा कि छात्रों के सुरक्षित भविष्य की रक्षा करना सरकार की सबसे बड़ी और अहम प्राथमिकता है। सरकार दोषियों को जल्द से जल्द कड़ी सजा दिलाने के लिए सभी जरूरी और सख्त कदम उठा रही है। सरकार का बातचीत का प्रस्ताव केंद्र सरकार ने प्रदर्शनकारी छात्रों के साथ बातचीत करने का अपना प्रस्ताव एक बार फिर से दोहराया है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बताया कि सरकार अब तक चार बार सीजेपी से बातचीत का प्रस्ताव दे चुकी है। सरकार स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा के साथ छात्रों की वार्ता कराने के लिए पूरी तरह से तैयार है। हालांकि, छात्रों ने नड्डा के आवास पर बैठक से इनकार करते हुए किसी तटस्थ स्थान पर बातचीत की मांग रखी है।

पुलिस और छात्रों के बीच झड़प : बीस जुलाई को आयोजित संसद चलो मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों और दिल्ली पुलिस के बीच भारी हिंसक झड़प हुई थी। छात्रों का सीधा आरोप है कि पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज और आंसू गैस का इस्तेमाल किया। वहीं दिल्ली पुलिस का कहना है कि छात्रों ने सुरक्षा बैरिकेड तोड़ने की बहुत कोशिश की थी। इसके बाद ही हालात को पूरी तरह से नियंत्रित करने के लिए पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा था।

पाकिस्तान की कूटनीतिक चुप्पी : इस पूरे मामले पर पाकिस्तान की प्रतिक्रिया से कई तरह के कूटनीतिक संकेत भी बहुत साफ मिल रहे हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने बहुत ही सधे हुए अंदाज में इसे भारत का मामला बताकर खुद को किनारे कर लिया है। प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने मानवाधिकारों के सवाल पर भी बहुत ही स्पष्ट और सीधा जवाब देने से खुद को बचाया। इससे यह साफ होता है कि पाकिस्तान फिलहाल भारत के इस आंतरिक और संवेदनशील मुद्दे पर कोई भी दखल नहीं चाहता। सरकार के लाख मनाने के बावजूद भी प्रदर्शनकारी छात्र फिलहाल अपनी मांगों से पीछे हटने को बिल्कुल तैयार नहीं हैं। छात्रों का स्पष्ट कहना है कि जब तक उनकी सभी मांगें पूरी नहीं होतीं, यह विशाल आंदोलन शांतिपूर्ण तरीके से जारी रहेगा।

लगातार 13वीं रात अमेरिका ने ईरान के सैन्य ठिकानों पर किए हमले, होर्मुज विवाद से तेल की कीमतों में भारी उछाल

वाशिंगटन, एजेंसी। खाड़ी क्षेत्र में युद्ध का खतरा बहुत ज्यादा बढ़ गया है। अमेरिकी सेना ने गुरुवार को ईरान पर लगातार 13वीं रात जोरदार और भारी हवाई हमले किए हैं। ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक बंदर अब्बास के पश्चिमी इलाके में कई विस्फोटों की तेज आवाजें सुनी गई हैं। दोनों देशों के बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर नियंत्रण को लेकर यह गंभीर सैन्य टकराव अब अपने चरम पर पहुंच चुका है।

इस बीच यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने भी लाल सागर में सऊदी अरब के दो तेल टैंकरों पर हमला किया है। इन लगातार हो रहे बड़े हमलों के कारण दुनिया भर में ऊर्जा आपूर्ति को लेकर बहुत गहरी चिंता बढ़ गई है। ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत 6 प्रतिशत से ज्यादा उछलकर करीब 100 डॉलर प्रति बैरल के पास पहुंच गई है। यह मई के बाद से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत का सबसे ऊंचा और खतरनाक स्तर माना जा रहा है।

अमेरिकी सेना का बड़ा बयान : अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने इन नए हमलों की आधिकारिक पुष्टि करते हुए अपनी अहम जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि शाम 6:45 बजे ईरानी सैन्य ठिकानों के खिलाफ यह बड़ा अभियान शुरू किया गया था। यह लगातार 13वीं रात है जब अमेरिका ने ईरान को जवाबदेह ठहराने के लिए इतने बड़े हमले किए हैं। इसका मुख्य मकसद कमर्शियल जहाजों को इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स से मिलने वाले खतरे को कम करना है।

स्ट्रेट ऑफ़ होर्मुज विवाद : अमेरिका के इन ताजा और बड़े हमलों का सीधा मकसद क्षेत्रीय जल से गुजरने वाले आम नाविकों की सुरक्षा करना है। वाशिंगटन स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर फिर से नियंत्रण पाने और अपनी सुरक्षित शिपिंग को बहाल करने की कोशिश कर रहा है। दूसरी तरफ ईरान ने इस बेहद अहम समुद्री व्यापारिक रास्ते होर्मुज को पूरी तरह से बंद कर दिया है। इसी कारण दोनों देशों की सेनाएं एक-दूसरे के सामने आ गई हैं और युद्ध जैसे भयंकर हालात बन गए हैं।

हूती विद्रोहियों की नई धमकी : हूती विद्रोहियों ने बाब अल-मंदेब में दुनिया के एक और बहुत अहम व्यापारिक मार्ग को भारी खतरा पैदा कर दिया है। उन्होंने लाल सागर में सऊदी तेल टैंकरों पर हमला करके पूरे अंतरराष्ट्रीय समुदाय को एक बहुत बड़ी चुनौती दी है। इन घटनाओं से दुनिया में तेल की भारी किल्लत और आर्थिक संकट पैदा होने की बहुत बड़ी आशंका है। अमेरिका ने इस स्थिति से निपटने के लिए अपनी नौसेना और वायुसेना को पूरी तरह से सतर्क कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हूती विद्रोहियों और ईरान को अपनी बहुत ही सख्त और बड़ी चेतावनी जारी की है। ट्रंप ने स्पष्ट रूप से कहा है कि अगर उन्होंने वाणिज्यिक जहाजों पर अपने ये जानलेवा हमले लगातार जारी रखे। तो इसके जवाब में उन्हें अमेरिका की तरफ से बहुत बड़ी और विनाशकारी सैन्य सजा भुगतने के लिए तैयार रहना होगा। अमेरिका अपने और अपने सहयोगी देशों के व्यापारिक हितों की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है।

कनाडा, अमेरिका के साथ व्यापारिक बातचीत में अपने हितों की रक्षा की पहल करेगा : कनाडाई पीएम कार्नी

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि उनकी सरकार हाल ही में अमेरिकी की टैरिफ धमकियों के जवाब में देश के हितों की रक्षा के लिए जो भी करना होगा करेगी। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, कार्नी ने गुरुवार को प्रिंस एडवर्ड आइलैंड के शार्लेटटाउन में राज्य और इलाके के नेताओं की एक मीटिंग में यह बात कही। उन्होंने जोर देकर कहा कि कनाडा, वाशिंगटन से व्यापार के दबाव के बावजूद अपने मजदूरों, किसानों, बिजनेस और परिवारों की रक्षा और मदद करेगा। पीएम कार्नी ने कहा, '18 महीने पहले जब यह ट्रेड वॉर शुरू हुआ था, तब की तुलना में हम अब ज्यादा मजबूत स्थिति में हैं। हम खुद कनाडाई लोगों के पक्के इरादे और इस टेबल पर मौजूद प्रीमियर्स के फोकस की वजह से ज्यादा मजबूत स्थिति में हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कुछ कनाडाई सामानों पर 50 फीसदी अतिरिक्त शुल्क लगाने के लिए उद्घोषणा पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने कहा कि कनाडा अमेरिकी वाणिज्य के साथ भेदभाव कर रहा है। 1930 के टैरिफ एक्ट के सेक्शन 338 का इस्तेमाल करते हुए, ट्रंप ने कुछ खास कनाडाई इंपोर्ट पर नई ड्यूटी लगाने के लिए तीन अलग-अलग प्रोक्लेमेशन पर साइन किए। व्हाइट हाउस ने कहा कि इस एक्शन का मकसद अमेरिकी वाणिज्य के साथ कनाडा के भेदभाव वाले बर्ताव से यूएस कॉमर्स पर पड़ने वाले बोझ और नुकसान को कम करना और अमेरिकी एक्सपोर्ट, खासकर कारों, शराब और डेयरी प्रोडक्ट्स के लिए प्लेइंग फील्ड को बराबर करना है। व्हाइट हाउस की वेबसाइट पर पोस्ट किए गए डॉक्यूमेंट्स के मुताबिक, कुछ डेयरी प्रोडक्ट्स, मादक पेय, मोटर गाड़ियों और उनसे जुड़े सामानों पर मूल्य के अनुसार अतिरिक्त 50 फीसदी ड्यूटी 19 अगस्त से लागू होगी। जवाब में, पीएम कार्नी ने सोमवार को नए अमेरिकी टैरिफ को कनाडा-यूनाइटेड स्टेट्स-मेक्सिको एग्रीमेंट का सीधा उल्लंघन करने वाली एकतरफा अमेरिकी व्यापार एक्शन की सीरीज में सबसे नया बताया। प्रधानमंत्री कार्नी ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने ट्रंप से बात की है और दोनों पक्ष व्यापार बातचीत को तेज करने पर सहमत हुए हैं। व्हाइट हाउस ने कहा कि पिछले डेढ़ साल में, सिर्फ दो देशों, चीन और कनाडा ने वाशिंगटन के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत करने के बजाय ट्रंप के टैरिफ का जवाब देने का फैसला किया। इसने कहा कि सरकार ने 18 ट्रेड डील पक्की कीं, जिससे अमेरिकी एक्सपोर्ट के लिए नए मार्केट खुले, लेकिन यह भी कहा कि कनाडा ने अपनी व्यापार रुकावटों को दूर करने के बजाय अमेरिका के साथ भेदभाव करने का फैसला किया।

मैनहट्टन में दो लोगों पर चाकू से हमला, एशियाई और यहूदी व्यक्ति बना निशाना

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के मैनहट्टन स्थित अपर वेस्ट साइड इलाके में गुरुवार (स्थानीय समय) दो अलग-अलग चाकूबाजी की घटनाओं से सनसनी फैल गई। इन दोनों हमलों में एक एशियाई और एक यहूदी व्यक्ति घायल हुआ है। न्यूयॉर्क पुलिस विभाग ने 51 वर्षीय संदिग्ध राउल मोरालेस को दोनों मामलों में गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि क्या ये हमले किसी नफरत की भावना से किए गए थे। न्यूयॉर्क पुलिस आयुक्त जेसिका एस. टिश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी देते हुए बताया कि दोनों घायलों को तुरंत माउंट सीनाई-सेंट ल्यूक्स अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। राहत की बात यह है कि दोनों की हालत खतरे से बाहर है और उनके बचने की उम्मीद है।

जेसिका टिश ने कहा, 'अपर वेस्ट साइड में दो अलग-अलग हमलों में दो लोगों पर चाकू से हमला किया गया। दोनों पीड़ितों में एक एशियाई पुरुष और एक यहूदी पुरुष शामिल हैं। दोनों को अस्पताल ले जाया गया है और दोनों के बचने की उम्मीद है।

उन्होंने बताया कि 51 वर्षीय राउल मोरालेस को दोनों हमलों के संबंध में गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस की जांच अभी भी जारी है और हमले के पीछे की असली वजह का पता लगाया जा रहा है। पुलिस आयुक्त के अनुसार, पीड़ितों और प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों से पता चला है कि हमले के दौरान आरोपी ने 'अल्लाहु अकबर' चिल्लाया था। इसी आधार पर न्यूयॉर्क पुलिस विभाग इस बात की जांच कर रही है कि क्या यह मामला संभावित हेट क्राइम का है। जेसिका टिश ने यह भी बताया कि न्यूयॉर्क पुलिस विभाग के रिकॉर्ड में आरोपी का मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ा कोई इतिहास नहीं मिला है। हालांकि शुरुआती जांच से संकेत मिले हैं कि इस घटना में मानसिक स्वास्थ्य भी एक संभावित कारण हो सकता है। पुलिस के मुताबिक, अब तक की जांच में आरोपी और दोनों पीड़ितों के बीच किसी तरह का कोई संबंध सामने नहीं आया है। इस घटना पर न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि उन्हें पूरे मामले की जानकारी दे दी गई है और उन्हें राहत है कि दोनों घायल फिलहाल स्थिर हालत में हैं। जोहरान ममदानी ने 'एक्स' पर लिखा, 'अपर वेस्ट साइड में एक एशियाई और एक यहूदी व्यक्ति पर हुए भयावह चाकू हमले की जानकारी मुझे दी गई है। पीड़ितों और गवाहों के अनुसार, हमलावर ने दोनों घटनाओं के दौरान 'अल्लाहु अकबर' चिल्लाया था। मुझे खुशी है कि दोनों पीड़ितों की हालत स्थिर है। उन्होंने न्यूयॉर्क पुलिस विभाग की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि पुलिस ने दोनों हमलों के आरोपी राउल मोरालेस को गिरफ्तार कर लिया है। शुरुआती जांच में मानसिक स्वास्थ्य एक संभावित कारण के रूप में सामने आया है और पुलिस इन हमलों को संभावित हेट क्राइम के रूप में भी जांच रही है। इस तरह के नफरत से प्रेरित और घृणित हमलों की हमारे शहर में कोई जगह नहीं है।

पुलिस ने बाया कि आरोपी को दबोच लिया गया है। उसका नाम राउल मोरालेस बताया गया है।आरोपी की उम्र 51 साल बताई गई है। पुलिस कमिश्नर ने कहा, इस मामले की जांच की जा रही है। यह पता लगाने की कोशिश हो रही है कि आखिर इस अपराध के पीछे वजह क्या थी। यह भी पता लगाया जाएगा कि यह कोई आपसी रंजिश का मामला तो नहीं था। वहीं न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने कहा कि हो सकता है कि यह मानसिक विक्षिप्तता का मामला हो। उन्होंने कहा कि इस तरह के घृणित कार्यों के लिए शहर में कोई जगह नहीं है। उन्होंने बताया कि दोनों ही पीड़ित अब ठीक हैं और उन्हें जल्द ही अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी। बता दें कि इसी महीने न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन के कोनी आइलैंड में अमेरिकी स्वतंत्रता दिवस के जश्न के दौरान गोलीबारी हुई थी जिसमें कम से कम आठ लोग घायल हो गए थे।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)